मुख्यमंत्री ने 9.74 लाख लाभार्थियों.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

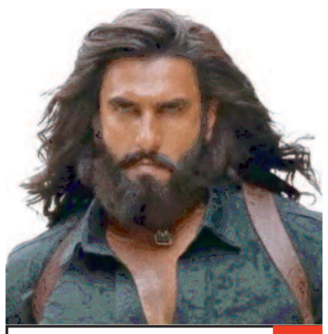

डॉन 3 विवाद के बीच रणवीर... 11

वर्ष - 02, अंक - 62 | गाजियाबाद / शुक्रवार 05 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

ईरान में फूट डालना चाहता है अमेरिका

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने ट्रंप को दी खुली चेतावनी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि हार के बाद दुश्मन फूट डालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान 'आजाद' देशों के लिए गर्व का स्रोत बन गया है। ईरान की सरकारी तस्नीम न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने

यह टिप्पणी अयातुल्ला रूहोल्ला खोमेनी की पुण्यतिथि की 37वीं वर्षगांठ पर टेलीविजन पर पढ़े गए एक संदेश में की। ईरान के सुप्रीम लीडर का कहना है कि तेहरान का दुश्मन हार का सामना करने के बाद आंतरिक फूट डालने की कोशिश कर रहा है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने संबोधन में कहा है कि ईरान का दुश्मन हार का सामना करने के बाद ईरानी लोगों के लचीलेपन को नुकसान पहुंचाने और आंतरिक फूट डालने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा उन्होंने दुश्मन की युद्ध के मैदान में हार के बाद फूट के प्रति आगाह किया।

बंगाल में ममता के सामने अब पहचान का संकट!

- सबसे मुश्किल दौर में पार्टी, बागी गुट ने किया खेल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में टीएमसी विधायक दल में टूट के बाद भी राजनीतिक उठापटक बाकी है। टीएमसी के बागी 60 विधायकों को विधानसभा में विपक्षी दल की मान्यता मिल गई है। विधानसभा अध्यक्ष रतींद्रनाथ बोस ने ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा देते हुए ऑफिस की चाबी भी दे दी। टीएमसी पार्टी की ओर से नियुक्त शोभनदेव भट्टाचार्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के ऑफिस के लिए धरना दे रहे थे। पार्टी में टूट के बाद मायूसी

ही उनके हाथ लगी। अब असली तृणमूल और नकली टीएमसी की लड़ाई शुरू होगी, जिस पर आखिरी फैसला विधानसभा अध्यक्ष को ही करना है। **बंगाल में महाराष्ट्र पार्ट-2 दोहराया जा रहा है–** बंगाल विधानसभा में टीएमसी में टूट के बाद ममता बनर्जी और पार्टी का भविष्य स्पीकर रतींद्रनाथ बोस के फैसलों पर टिक गया है। संजय राउत समेत कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल में महाराष्ट्र के ऑपरेशन लोटस को दोहराया जा रहा है।

टीसीएस के बाद अब विप्रो में धर्मांतरण का आरोप

- पीड़िता बोली-कर्मचारी ने इस्लाम अपनाने का दबाव बनाया

पुणे (एजेंसी)। पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी। ये आरोप पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए। इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिंजवडी

ऑफिस में काम करती थी। इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। पीड़ित महिला ने कहा–अगस्त 2025 में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था। इस दौरान मुझ पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया गया। मुझे अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया और इस्तीफा ले लिया गया। **ऑफिस में इस्लाम अपनाने का दबाव दिया जाता था–** पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि एक महिला सहकर्मी उस पर इस्लाम अपनाने और मुस्लिम से संबंध बनाने का दबाव डालती थी।

देश में झूमकर आया 'मॉनसून'

- केरल से एंट्री, तीन दिन लेट, सात दिन जमकर बारिश का अनुमान
- एमपी और राजस्थान समेत 24 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिसका लोग लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, आखिरकार वह समय आ ही गया। भारत में केरल के जरिए मॉनसून की एंट्री हो गई है। इसकी वजह से अगले सात दिनों तक केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक में अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, उत्तर पूर्वी भारत में अगले पांच से छह दिनों तक भारी से बहुत भारी बरसात का अलर्ट है। इसके अलावा, उत्तर पश्चिम भारत, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों और दक्षिण भारत में अगले दो से तीन दिनों के दौरान तेज आंधी के साथ तूफान आएगा। मौसम विभाग ने मॉनसून आने की खुशखबरी देते हुए कहा, दक्षिण पश्चिम मॉनसून चार जून को केरल से देश में प्रवेश कर चुका है।

दक्षिण भारत के राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी– मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण भारत के राज्यों में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से भारी बारिश होगी।

पूर्वी भारत में तेज हवाएं चलने का अनुमान– मौसम विभाग के अनुसार, 6-7 जून के दौरान असम, मेघालय में हल्की से मध्यम बारिश, गरज के साथ तूफान, मध्यम बिजली गिरने और तेज हवाओं के चलने का अनुमान है। पांच से सात जून के दौरान नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में भी यही संभावना है। चार से पांच जून के दौरान असम, मेघालय में भी तेज हवाएं चलने वाली हैं। 5-10 जून को अरुणाचल प्रदेश, 4-5 जून और 10 जून को असम, मेघालय में, 5-10 जून के दौरान नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होगी। चार जून को और छह से नौ जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, छह से नौ जून के दौरान असम, मेघालय में अलग-अलग जगहों पर बहुत भारी बारिश होगी।

दिल्ली, यूपी समेत उत्तर भारत में बदलेगा मौसम

वहीं, उत्तर भारत की बात करें तो चार से छह जून के दौरान जम्मू कश्मीर, लद्दाख में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने वाली है। 5 से छह जून के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 5 से छह जून के दौरान 40-50 किमी प्रति घंटे की स्पीड से तेज हवाएं चलेंगी। 6 जून

को हिमाचल प्रदेश में भी तेज हवा चलने का अलर्ट है। चार से छह जून के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब, पश्चिमी यूपी में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश होगी। पांच जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी यही हाल रहने वाला है। पश्चिमी राजस्थान में 5 जून को तेज आंधी आएगी।

रूस ने बढ़ा दी भारत की और ताकत

- अभेद्य हुआ 'सुदर्शन चक्र' आ गई एस-400 की चौथी खेप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की हवाई रक्षा ताकत और भी अभेद्य हो गई है। रूस से भारत को अत्याधुनिक एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की चौथी स्क्वाड्रन मिल गई है। इस सिस्टम को भारत में 'सुदर्शन चक्र' कहा जाता है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के चलते इस सिस्टम की डिलीवरी में कुछ देरी हुई थी, लेकिन अब समुद्री रास्ते से यह भारत आ चुका है और जल्द ही इसे एक अहम ऑपरेशनल इलाके में तैनात कर दिया जाएगा।

पांचवीं और आखिरी स्क्वाड्रन का भी है इंतजार– भारत ने अपनी पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए साल 2018 में रूस के साथ पांच एस-400 रेजीमेंटल सिस्टम के लिए सौदा किया था। इसकी पहली तीन स्क्वाड्रन भारत को पहले ही मिल चुकी हैं। अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन युद्ध के कारण जो रुकावटें आई थीं, वे अब दूर हो गई हैं और डिलीवरी फिर से तय समय पर होने लगी है। उम्मीद है कि पांचवीं और आखिरी स्क्वाड्रन भी आने वाले कुछ महीनों में भारत पहुंच जाएगी। इसके साथ ही, भारत अपने बेड़े का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त एस-400 खरीदने की योजना पर भी विचार-विमर्श कर रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर और रिकॉर्ड-रेंज किल

एस-400 सुदर्शन की अहमियत ऑपरेशन सिंदूर से समझी जा सकती है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, इस ऑपरेशन में एस-400 ने पाकिस्तानी वायुसेना के खिलाफ एक अहम रोल निभाया था। इस डिफेंस सिस्टम ने 300 किलोमीटर से अधिक की दूरी से पाकिस्तान के एक कीमती सर्विलांस एयरक्राफ्ट को मार गिराया था। अधिकारियों ने इसे एक रिकॉर्ड-रेंज किल करार दिया था। भारत एक बेहद मजबूत मल्टी-लेयर (बहुस्तरीय) रक्षा कवच तैयार कर रहा है, जिसे सुदर्शन चक्र नाम दिया गया है। इसके तहत अलग-अलग तरह के हथियारों को एक यूनिफाइड नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है। इसमें लंबी दूरी तक मार करने वाला एस-400, मीडियम रेंज का बराक-8 और डीआरडीओ का प्रोजेक्ट कुशा शामिल है। इन सभी के एक साथ जुड़ने से भारत को फायदा होगा।

बड़ा झटका! बीजेपी से अलग होंगे अन्नामलाई

- जल्द कर सकते हैं ऐलान, तमिलनाडु में इस्तीफों का दौर शुरू

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी को झटका लगा है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। सियासी गलियारों में हलचल इस बात को लेकर बढ़ गई है कि वह जल्द कोई बड़ी घोषणा कर सकते हैं। इस बात की जोरदार चर्चा है कि अन्नामलाई जल्द ही एक नई पार्टी या आंदोलन की घोषणा कर सकते हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह बीजेपी से अलग होकर अपनी एक स्वतंत्र राजनीतिक जमीन तैयार करने की योजना बना रहे हैं। आपको बता दें कि 2 जून को अन्नामलाई ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस बैठक के बाद कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया, लेकिन सूत्रों के मुताबिक बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें फिलहाल अपना इस्तीफा रोकने के लिए कहा है। इससे पहले खबर थी कि उन्हें सचिव बनाया जाएगा।

अधर में है अन्नामलाई का सियासी सफर?

पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई का राजनीतिक भविष्य उस समय से अधर में लटका हुआ नजर आ रहा है जब बीजेपी ने उन्हें हटाकर नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। इसके साथ ही बीजेपी ने साल 2026 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के साथ अपने पुराने गठबंधन को दोबारा जीवित कर लिया। पार्टी के इस फैसले के बाद से ही अन्नामलाई हाशिए पर चल रहे हैं। इन अटकलों को खुद अन्नामलाई के एक बयान ने और हवा दे दी है। हाल ही में उन्होंने मीडिया से कहा था कि वह अगले दो दिनों में अपनी स्थिति साफ करेंगे। दिल्ली रवाना होने से पहले उन्होंने कहा था, कृपया थोड़ा इंतजार करें। हम दो दिनों में एक साथ बैठेंगे और विस्तार से बात करेंगे। अन्नामलाई के आक्रामक तेवरों और लोकप्रियता की बदौलत 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी का वोट शेयर साल 2019 के 3.66 से बढ़कर सीधे 11.24 फीसदी पर पहुंच गया। इसके विपरीत नैनार नागेंद्रन के नेतृत्व में लड़े गए 2026 के हालिया चुनावों में बीजेपी को भारी नुकसान उठाना पड़ा और पार्टी एक सीट जीत पाई।

होटल मालिक 4 दिन की पुलिस रिमांड पर

- दिल्ली आग
- जलती इमारत के पास से गुजरा था, किसी को बचाया नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल में लगी आग मामले में मालिक लवकेश बजाज को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बजाज को पुलिस ने दिल्ली कोर्ट में पेश किया था। वहीं, बजाज ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के दौरान बजाज अपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया। उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया। इसके बजाय वह शहर में इधर-उधर घूमता रहा। बुधवार को लगी इस

भीषण आग ने पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया था, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। घटना के कुछ घंटों बाद पुलिस ने बजाज को हिरासत में लिया था।

होटल मालिक बोला

मैं नहीं दूसरे लोग संभालते थे काम

गिरफ्तार होटल मालिक लवकेश बजाज ने बताया कि वह खुद होटल की निगरानी नहीं करता था। उसने होटल के मैनेजमेंट, बिलिंग और अकाउंट्स का काम किसी और व्यक्ति को दिया था। उसने यह भी कहा कि होटल में कमरे बड़े करने और अन्य बदलावों की सलाह भी किसी अन्य व्यक्ति ने दी थी।

टीएमसी में बगावत, कांग्रेस-डीएमके की दूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी कुछ ही समय पहले तक ऐसा लग रहा था कि एक एकजुट विपक्ष केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी विधायी एजेंडे और उसके राजनीतिक नैरेटिव को पटरी से उतार सकता है। पिछले सत्र में लोकसभा के भीतर महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े सरकारी विधेयक की हार ने विपक्ष के इस हौंसले को और मजबूत किया था। लेकिन अब संसद के भीतर और बाहर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए आगे की राह बेहद आसान नजर आ रही है। इसकी मुख्य वजह यह है कि भाजपा के दो सबसे मजबूत क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक (डीएमके) इस समय बड़े राजनीतिक संकटों और चुनौतियों से जूझ रहे हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी इस समय अपने राजनीतिक इतिहास के सबसे बड़े अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है। पार्टी के कुल 80 विधायकों में से 58 बागी विधायकों के एक गुट ने ममता बनर्जी की पसंद के विपरीत ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता चुन लिया है। साल 1998 में ममता बनर्जी द्वारा पार्टी की स्थापना किए जाने के बाद से यह टीएमसी में अब तक का पहला औपचारिक विभाजन है।

भतीजे अभिषेक के खिलाफ गुस्सा– टीएमसी के एक सांसद ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह पूरा विद्रोह मुख्य रूप से ममता बनर्जी के उत्तराधिकारी और भतीजे अभिषेक बनर्जी के पार्टी में बढ़ते दबदबे के खिलाफ है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि विधायकों की इस बगावत का असर लोकसभा में टीएमसी के 28 और राज्यसभा में 13 सांसदों पर भी पड़ना तय है। हालांकि, दलबदल विरोधी कानून से बचने के लिए आवश्यक दो-तिहाई सांसदों का बागी गुट बनना अभी बाकी है, लेकिन भविष्य में इससे इनकार नहीं किया जा सकता है।

डीएमके और कांग्रेस में दूरी– दक्षिण भारत में भी विपक्ष का गणित पूरी तरह बिगड़ चुका है। तमिलनाडु में कांग्रेस ने अपने पुराने और भरोसेमंद साथी द्रमुक का हाथ छोड़कर सुपरस्टार से नेता बने विजय की नई पार्टी टीवीके से हाथ मिला लिया है। इस धोखे के बाद डीएमके अब केंद्र सरकार के प्रति अपनी पारंपरिक और स्वाभाविक शत्रुता छोड़ सकता है।

राजस्थान से सतीश पूनिया, एमपी से तरुण चुघ बने प्रत्याशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने 5 राज्यों में राज्यसभा चुनाव और एक राज्य में उपचुनाव के लिए अपने 11 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है। इसमें राजस्थान से सतीश पूनिया और मध्य प्रदेश से तरुण चुघ का भी नाम है। बीजेपी ने मध्य प्रदेश से तरुण चुग के अलावा रजनीश अग्रवाल को भी टिकट दिया है। वहीं, गुजरात से पार्टी ने 4 प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। इनमें राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार, जीतेंद्र मेघजीभाई कंजारिया शामिल हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात के अलावा मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश से भी प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने 9.74 लाख लाभार्थियों को 176.59 करोड़ रुपये की पेंशन राशि हस्तांतरित की

देहरादून (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक जागरूकता एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के अंतर्गत मई 2026 माह की पेंशन राशि एक क्लिक के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित की। कुल 9 लाख 74 हजार 338 लाभार्थियों के खातों में 176 करोड़ 59 लाख 24 हजार रुपये की धनराशि भेजी गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नशा मुक्ति अभियान तथा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और देखभाल के प्रति शपथ भी दिलाई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यशाला सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक पात्र व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव, देरी और बाधा के योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना और निःशुल्क राशन योजना जैसी योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ मिला है। वहीं स्टैंड-अप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, पीएम स्वनिधि, दीनदयाल अंत्योदय योजना और राष्ट्रीय आजीविका मिशन के माध्यम से वंचित वर्गों को स्वरोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण के अवसर प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सामाजिक न्याय को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। अंत्योदय परिवारों को प्रतिवर्ष तीन गैस सिलेंडर निःशुल्क दिए जा रहे हैं। दिव्यांग कर्मचारियों का वाहन भत्ता बढ़ाया गया है। स्वयं सहायता समूहों को लखपति दीदी योजना तथा कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना, वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम और अपणि सरकार पोर्टल के माध्यम से विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रेल और हवाई संपर्क के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। राष्ट्रीय खेलों और जी-20 बैठकों के सफल आयोजन से उत्तराखंड को वैश्विक पहचान मिली है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर रहे हैं। शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ केदारखंड एवं मानसखंड मंदिर माला मिशन पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। शारदा कॉरिडोर, ऋषिकेश-हरिद्वार कॉरिडोर, यमुना कॉरिडोर, विवेकानंद कॉरिडोर और गोल्ज्यू कॉरिडोर पर भी कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था डेढ़ गुना बढ़ी है तथा जीएसडीपी में 7.23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रति व्यक्ति आय में 41 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और बेरोजगारी दर में 4.4 प्रतिशत की कमी आई है। राज्य का बजट एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। होम-स्टे, उद्योग, स्टार्टअप, हेलिपोर्ट और बिजली उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नीति आयोग के सतत विकास लक्ष्य सूचकांक में उत्तराखंड को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून, दंगा विरोधी कानून और भू-कानून लागू किए गए हैं। सरकार ने 11 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। नकल विरोधी कानून लागू होने के बाद पिछले साढ़े चार वर्षों में 33 हजार से अधिक युवाओं को पारदर्शी ढंग से सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं।

कार्यक्रम में खजान दास, भरत चौधरी, सविता कपूर, पार्वती दास, भूपाल राम टम्टा, श्रीधर बाबू अद्दांकी, प्रकाश चन्द्र तथा विभिन्न आयोगों, परिषदों और समितियों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष उपस्थित रहे।

दिल्ली अग्निकांड के बाद यूपी में इमारतों, होटलों के सुरक्षा ऑडिट का आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली के मालवीय नगर में एक रेस्तरां में लगी भीषण आग, जिसमें 21 लोगों की दुखद मौत हो गई, ने उत्तर प्रदेश सरकार को हरकत में ला दिया है। इस त्रासदी का संज्ञान लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य भर के सभी होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए गुरुवार को विशेष सुरक्षा जांच के आदेश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने राज्य के विकास प्राधिकरणों, पुलिस विभागों, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और अग्निशमन विभागों सहित कई अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत सक्रिय होने का निर्देश दिया। उनके आदेशानुसार, सभी ऊंची इमारतों, कार्यालयों, होटलों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का गहन निरीक्षण किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनमें पर्याप्त और कार्यशील अग्नि सुरक्षा प्रणालियाँ स्थापित हों। विशेष रूप से, मुख्यमंत्री ने सभी होटलों की गहन सुरक्षा जांच करने और उसकी विस्तृत ऑडिट रिपोर्ट जल्द से जल्द प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देशों की पुष्टि करते हुए, मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अंकुश मित्तल ने बताया कि विशेष टीमें पहले से ही स्थानीय होटलों का सक्रिय रूप से निरीक्षण कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि अग्नि सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करने वाले किसी भी प्रतिष्ठान के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मित्तल ने कहा, सभी होटलों और विभिन्न स्टेशनों में अभियान चलाए जा रहे हैंय यदि लापरवाही पाई जाती है, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी इस बीच, उत्तर प्रदेश के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने दिल्ली में हुई दुखद घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने घोषणा की कि जिला मजिस्ट्रेटों और स्थानीय अधिकारियों को सुरक्षा अनुपालन को और अधिक सख्ती से लागू करने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं। खन्ना ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है और सरकार भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।

मां वैष्णो देवी दरबार में दर्शन करने वालों के लिए रैपिडो सेवा शुरू

जम्मू (एजेंसी)। कटरा में मां वैष्णो देवी के दरबार में दर्शन करने वालों के लिए रैपिडो सेवा शुरू कर दी गई है। इसके चलते अब श्रद्धालुओं को माता रानी के दर्शन करने में आसानी होगी। जानकारी के मुताबिक उक्त रैपिडो सेवा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और बाणगंगा रूट पर उपलब्ध है। अगर रेट की बात करें तो श्रद्धालुओं को बहुत ही कम पैसे में यह सेवा मिल रही है। इस रैपिडो सेवा में बाइक, ऑटो और कार के जरिए श्रद्धालु मां वैष्णो देवी भवन तक यात्रा कर सकते हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि बाइक राइड 35 रुपए, ऑटो राइड 91 रुपए, कार राइड 156 रुपए और प्रीमियम कार राइड 176 रुपए के आसपास होगी।

कर्नाटक में छात्रों को फ्री बस सुविधा, नए मुख्यमंत्री का पहला फैसला

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने पद की शपथ लेते ही छात्रों के हित में बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री बनने के बाद आयोजित पहली कैबिनेट बैठक में उन्होंने छात्रों को मुफ्त बस पास देने की घोषणा की। इसके साथ ही युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 'भारत जोड़ो युवा संघ' के गठन का भी ऐलान किया गया। शपथ ग्रहण समारोह के बाद शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार शिक्षा, युवाओं और सामाजिक कल्याण को प्राथमिकता देगी। उनके इस पहले फैसले को छात्रों और युवा वर्ग के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

रेलवे ट्रैक से तीन युवकों के शव मिलने से फैली सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

बोकारो (एजेंसी)। झारखंड के बोकारो जिले में रेलवे ट्रैक से तीन युवकों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। गुरुवार सुबह राधानगर पंचायत के समीप लावाटांड़ क्षेत्र में रेलवे लाइन के किनारे तीन शव पड़े होने की सूचना मिलने के बाद जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल बोकारो रेलवे स्टेशन से करीब 8 से 9 किलोमीटर दूर स्थित है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच के बाद तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। मृतकों में से एक युवक की पहचान घटनास्थल से मिले आधार कार्ड से बबलू सोरेन के रूप में हुई है। वह गोमिया प्रखंड के बरकी पुनु गांव निवासी सूरजलाल सोरेन का पुत्र बताया गया है। दूसरे मृतक दीपक सोरेन है, हालांकि पुलिस की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। तीसरे युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी पहचान के लिए आसपास के थानों से संपर्क कर रही है। जांच में पुलिस ने घटनास्थल के पास से एक बाइक भी बरामद की है। आशंका जताई जा रही है कि तीनों युवक किसी ट्रेन की चपेट में आए होंगे। हालांकि अभी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। मृतकों के परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

हैदराबाद के हेलमेट बाजार में भीषण आग, दुकानें जलकर खाक

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद के भीड़भाड़ वाले अमीरपेट इलाके में स्थित हेलमेट बाजार में गुरुवार को भीषण आग लग गई, इस आग ने कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया और उन्हें खाक कर दिया। गनीमत रही कि इस बड़े अग्निकांड में अब तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब सात गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने व बचाव कार्यों में जुट गईं। रिपोर्ट के अनुसार, दमकल कर्मी आग की लपटों पर काबू पाने के लिए बड़े पैमाने पर सघन अभियान चला रहे हैं। चूंकि यह एक बेहद घना कारोबारी क्षेत्र है, इसलिए उनकी सबसे पहली प्राथमिकता आग को आसपास के अन्य प्रतिष्ठानों और दुकानों तक फैलने से रोकना है। आग के कारण कई दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी हैं, जिससे लाखों का नुकसान होने का अनुमान है। घटनास्थल से सामने आए दृश्यों में बाजार परिसर से धुएं का घना गुबार आसमान की तरफ उठता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं दमकल कर्मी लगातार इस भयानक आग से जूझते नजर आ रहे हैं। आपातकालीन और बचाव कार्यों को सुचारु रूप से चलाने के लिए अधिकारियों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। यातायात (ट्रैफिक) को भी घटनास्थल के आसपास नियंत्रित किया गया है, ताकि दमकल और बचाव टीमों को बिना किसी बाधा के काम करने का अवसर मिल सके।

दिल्ली के बाद अब फिरोजपुर के रेस्टोरेंट में लगी आग, एक की मौत

फिरोजपुर (एजेंसी)। फिरोजपुर कैंट में गुरुवार को मशहूर रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गई। जानकारी के मुताबिक नैवेद्यम स्वीट्स एंड बेकर्स फिरोजपुर, पंजाब में स्थित एक बेहद लोकप्रिय और जानी-मानी बेकरी व रेस्टोरेंट है। रेस्टोरेंट में लगी भयानक आग से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दूर-दूर तक धुआं दिखाई देने लगा। मौके पर तुरन्त फायर ब्रिगेड पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के मुताबिक रेस्टोरेंट में लगी आग में तुलसी नाम के एक कर्मचारी की जलने से मौत हो गई है। जब आग लगी तो किसी को नहीं पता था कि यह कर्मचारी रेस्टोरेंट के अंदर है। जब फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग बुझा रहे थे तो उन्होंने इस जले हुए व्यक्ति को देखा, जिसे बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया। तो उसकी मौत हो चुकी थी। डीएसपी सिटी फिरोजपुर ने कहा कि आग में जलकर मरे इस युवक की मौत के मामले में पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है। इस घटना में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि रेस्टोरेंट के अंदरूनी हिस्से में लगी जहां फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान व अन्य सामग्री पड़ी थी जिससे नुकसान हुआ। ऊपर मंजिल पर आग लगी, जहां पहुंचने के लिए कोई सीधा रास्ता नहीं है। इसलिए आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड टीम को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस दौरान बड़ी चिंता रेस्टोरेंट में रखा गैस सिलेंडरों को लेकर थी, अगर आग फैलती तो वहां बड़ा धमाका हो सकता था। मौके पर फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने बहुत ही सावधानी से गैस सिलेंडरों को बाहर निकाला।

समावेशी और प्रगतिशील परिवर्तन के लिए उभरते नेतृत्व कार्यक्रम का शुभारंभ, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी ने युवाओं को किया प्रेरित

देहरादून (शिखर समाचार)। देहरादून स्थित होटल मधुबन में समावेशी और प्रगतिशील परिवर्तन के लिए उभरते नेतृत्व कार्यक्रम के द्वितीय चरण का शुभारंभ उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी भूषण ने किया। कार्यक्रम में भारत और जर्मनी से आए युवा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इस अवसर पर ऋतु खंडूरी ने समावेशी विकास, प्रभावी नेतृत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक परिवर्तन में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं को वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करने के साथ साथ विभिन्न संस्कृतियों, विचारों और अनुभवों से सीखने का अवसर उपलब्ध कराते हैं। इससे युवा समाज और राष्ट्र के विकास में अधिक प्रभावी योगदान देने के लिए तैयार होते हैं।

कार्यक्रम के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने प्रतिभागियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। उन्होंने लोकतंत्र, जनप्रतिनिधित्व, नीति निर्माण, महिला नेतृत्व और युवाओं की भागीदारी से जुड़े विषयों पर अपने अनुभव साझा किए। साथ ही युवाओं को समाज में सकारात्मक परिवर्तन का नेतृत्व करने, लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाने तथा जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

यह कार्यक्रम आईलीड ग्लोबल फाउंडेशन और कोनराड एडेनॉयर स्टिफ्टुंग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में आईलीड ग्लोबल फाउंडेशन की संस्थापक एवं भाजपा उत्तराखंड की प्रदेश मंत्री नेहा जोशी ने ऋतु खंडूरी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश और विदेश से आए युवाओं के लिए विधानसभा अध्यक्ष के साथ सीधा संवाद एक प्रेरणादायक अनुभव रहा। युवाओं में समाज और राष्ट्र के भविष्य को दिशा देने की अपार क्षमता है। फाउंडेशन ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं में निवेश कर भावी नेतृत्व तैयार करने का कार्य कर रहा है।

अब अपने जन्म दिन पर नई पार्टी का ऐलान करेंगे अन्नामलाई?

भाजपा से इस्तीफे के बाद तमिलनाडु में सियासी भूचाल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में एक बहुत बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद और पार्टी से के अन्नामलाई ने इस्तीफा दे दिया है, जिससे राज्य के सियासी गलियारों में भारी हलचल मच गई है। आज उनके 42वें जन्मदिन के अवसर पर यह कयास बेहद तेज हो गए हैं कि वह किसी नई पार्टी या एक स्वतंत्र आंदोलन की घोषणा कर सकते हैं। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि अन्नामलाई भाजपा से अलग होकर तमिलनाडु में अपनी खुद की स्वतंत्र जमीन तैयार करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। हालांकि, बीते 2 जून को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हुई उनकी मुलाकात के बाद शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें फिलहाल अपना इस्तीफा रोकने की सलाह दी थी, लेकिन इससे पहले वह भाजपा के राष्ट्रीय सचिव नितिन नवीन को अपना इस्तीफा सौंप चुके थे।

पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई का राजनीतिक भविष्य उस समय से असमंजस में दिखाई दे रहा था, जब भाजपा आलाकमान ने उन्हें पद से हटाकर नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु का नया प्रदेश

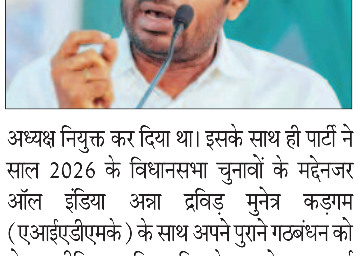

अध्यक्ष नियुक्त कर दिया था। इसके साथ ही पार्टी ने साल 2026 के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के साथ अपने पुराने गठबंधन को दोबारा जीवित कर लिया, जिसके बाद से अन्नामलाई हाशिए पर चल रहे थे।

साल 2020 में पुलिस की नौकरी छोड़ राजनीति में आने वाले अन्नामलाई का ग्राफ बेहद तेजी से बढ़ा था और वह महज 10 महीने के भीतर राज्य के सबसे युवा भाजपा अध्यक्ष बन गए थे। उनके आक्रामक नेतृत्व में पार्टी ने दो दशकों बाद 2021 के विधानसभा चुनाव में चार सीटें जीतकर राज्य में वापसी की थी। इतना ही नहीं, 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 3.66 प्रतिशत से बढ़कर सीधे 11.24 प्रतिशत पहुंच गया था। इसके विपरीत, नागेंद्रन के नेतृत्व में लड़े गए 2026 के हालिया चुनावों में भाजपा को भारी नुकसान उठाना पड़ा और वह महज एक सीट पर सिमट गई।

भाजपा की धड़कने बढ़ी

अन्नामलाई के इस्तीफे की खबरों के बीच कोयंबटूर और मदुरै जैसे बड़े शहरों में लगे पोस्टरों ने भाजपा की धड़कनें बढ़ा दी हैं। इन पोस्टरों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के अन्य बड़े नेताओं की तस्वीरें पूरी तरह गायब हैं, जबकि अन्नामलाई को दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज रजनीकांत और अजित के साथ दिखाया गया है। इस असमंजस के कारण भाजपा के भीतर इस्तीफों का दौर भी शुरू हो गया है; मछुआरा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एमसी मुनुसामी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं में भारी निराशा देखी जा रही है।

सीजेपी को शशि थरूर की नसीहत, बोले- इंस्टाग्राम मंच है, बैलट बॉक्स नहीं

-युवाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हो रहे 'कॉकरोच जनता पार्टी' अभियान के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने देश के युवाओं, खासकर जेन-जी पीढ़ी को लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर रहकर बदलाव लाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया जागरूकता फैलाने का प्रभावी मंच हो सकता है, लेकिन वास्तविक परिवर्तन के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं और चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी जरूरी है।

दरअसल कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने एक लेख में कहा, कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' जैसे अभियानों ने उन युवाओं की भावनाओं को सामने लाया है जो रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और सार्वजनिक संस्थानों को लेकर निराश हैं। उन्होंने युवाओं से कहा, ÷इंस्टाग्राम आपका सार्वजनिक मंच है, लेकिन यह बैलट बॉक्स नहीं है।÷ थरूर ने युवाओं को अपने स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाने की सलाह देते हुए कहा कि उन्हें अपने विधायक और सांसदों के कार्यालयों तक पहुंचना चाहिए तथा समस्याओं के समाधान के लिए दबाव बनाना चाहिए। उन्होंने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सूचना का अधिकार (आरटीआई) का अधिक से अधिक उपयोग करने की भी बात कही। कांग्रेस सांसद ने कहा कि केवल निराशा व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। युवाओं को अपनी मांगों को स्पष्ट रूप से सामने रखना चाहिए और उन्हें ऐसे मुद्दों से जोड़ना चाहिए जिन पर कार्रवाई संभव हो। उनके अनुसार, संगठित और तथ्याधारित जनदबाव से मीडिया और जनप्रतिनिधियों को प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर किया जा सकता है। कांग्रेस नेता थरूर ने छात्र संगठनों, कानूनी सहायता समूहों और नीति-आधारित संस्थाओं के साथ जुड़ने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि इतिहास के सफल जनआंदोलनों में विरोध प्रदर्शन के साथ-साथ संगठन निर्माण, नीति-निर्माण, लॉबिंग और कानूनी लड़ाइयों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने युवाओं को यह भी याद दिलाया कि भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएं अभी भी बदलाव का अवसर प्रदान करती हैं और उन्हें व्यवस्था के भीतर रहकर सुधार की दिशा में काम करना चाहिए। थरूर के अनुसार, देश की युवा आबादी भारत के भविष्य को आकार देने की क्षमता रखती है और उसे निराशा के बजाय रचनात्मक भागीदारी का रास्ता चुनना चाहिए।

सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर वाला पहला देश बना चीन, भारत दूसरे नंबर पर

-डिजिटल दुनिया में चीन की मौजूदगी मजबूत, वहां गूगल, अमेजन जैसे प्लेटफार्म नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेट आज दुनिया की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। अरबों लोग रोजाना ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं आज दुनिया में सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर किस देश में हैं? भारत सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होने के बावजूद पहले नंबर पर नहीं है। यह रिकॉर्ड चीन के नाम है जहां इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है। 2025 के अंत तक उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक चीन में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या करीब 1.3 अरब तक पहुंच चुकी है। यह संख्या इतनी बड़ी है कि दुनिया के कुल इंटरनेट यूजर्स में हर पांचवां व्यक्ति चीन का निवासी है।

रिपोर्ट के मुताबिक देश की इंटरनेट पहुंच भी 80 फीसदी से ज्यादा हो चुकी है यानी अधिकांश आबादी अब ऑनलाइन से जुड़ चुकी है। दूसरी ओर भारत करीब 80.6 करोड़ इंटरनेट यूजर्स के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि अमेरिका करीब 32.2 करोड़ यूजर्स के साथ तीसरे नंबर पर है। चीन के इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या इतनी विशाल है कि यह अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और कनाडा जैसे देशों की कुल ऑनलाइन आबादी को जोड़ने पर भी उससे ज्यादा है। यह दिखाता है कि डिजिटल दुनिया में चीन की मौजूदगी कितनी मजबूत हो चुकी है। चीन के आधिकारिक इंटरनेट नियामक संस्थान के मुताबिक, 2025 के अंत तक देश में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 1.12 अरब से ज्यादा दर्ज की गई और इंटरनेट पहुंच दर 80.1 फीसदी तक पहुंच गई।

चीन की डिजिटल दुनिया काफी हद तक बाकी देशों से अलग है। वहां कई लोकप्रिय विदेशी प्लेटफॉर्म जैसे गूगल और अमेजन उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में घरेलू कंपनियों ने इस खाली जगह को भर दिया है। आज चीन में अलीबाबा, टैंटकेंट और बाइदू जैसे प्लेटफॉर्म प्रमुख भूमिका निभाते हैं। वहीं वीचेट, वेयबो और कुआशियू का दबदबा देखने को मिलता है जहां अन्य देशों में फेसबुक, एक्स और यूट्यूब् ज्यादा लोकप्रिय हैं।

चीन केवल इंटरनेट यूजर्स की संख्या में ही नहीं बल्कि डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में भी अग्रणी है। 2025 के मध्य तक ऑनलाइन पेमेंट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या 1.02 अरब से ज्यादा पहुंच गई थी। इसका मतलब है कि करीब 91 फीसदी इंटरनेट यूजर किसी न किसी रूप में डिजिटल पेमेंट सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। रिटेल खरीदारी, टैक्सी बुकिंग, बिल भुगतान और अन्य सेवाओं में मोबाइल पेमेंट वहां की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है।

एआई के क्षेत्र में भी चीन तेजी से विस्तार कर रहा है। दिसंबर 2025 तक देश में लगभग 60.2 करोड़ लोग जनरेटिव एआई टूल्स का इस्तेमाल कर रहे थे। यह संख्या यूरोपीय संघ की कुल आबादी से भी ज्यादा बताई जाती है। चीन और भारत को मिलाकर देखें तो इन दोनों देशों में मौजूद इंटरनेट यूजर्स की संख्या दुनिया के शीर्ष 20 देशों के कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं से भी

ज्यादा है। यह संकेत देता है कि इंटरनेट और डिजिटल तकनीक का वैश्विक केंद्र धीरे-धीरे पश्चिमी देशों से हटकर एशिया और ग्लोबल साउथ की ओर बढ़ रहा है।

मोदीनगर के विकास कार्यों को गति देने की मांग, मुख्यमंत्री से मिले सांसद और जनप्रतिनिधि

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बागपत मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान के नेतृत्व में मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र की नगर पालिका परिषद तथा नगर पंचायतों के प्रतिनिधिमंडल ने बृहस्पतिवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर क्षेत्र के विकास कार्यों को और अधिक गति देने की मांग की।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान सिखेड़ा मार्ग से सौदा मार्ग तक स्थित नाले को ढककर उसके ऊपर सड़क निर्माण कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि यदि इस लगभग साढ़े तीन किलोमीटर लंबे नाले को ढककर सड़क बना दी जाए तो यह मार्ग मोदीनगर के लिए एक वैकल्पिक परिधीय मार्ग का कार्य करेगा। इससे शहर में यातायात का दबाव कम होगा, लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा खुले नाले से होने वाली गंदगी और दुर्गंध से भी राहत प्राप्त होगी।

सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने बताया कि वह नगर पालिका परिषद मोदीनगर के अध्यक्ष विनोद वैशाली, निवाड़ी नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल त्यागी तथा पतला नगर पंचायत अध्यक्ष के पति देवेंद्र चौधरी के साथ मुख्यमंत्री से मिले। उन्होंने मुख्यमंत्री से मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं को शीघ्र गति प्रदान करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि मोदीनगर नगर क्षेत्र के बीचों-बीच स्थित यह नाला लंबे समय से लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। इसके ऊपर सड़क बनने से नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और लोगों को एक नया सुगम मार्ग उपलब्ध हो सकेगा। सांसद ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस मांग पर सकारात्मक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया है।

मुलाकात के दौरान निवाड़ी क्षेत्र में लगभग दो हजार बीघा भूमि पर प्रस्तावित औद्योगिक नगरी की स्थापना के लिए भी मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास परिषद द्वारा भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से संचालित की जा रही है तथा अनेक किसान अपनी भूमि के बैनामे कर चुके हैं।

नगर पालिका परिषद मोदीनगर के अध्यक्ष विनोद वैशाली ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोदीनगर क्षेत्र में और अधिक विकास कार्य कराए जाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रस्तावित परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी।

पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट, नकलविहीन व शांतिपूर्ण आयोजन के लिए समीक्षा बैठक

हापुड़ (शिखर समाचार)। आगामी 8 से 10 जून 2026 तक आयोजित होने वाली पुलिस भर्ती लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था, मजिस्ट्रेट तैनाती, यातायात प्रबंधन तथा परीक्षा की गोपनीयता सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा का संचालन पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और शांतिपूर्ण वातावरण में कराया जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें। बैठक में बताया गया कि जनपद में कुल 9 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां प्रतिदिन दो पालियों में परीक्षा आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पाली अपराह्न 3 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित की जाएगी। परीक्षा केंद्रों को तीन जोन में विभाजित किया गया है, ताकि निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा सके। प्रशासन की ओर से प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाने के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों और जैमर की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे मोबाइल फोन अथवा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से नकल की किसी भी संभावना को रोका जा सके। इसके अतिरिक्त सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्थैतिक मजिस्ट्रेट तथा रिजर्व मजिस्ट्रेट की तैनाती भी की गई है। जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी तंत्र और गोपनीयता बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने अथवा परीक्षा की निष्पक्षता प्रभावित करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में आर्य कन्या पाठशाला (स्वर्ग आश्रम रोड), चौधरी ताराचंद इंटर कॉलेज, दीवान इंटर कॉलेज, एसएसवी इंटर कॉलेज, जैन कन्या इंटर कॉलेज (बुलंदशहर रोड), सर्वोदय इंटर कॉलेज तथा पिलखुवा स्थित श्री चंडी विद्यालय सहित अन्य परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक परीक्षा कक्ष में सीसीटीवी कैमरे और जैमर की व्यवस्था पूरी तरह कार्यशील रहे तथा सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। इससे परीक्षा का आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया जा सकेगा।

दिल्ली हादसे के बाद हापुड़ में फायर विभाग सख्त, छह प्रतिष्ठानों को नोटिस

हापुड़ (शिखर समाचार)। दिल्ली में हाल ही में आग लगने की भीषण घटनाओं में 21 लोगों की मौत के बाद हापुड़ अग्निशमन विभाग भी सक्रिय हो गया है। गुरुवार को मुख्य अग्निशमन अधिकारी अजय शर्मा के नेतृत्व में जिलेभर में विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अभियान के तहत हापुड़ शहर स्थित हितकारी होटल, सिटी प्लाजा, आर.के. प्लाजा, कमल डोसा, धर्मा होटल, क्राउन प्लाजा तथा रेलवे रोड स्थित टुनाइट होटल का निरीक्षण किया गया। इसके अलावा पिलखुवा में आर.एन. रेजिडेंसी, एस.आर. रेजिडेंसी और द वेलवेट लाउंज समेत कई प्रतिष्ठानों की भी जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आई। अधिकारियों ने पाया कि कई होटल और रेस्टोरेंट में आग से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। कुछ प्रतिष्ठानों में अग्निशमन यंत्र तक उपलब्ध नहीं मिले, जबकि कई स्थानों पर सुरक्षा उपकरण निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए।

जांच के दौरान कमल डोसा रेस्टोरेंट में भी गंभीर लापरवाही सामने आई। अधिकारियों के अनुसार रेस्टोरेंट बिना फायर एनओसी के संचालित किया जा रहा था। साथ ही वहां अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध भी नहीं थे। अधिकारियों ने इसे लोगों की जान और सुरक्षा के साथ गंभीर खिलवाड़ बताया।

अभियान के दौरान सुरक्षा मानकों में कमी पाए जाने पर छह प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए गए। अग्निशमन विभाग ने उन्हें निर्धारित समय के भीतर कमियां दूर करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अजय शर्मा ने कहा कि अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए अनिवार्य है। जो होटल, रेस्टोरेंट या ढाबा संचालक नियमों की अनदेखी करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

तेज आंधी तूफान से सड़कों पर गिरे पेड़, बाधित सड़कों को नगर निगम ने किया मुक्त

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली एनसीआर में तेज बारिश को लेकर मौसम विभाग ने पहले ही येलो अलर्ट जारी कर दिया था। गुरुवार के दिन दोपहर में ही अचानक मौसम बदल गया और तेज आंधी शुरू हो गई। तेज आंधी के कारण दिन के समय में ही अंधेरा छा गया और कई वृक्ष आंधी की चपेट में आ गए। तेज आंधी के कारण कई वृक्ष टूटकर सड़कों पर जा गिरे। तेज आंधी के बाद बारिश शुरू हो गई, जिस कारण रोड पर जाम लगना शुरू हो गया। मौसम के बदलाव आते ही नगर निगम का पूरा हमला अलर्ट मोड पर आ गया और तेज आंधी के कारण गिरे हुए वृक्षों को हटाने में जुट गया, जिससे सड़कों को बाधा मुक्त किया जा सके। मौसम विभाग के येलो अलर्ट जारी करने के बाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने निगम अधिकारियों और टीम को अलर्ट मोड पर रहने के आदेश दे दिए हैं। इसके अलावा नगर आयुक्त ने उद्यान विभाग, स्वास्थ्य विभाग और जलकल विभाग को विशेष रूप से रात्रि में भी व्यवस्था बनाए रखने के लिए अलर्ट रहने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त द्वारा नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, महा प्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद को टीम के साथ मौसम की स्थिति बदलने की क्रम में अलर्ट रहने के लिए निर्देश दिए गए। प्रकाश विभाग को भी रात्रि में बारिश या मौसम बदलने की स्थिति से पहले निरीक्षण करने के लिए कहा गया। इंदिरापुरम वैभव खंड, तहसील के पास सिटि जोन, कवि नगर जोन शास्त्री नगर, राज नगर, विवेकानंद नगर में उद्यान विभाग टीम ने तत्काल कार्यवाही करते हुए गिरे हुए वृक्षों को हटाया।

इंटर्नशिप पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित

शामली (शिखर समाचार)। शहर की सीताराम कॉलोनी स्थित एक निजी कंपनी में गुरुवार को इंटर्नशिप पूर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम न्यायिक अर्चना शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। मुख्य अतिथि अर्चना शर्मा ने इंटर्नशिप पूरी करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप के माध्यम से युवाओं को उद्योग जगत का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है, जिससे उनके कौशल का विकास होता है और रोजगार की संभावनाएं भी मजबूत होती हैं। उन्होंने कहा कि निजी संस्थानों द्वारा युवाओं को प्रशिक्षण एवं अनुभव के अवसर उपलब्ध कराना राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यक्रम में कंपनी की प्रबंधक भावना गोयल तथा निदेशक वैभव गोयल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वैभव गोयल ने बताया कि कंपनी प्रत्येक वर्ष आसपास के महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को फैशन, परिकल्पना, विपणन और संचालन जैसे क्षेत्रों में इंटर्नशिप का अवसर प्रदान करती है, ताकि उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जा सके। उन्होंने कहा कि इंटर्नशिप से विद्यार्थियों को कार्यस्थल की वास्तविक परिस्थितियों को समझने और अपने कौशल को निखारने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम के दौरान सभी इंटर्न विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हापुड़ में 1.95 लाख पौधरोपण का लक्ष्य, राज्य मंत्री के.पी. मलिक ने अधिकारियों को दिए निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार के वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्य मंत्री के.पी. मलिक के हापुड़ आगमन पर प्रभागीय वनाधिकारी गौतम सिंह ने छिजारसी स्थित पुराने टोल प्लाजा पर उनका स्वागत किया। इसके बाद राज्य मंत्री ने कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पूरे प्रदेश में उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेशभर में पांच करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राज्य मंत्री ने हापुड़ जनपद को आवंटित एक लाख 95 हजार पौधरोपण के लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पौधरोपण अभियान को जनभागीदारी के साथ संचालित किया जाए तथा लगाए जाने वाले पौधों के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक के दौरान राज्य मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण से पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलेगी और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक के उपरांत राज्य मंत्री के.पी. मलिक ने विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कलेक्ट्रेट परिसर में महोगनी के पौधे का रोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ओमकार मिसिंग प्रकरण : लोनी पुलिस ने 50 हजार के ईनामी 5 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना लोनी पुलिस ने ओमकार मिसिंग प्रकरण में 5 अभियुक्त संदीप भाटी, राहुल, संदीप कुमार, सुमित और अमित को गिरफ्तार किया। इन पांचो पर 50 हजार का ईनाम घोषित था। वहीं पुलिस अब तक इस पूरे प्रकरण में 17 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चुकी है, लेकिन अभी तक भी ओमकार का कोई भी सुराग पुलिस को नहीं लगा है। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि बीती 30 मई 2026 को सुरेंद्र ने थाना लोनी पर ओमकार के गोली मारकर अपहरण कर ले जाने का मुकदमा दर्ज करवाया था। घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी और जाँच शुरू की थी। जाँच में पुलिस ने 12 अभियुक्तों को दोषी मानते हुए गिरफ्तार कर लिया था और फरार चल रहे इन सभी पांच आरोपियों पर 50 हजार का ईनाम घोषित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस पूरे प्रकरण में अभी तक 17 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों में बताया कि ओमकार से उनकी पुरानी रंजिश चल रही थी और इसी कारण उन्होंने षड्यंत्र बनाकर वारदात को अंजाम दिया था।

प्रशासनिक बंदिशों के बीच बिजनौर से चंद्रशेखर की सत्ता परिवर्तन यात्रा का आगाज, उमड़ी हजारों की भीड़

बिजनौर (शिखर समाचार)। आजाद समाज पार्टी (आसपा) की प्रस्तावित सत्ता परिवर्तन यात्रा को रोकने के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रयासों के बावजूद गुरुवार को बिजनौर में पार्टी की रैली का आयोजन हुआ। प्रशासन ने पार्टी प्रमुख एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद सहित कई प्रमुख नेताओं को उनके आवासों पर नजरबंद कर दिया था, लेकिन बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने इंदिरा बाल भवन में कार्यक्रम को सफल बनाया।

आसपा ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी सत्ता परिवर्तन यात्रा की शुरूआत बिजनौर से करने का आह्वान किया था। रैली से पहले कार्यकर्ताओं ने पूरे शहर में नीले रंग के बैनर और होर्डिंग्स लगाए थे। गुरुवार सुबह कार्यकर्ताओं के जुटने के साथ ही प्रशासन ने कई स्थानों से होर्डिंग्स हटवाए और शहर में जगह जगह बैरिकेडिंग कर दी। प्रशासन ने सख्ती बरतते हुए चंद्रशेखर आजाद को धामपुर स्थित उनके आवास पर नजरबंद कर दिया। इसके अलावा पार्टी के कई अन्य नेताओं को भी घरों से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस प्रशासन के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। हालांकि दोपहर बाद बढ़ते दबाव और कार्यकर्ताओं की संख्या को देखते हुए प्रशासन ने चंद्रशेखर को जिला मुख्यालय जाने की अनुमति दे दी। रैली स्थल पर पहुंचने पर चंद्रशेखर आजाद का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रदेश और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जनता ने भाजपा को सत्ता गरीबों पर अत्याचार करने या समाज को जाति और धर्म के आधार पर बांटने के लिए नहीं सौंपी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश की जनता आर्थिक और सामाजिक समस्याओं से जूझ रही है। साथ ही पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर भी सरकार को घेरा। चंद्रशेखर आजाद ने लोगों से आगामी चुनावों में उत्तर प्रदेश की सत्ता की बागडोर आजाद समाज पार्टी को सौंपने की अपील की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को 32 प्रमुख मुद्दों पर जनसंपर्क अभियान चलाने और घर घर जाकर पार्टी की नीतियों का प्रचार करने का आह्वान किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि उनका सपना है कि देश के हर गरीब परिवार का बच्चा निशुल्क और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त कर सके। रैली में प्रशासनिक बंदिशों के बावजूद जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे हजारों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने कार्यक्रम को शक्ति प्रदर्शन में बदल दिया। पार्टी नेताओं ने इसे ह्यसत्ता परिवर्तन यात्राह्न की सफल शुरूआत बताते हुए आगामी चरणों में और बड़े जनसमर्थन का दावा किया।

मॉर्निंग वॉक करने वालों को निशाना बनाने वाले 2 स्नैचर सुनार सहित मुठभेड़ में गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वाट टीम नगर जोन और थाना सिहानीगेट पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए मार्निंग वॉक करने वाले व्यक्तियों से स्नेचिंग करने वाले 3 अभियुक्त आमिर, संजय और मोनू को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में आमिर और संजय को गोली लगी और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इनके कब्जे से 2 अवैध तमन्चे, 4 जिन्दा कारतूस और 2 खोखा कारतूस बरामद किए। खास बात यह है कि पकड़ा गया अभियुक्त मोनू पेशे से सुनार है, जो स्नेचिंग का सोना खरीद कर उसे पिघलाने का काम किया करता है। एसीपी जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि लोहिया नगर स्थित हमदर्द ग्राउंड के पास कुछ स्नैचर मौजूद है। उनको गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम ने घेराबंदी शुरू की। इसी दौरान पुलिस ने एक अभियुक्त को मौके से गिरफ्तार कर लिया, जबकि मौके से दो अभियुक्त मोटरसाइकिल लेकर भागने लगे। भागते समय उनकी मोटरसाइकिल फिसल गई और उन्होंने पुलिस पर फायरिंग करना शुरू कर दिया। पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें दोनों के पैर में गोली लगी। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कर दिया गया है। पुलिस इनका आपराधिक इतिहास खंगाल रही है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि आमिर और संजय मिलकर मॉर्निंग वॉक करने वाले लोगों को निशाना बनाकर इस स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देते थे। वारदात को करने के बाद सोने के आभूषण को सुनार मोनू को बेच दिया करते थे और जो पैसे मिला करते थे, उसे आपस में बांट लिया करते थे। उन्होंने बताया कि लोहिया नगर, गोविंदपुरम और संजय नगर में कई स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दे चुके है।

ग्राम गंदूनंगला में हुई दो चोरियों का खुलासा, तीन शातिर चोर गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने ग्राम गंदूनंगला में दो मकानों में हुई चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की नकदी, अवैध हथियार तथा घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया है। अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने क्षेत्राधिकारी गढ़मुक्तेश्वर स्तुति सिंह के साथ पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र के ग्राम गंदूनंगला में दो मकानों में हुई चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए थाना प्रभारी इंद्रकांत यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और चोरी का माल बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विनय पुत्र गोविन्द निवासी सी ब्लॉक, विजय नगर, थाना मोदीनगर, जनपद गाजियाबाद तथा दिनेश एवं पुष्पेन्द्र पुत्रगण राजेन्द्र उर्फ सुभाष निवासी ग्राम हैदरनगर, थाना हापुड़ नगर, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं। इनके विरुद्ध जनपद मेरठ, गाजियाबाद और हापुड़ में चोरी, डकैती, गिरोहबंद अपराध निवारण अधिनियम तथा हत्या सहित विभिन्न धाराओं में एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के 2 लाख 1 हजार 200 रुपये नकद, अवैध हथियार तथा घटना में प्रयुक्त एक ईको कार बरामद की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर अन्य घटनाओं के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा होने पर स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप, कार्रवाई की मांग को लेकर महिलाओं ने कोतवाली में किया हंगामा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर की एक कॉलोनी निवासी महिला ने रिश्ते में लगने वाले अपने जेठ पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने, लाखों रुपये और जेवरात हड़पने तथा उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में शिकायत दी है। महिला ने अन्य महिलाओं के साथ कोतवाली पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग को लेकर हंगामा भी किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला के पति की लगभग तीन वर्ष पूर्व मृत्यु हो चुकी है। महिला का आरोप है कि उसके रिश्ते में लगने वाले जेठ ने उससे शादी करने का वादा किया था। इसी भरोसे का लाभ उठाकर वह लंबे समय तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। महिला का कहना है कि आरोपी उसे अपने पैतृक गांव देवरिया भी लेकर गया, जहां भी उसका शोषण किया गया। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसके लाखों रुपये और जेवरात भी अपने कब्जे में ले लिए। इसके बाद वह उसे गांव में छोड़कर मोदीनगर आकर रहने लगा। महिला के अनुसार जब वह मोदीनगर पहुंची और आरोपी से जवाब मांगा तो उसने अपनी एक परिचित महिला के साथ मिलकर उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। इतना ही नहीं, महिला और उसकी बेटियों को घर से भी निकाल दिया गया। घटना से आक्रोशित महिला अन्य महिलाओं के साथ कोतवाली पहुंची और आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान महिलाओं ने कोतवाली परिसर में हंगामा करते हुए न्याय दिलाने की मांग उठाई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टिम्बर कारोबारी के घर करोड़ों की लूट : सीसीटीवी में कैद हुए चारों बदमाश, पुलिस खुलासे के करीब

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में सरकारी अस्पताल के सामने स्थित टिम्बर कारोबारी नरेन्द्र अग्रवाल के घर हुई करोड़ों रुपये की सनसनीखेज लूटकांड की जांच में पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं। घटना से जुड़े चारों बदमाशों का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फुटेज में चारों बदमाश वारदात के बाद मोटरसाइकिलों पर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। गौरतलब है कि गौशाला एवं श्रीचंडी मंदिर के पूर्व प्रधान तथा प्रमुख टिम्बर कारोबारी नरेन्द्र अग्रवाल के घर में तीन दिन पूर्व चार बदमाशों ने धावा बोल दिया था। बदमाशों ने नरेन्द्र अग्रवाल, उनकी पत्नी, पोते और चौकीदार को बंधक बनाकर करोड़ों रुपये के जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामान लूट लिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी

फरार हो गए थे। जांच के दौरान घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में बदमाशों की गतिविधियां कैद हुई हैं। फुटेज के अनुसार एक बदमाश बिना नंबर की मोटरसाइकिल से अस्पताल के पास पहुंचा और वाहन खड़ा कर अपने साथियों का इंतजार करने लगा। कुछ देर बाद उसके दो साथी पैदल वहां पहुंचे और आगे जाकर खड़े हो गए। इसके बाद मोटरसाइकिल आने पर तीनों उस पर सवार होकर फरार हो गए, जबकि उनका चौथा साथी कारोबारी के घर से मोटरसाइकिल लेकर अलग दिशा में भाग निकला। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है। सूत्रों के अनुसार अब तक 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा चुकी है। इनमें अस्पताल, ढाबों, राष्ट्रीय राजमार्ग और स्थानीय मार्गों पर लगे कैमरे शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस 100 से अधिक लोगों से पूछताछ कर चुकी है और संदिग्ध गतिविधियों की कड़ियां जोड़ने का प्रयास कर रही है। अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने बताया कि जांच में कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और पुलिस टीम लुटेरों के काफी करीब पहुंच चुकी है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस बहुचर्चित लूटकांड को लेकर जिले भर में लोगों की नजरें पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

संक्षिप्त समाचार

आरोपी को तलब करने से पहले दर्ज सबूतों पर नहीं दी जा सकती सजा, ट्रायल कोर्ट से हुई थी गलती

लखनऊ, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक अहम फैसले में कहा कि आपराधिक मामले में किसी आरोपी की गैरमौजूदगी में दर्ज किए गए सबूत, जिन पर उसे तलब किया जाता है, बाद में उसकी सजा का आधार नहीं बन सकते। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने हरदोई जिले के बेनीगंज थानाक्षेत्र में वर्ष 2008 के हत्या मामले के एक आरोपी को बरी करते हुए यह टिप्पणी की। ट्रायल कोर्ट ने अपीलकर्ता प्रमोद कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह को हत्या, हत्या के प्रयास आदि में दोषी ठहराया था। उसे अभियोजन पक्ष की गवाही पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, जो उसे ट्रायल का सामना करने के लिए तलब करने से पहले दर्ज की गई थीं। यह मामला विजय कुमार सिंह की हत्या से जुड़ा है, जिनकी कथित तौर पर चार आरोपियों द्वारा चलाई गई गोलियों से हुई थी। आरोपपत्र में अपीलकर्ता प्रमोद का नाम शामिल नहीं था, क्योंकि पुलिस घटना में उसकी संलिप्तता साबित नहीं कर पाई। चार्जशीट में नामजद चार आरोपियों के ट्रायल के दौरान अपीलकर्ता को ट्रायल का सामना करने के लिए तलब करने के लिए अर्जी दाखिल की गई, जिसे जून 2012 में मंजूर किया गया। ट्रायल कोर्ट ने मृतक के चाचा और एक स्वतंत्र गवाह के पिछले (समन जारी होने से पहले के) बयानों पर भरोसा करते हुए अपीलकर्ता को दोषी ठहरा दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। हाईकोर्ट ने पाया कि ट्रायल कोर्ट ने मृतक के चाचा के उस बयान पर भरोसा करके गंभीर गलती की थी जिसमें उन्होंने अपीलकर्ता पर आरोप लगाया। क्योंकि यह बयान तब रिकॉर्ड किया गया, जब अपीलकर्ता को एक अतिरिक्त आरोपी के तौर पर समन जारी नहीं किया गया। खंडपीठ ने यह पाया कि इस बयान को अपीलकर्ता के खिलाफ इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

आरएमपीयू के नाम पर फर्जी अकाउंट चलाकर छात्रों को किया गुमराह

अलीगढ़ एजेंसी। आरएमपीयू के नाम पर सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट संचालित कर छात्र–छात्राओं को गुमराह करने का मामला सामने आया है। आरोपी खुद को विश्वविद्यालय का परीक्षा नियंत्रक बताकर छात्रों के बीच गलत सूचनाएं प्रसारित कर रहा था। विश्वविद्यालय प्रशासन ने लोधा थाने में आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए पत्र भेजा है। परीक्षा नियंत्रक कार्यालय की ओर से पुलिस को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शिकायत की थी कि विश्वविद्यालय का सोशल मीडिया पर कोई आधिकारिक अकाउंट नहीं है। इसके बावजूद एक व्यक्ति विश्वविद्यालय के नाम से कई फर्जी सोशल मीडिया पेज और ग्रुप संचालित कर रहा है, जिनसे हजारों छात्र जुड़े हुए हैं। आरोपी इन प्लेटफॉर्मों पर स्वयं को विश्वविद्यालय का आधिकारिक परीक्षा नियंत्रक बताकर संदेश जारी करता था, जिससे छात्रों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही थी। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि इस तरह की गतिविधियां छात्रों को गलत जानकारी देकर नुकसान पहुंचा सकती हैं। परीक्षा नियंत्रक धीरेंद्र कुमार ने छात्रों से अपील की है कि वे किसी भी फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट के झांसे में न आएं और केवल विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

डीडीयू के 11 विभागों को मिलेंगे नए शिक्षक, 15 बनेंगे सीनियर प्रोफेसर

गोरखपुर, एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में बुधवार को कार्य परिषद की बैठक होगी। बैठक में करीब 11 विभागों में नियुक्तियों का लिफाफा खुल सकता है। इसके अलावा कम से कम 15 प्रोफेसर्स को पदोन्नति देकर सीनियर प्रोफेसर बनाया जा सकता है। डीडीयू प्रशासन ने कार्य परिषद का एजेंडा जारी कर दिया है। कार्य परिषद की बैठक दोपहर दो बजे से प्रशासनिक भवन में आयोजित है। कार्य परिषद में वित्त समिति, विद्या परिषद और परीक्षा समिति की बैठकों में लिए गए निर्णयों पर अंतिम मुहर लगने की संभावना है।
बताया जा रहा है कि कई विभागों में नियुक्ति के लिए सीधी भर्ती के तहत सहायक आचार्य, सहयुक्त आचार्य और आचार्य पदों के लिए साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसके तहत अर्थशास्त्र, मध्यकालीन इतिहास, कंप्यूटर साइंस, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, मनोविज्ञान, भूगोल, प्राचीन इतिहास एवं वाणिज्य विषयों में विभिन्न शैक्षणिक पदों के लिए लिफाफा खुल सकता है। इसके अलावा करीब 30 से अधिक प्रोफेसर को कॅरिअर एडवांसमेंट स्कीम (कैस) के तहत सीनियर प्रोफेसर लेवल 14 से 15 में प्रोन्नति मिलने की संभावना है। इसके पहले चरण में बुधवार को करीब 15 प्रोफेसर को पदोन्नति की सौगात मिल सकती है। अर्थशास्त्र, प्राणि विज्ञान व मनोविज्ञान विषयों में पदोन्नति के जरिये एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर बनाए जाने को भी मंजूरी मिल सकती है।

ठीक से नहीं तपा नौतपा, रूठ सकता है मानसून, 23 जून तक का इंतजार, मौसम विभाग ने दी जानकारी

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में नौतपा के नौ दिन मंगलवार को पूरे हो गए, लेकिन इस अवधि में तापमान सामान्य औसत तापमान तक नहीं पहुंच पाया। नौ दिनों का सामान्य औसत अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री है। इस बार औसत तापमान 39.1 डिग्री ही रहा है। नौतपा के दौरान तापमान में औसत 1.4 डिग्री की कमी आई है।

रात का तापमान भी सामान्य औसत से दो डिग्री कम रहा है। माना जाता है कि नौतपा ठंडा पड़ने से मानसूनी गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। नौतपा के नौ दिनों में सूर्य कर्क रेखा के सीधे ऊपर होता है। इससे गर्मी अधिक होती है और निम्नतम दबाव का बिंदु पथ बनता है।

नौतपा ठीक से न तप पाने पर मानसून पिछड़ जाता है

मानसूनी हवाओं की टर्निंग होती है। यह बारिश के पैटर्न को निर्धारित करता है, जो मानसून को गति देता है। माना जाता है कि नौतपा ठीक से न तप पाने पर मानसून पिछड़ जाता है। मानसून की दो धाराएं यहां आती हैं। एक शाखा बंगाल की खाड़ी से प्रदेश के पूर्वी हिस्से से आती है।

मानसून के कानपुर परिक्षेत्र पहुंचने की अनुमानित तिथि 23 जून

दूसरी अरब सागर वाली शाखा बुंदेलखंड की तरफ से आती है। जब दोनों मिलती हैं, तो मानसूनी बारिश चरम पर पहुंचती है। मानसून के कानपुर परिक्षेत्र पहुंचने की अनुमानित तिथि 23 जून है। प्रदेश के एकीकृत मौसम पूर्वानुमान केंद्र के प्रभारी वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. अतुल सिंह का कहना है कि मानसून अभी केरल नहीं पहुंचा है।

मौसमी गतिविधियों पर मानसून की चाल निर्धारित रहेगी

इसकी केरल पहुंचने की तिथि एक जून है। मानसून के केरल पहुंचने के बाद सही आकलन किया जा सकेगा। अनुमान है कि मानसून तीन-चार दिन देर से केरल पहुंचेगा। इसके बाद मौसमी गतिविधियों पर मानसून की चाल निर्धारित रहेगी।

शाहजहांपुर में वंदे भारत ट्रेन का ठहराव शुरू, देहरादून और हरिद्वार का सफर हुआ आसान

शाहजहाँपुर एजेंसी। लखनऊ से देहरादून जाने वाली 22545 वंदे भारत एक्सप्रेस का शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर ठहराव बुधवार से शुरू हो गया। सुबह 7:34 बजे राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार, एमएलसी डॉ. सुधीर गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष केसी मिश्रा आदि ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। राज्यसभा सांसद ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस का स्टॉपेज होने से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। उनका देहरादून और हरिद्वार जाना आसान होगा। पहले लोग हरिद्वार जाकर एक ही दिन में नहीं लौट पाते थे। अब यह सफर आसान हो गया है। सुबह में जाकर शाम तक आसानी से वापसी हो सकती है। सफर के लिए यह ट्रेन काफी सुरक्षित है।केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के प्रतिनिधि कौशल मिश्रा ने कहा कि यह ट्रेन लाइफ लाइन साबित होगी। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, डीपी सिंह, मंडल रेल प्रबन्धक विनीता श्रीवास्तव, सीनियर डीसीएम महेश यादव, सीएमआई एसके ठाकुर, सीएचआई त्रिलोक चंद्र आदि मौजूद रहे। देहरादून जाने वाली ट्रेन का स्टॉपेज पहले यहां नहीं था। इसके चलते यात्रियों को देहरादून, हरिद्वार समेत कई प्रमुख स्थानों पर जाने के लिए बरेली या लखनऊ से रिजर्वेशन कराना पड़ता था। इसे लेकर जनप्रतिनिधियों ने प्रयास शुरू किए तो केंद्रीय रेल मंत्री ने ट्रेन के ठहराव के लिए हरी झंडी दे दी।

गाजियाबाद के प्रथम दौरे पर प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह सख्त, अधिकारियों को दिए जनहित के बड़े निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री तथा जनपद गाजियाबाद के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने गुरुवार को जनपद का प्रथम दौरा किया। विकास भवन पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद दुर्गावती देवी सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।
बैठक में सांसद अतुल गर्ग, महापौर सुनीता दयाल, विधायक मंजू सिवाच, विधायक नन्द किशोर गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता त्यागी, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, भाजपा जिलाध्यक्ष चैनपाल सिंह, पुलिस आयुक्त जे. रविन्द्र गौड़, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़, अपर पुलिस आयुक्त केशव कुमार चौधरी, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, जीडीए सचिव विवेक मिश्र, परियोजना निदेशक प्रदीप पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक से पूर्व पुलिस आयुक्त जे. रविन्द्र गौड़, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, परियोजना निदेशक प्रदीप पाण्डेय तथा अन्य अधिकारियों ने प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह और उपस्थित अतिथियों का पुष्पगुच्छ, शॉल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।
समीक्षा बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचना चाहिए। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, नगर निगम को स्वच्छता एवं जल निकासी व्यवस्था बेहतर बनाने तथा लोक निर्माण विभाग को निमार्णाधीन एवं क्षतिग्रस्त सड़कों के कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस विभाग को कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रखने, अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र नागरिकों के आयुष्मान कार्ड अभियान चलाकर बनाने के निर्देश दिए गए।
वन एवं उद्यान विभाग को अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम संचालित करने, पूर्ति विभाग को सार्वजनिक वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाने तथा पशुपालन एवं दुग्ध विकास विभाग को पशुपालकों के हित में संचालित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए।
बैठक के अंत में दुग्ध विकास एवं पराग डेयरी क्लस्टर के अंतर्गत निर्मला देवी, पुष्पा देवी, सुनीता, रूबी, मीनू, शालिनी, शहीदा, वकीला तथा कमलेश को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।
कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अमेरिका से एक शख्स कॉकरोच जनता पार्टी की बात करता है, याचिका यहां दाखिल हो रही, पीआईएल निस्तारित

लखनऊ, एजेंसी। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने गलत अधिकारिता में याचिका दाखिल की है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अनुरोध पर याचिका को वापस लेने की अनुमति देकर सक्षम अधिकारिता वाली अदालत के समक्ष याचिका दाखिल करने की अनुमति दे दी है।

पुणे का एक शख्स, अमेरिका से कॉकरोच जनता पार्टी की बात कह रहा है और बंगलूरू का एक याचिकाकर्ता, इलाहाबाद हाईकोर्ट में इसके खिलाफ पीआईएल दाखिल करने चला आया। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने यह कहते हुए इस जनहित याचिका को निस्तारित कर दिया।

अदालत ने कहा, याचिकाकर्ता ने गलत अधिकारिता में याचिका दाखिल की है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अनुरोध पर याचिका को वापस लेने की अनुमति देकर सक्षम अधिकारिता वाली अदालत के समक्ष याचिका दाखिल करने की अनुमति दे दी है। न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति अवधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने यह आदेश बंगलुरू निवासी एस. विग्नेश शिशिर की पीआईएल पर दिया। याची ने केंद्र सरकार समेत 21 प्रतिवादियों के खिलाफ यह याचिका दायर की थी।

हाईकोर्ट ने जल निगम के चीफ इंजीनियर के खिलाफ विजिलेंस जांच रोकी

हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने जल निगम ग्रामीण के चीफ इंजीनियर राम भवन राम के खिलाफ विजिलेंस जांच पर रोक लगा दी है। उनके खिलाफ अघोषित संपत्ति के संबंध में शिकायत हुई थी जिसके बाद राज्य सरकार ने जांच बैठाई थी। न्यायालय ने चीफ इंजीनियर की याचिका पर पारित अपने अंतरिम आदेश में कहा कि मामले में विचार की आवश्यकता है। अदालत ने सरकार से जवाब तलब करते हुए मामले की अगली

न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश चीफ इंजीनियर राम भवन राम की याचिका पर पारित किया है। याची ने सरकार के 24 नवंबर 2025 के विजिलेंस जांच के आदेश को चुनौती दी है। सुनवाई में सामने आया कि दो व्यक्तियों ने सरकार को शिकायत भेजकर याची पर भ्रष्टाचार से अकूत संपत्ति बनाने व महल जैसे आलीशान घर में रहने की बात कहते हुए, जांच की मांग की थी। याची की ओर से दलील दी गई कि ऐसी ही शिकायतों पर पूर्व में भी एक जांच हो चुकी है और उसे निर्दोष पाया गया था फिर नई जांच सिर्फ उसे प्रताड़ित करने के लिए की जा रही है।

अबोध बेटी के बाद साफ्टवेयर इंजीनियर मां की भी मौत, पति लड़ रहा जिंदगी के लिए जंग

आगरा, एजेंसी। आगरा के फतेहाबाद थाना क्षेत्र में लखनऊ एक्सप्रेस वे पर 28 मई को कार पलटने से घायल साफ्टवेयर इंजीनियर वैष्णवी वशिष्ठ (28) की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। उनका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। हादसे में 8 महीने की बेटी की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। दो मौतों से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पति निशांत वशिष्ठ की हालत में सुधार होने लगा है।

मूल रूप से ओम साई रेजिडेंसी, अमर विहार, दयालबाग निवासी निशांत वशिष्ठ दिल्ली में एमईएस में इंजीनियर हैं। वह पत्नी वैष्णवी के साथ दिल्ली में रह रहे थे। साफ्टवेयर इंजीनियर वैष्णवी भी एक कंपनी में जॉब कर रही थीं। वह आठ माह की बेटी यति की देखभाल के लिए घर में केयरटेकर रखना चाहते थे। इसके लिए अपने रिश्तेदार से बात की थी। मैनपुरी की एक युवती को केयरटेकर रखना तय हुआ था। 28 मई को वह युवती को लेकर कार से दिल्ली जा रहे थे।

फतेहाबाद क्षेत्र में कार का टायर फटने के बाद कार कई पलटे खाकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में यति की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। हादसे में पति-पत्नी घायल हो गए थे। उन्हें सिकंदरा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोमवार रात को वैष्णवी की मृत्यु हो गई। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार किया गया। रिश्तेदार धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि निशांत की हालत में पहले से सुधार होने लगा है।

मानव स्वास्थ्य के लिए योग ही नहीं, योग मंजरी भी महत्वपूर्ण : भारतीय योग संस्थान

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भारतीय योग संस्थान द्वारा आयोजित पांच दिवसीय मोटापा रोग निवारण शिविर में मानव स्वास्थ्य के लिए योग के साथ-साथ संस्थान की 48 वर्षों से प्रकाशित पत्रिका ह्ययोग मंजरीह्न के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि योग जहां व्यक्ति को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखकर विभिन्न रोगों से मुक्ति दिलाता है, वहीं योग मंजरी में प्रकाशित ज्ञान जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। शिविर में साधकों को संबोधित करते हुए बताया गया कि मोटापे का कारण केवल असंतुलित भोजन नहीं, बल्कि अशांत मन भी होता है। अशांत मन पाचक अग्नि को प्रभावित करता है, जिससे भोजन का पाचन सही ढंग से नहीं हो पाता और शरीर में अतिरिक्त चर्बी जमा होने लगती है। यही स्थिति आगे चलकर मोटापा सहित कई अन्य रोगों का कारण बनती है। भारतीय योग संस्थान, खतौली द्वारा स्थानीय बड़ा बाजार में आयोजित इस मोटापा रोग निवारण शिविर का शुभारंभ सरस्वती पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर निर्मल कुमार जैन, बाबूराम वर्मा, जगमोहन जैन सहित संस्थान से जुड़े अनेक पदाधिकारी एवं साधक उपस्थित रहे। शिविर में रोग निवारण और स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित जानकारी संस्थान के प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा दी गई। इनमें अरुण धारीवाल, नरेश अग्रवाल, अंजू विश्वकर्मा, सीमा जैन, नीलम उपाध्याय, पदमा तोमर, अनुपम जैन, अंजली सिंह, सरिता शर्मा, साध्वी ललिता, सीमा गुप्ता, अरुण जैन, अनीता मेहता, सत्येंद्र काकरान, रोशनी सिंह और अंजू खुराना शामिल रहे। संगठन मंत्री जगमोहन जैन ने योग के शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव तथा संतुलित दिनचर्या के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिविर में पुरुषों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिलाएं भी योगाभ्यास का लाभ उठा रही हैं। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से भारतीय योग संस्थान से जुड़कर नियमित योग अपनाने का आह्वान किया। शिविर के दौरान मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया गया, जिसकी व्यवस्था क्षेत्रीय मंत्री राकेश गुप्ता, धीरज भार्गव, बाबूराम वर्मा, अरुण जैन, डॉ. ब्रह्मदत्त एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा की गई। कैंप में शुगर, रक्तचाप, वजन और ऑक्सीजन स्तर की निशुल्क जांच की गई।

शराब पीकर पड़ा था पति, मौत से जुझ रहे थे पत्नी-बच्चे, फिर चढ़ गई मासूम की बलि

कानपुर, एजेंसी। फतेहपुर जिले में नशे के लती पति से तंग आकर महिला ने खेत में दो बच्चों समेत जहर खा लिया और तीसरे बच्चे को जहर देने की कोशिश की, लेकिन वह मौके से भाग निकला। उसने परिजन व ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। परिजन ने महिला और दोनों बच्चों को सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने छह वर्षीय बच्चे को मृत घोषित कर दिया।

वहीं, महिला और उसके एक वर्षीय पुत्र को कानपुर रेफर किया गया है। थाना क्षेत्र के गांव धौरहारा निवासी रज्जन निषाद शराब का लती है। घर में पत्नी राजकली (30), पुत्री शिवानी (10), पुत्र शिवा (8), छोटू उर्फ राज (6), सौरभ (1) हैं। रज्जन नशे में अक्सर पत्नी-बच्चों को गाली-गलौज व पिटाई करता है। दोनों के बीच मंगलवार को भी विवाद हुआ।

पहले बच्चों को जहर दिया और फिर खुद पी लिया : इसके बाद राजकली घर से छोटू व सौरभ को लेकर करीब 100 मीटर दूर खेत पहुंची। साथ में वह पानी की बोतल, गिलास व जहर ले गई थी। महिला ने पानी में घोलकर पहले बच्चों को जहर दिया और फिर खुद पी लिया। घटना के समय शिवानी घर में नहीं थी। घटनास्थल से कुछ दूरी पर यमुना नदी से शिवा नहाकर घर लौट रहा था।

ग्रामीणों ने आनन फानन सीएचसी पहुंचाया : राजकली ने शिवा को भी पास बुलाकर जहर पिलाने का प्रयास किया, लेकिन वह वहां से भाग निकला और पड़ोसियों और परिजन को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने राजकली और बेटों को तड़पता देखकर सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने छोटू को मृत घोषित कर दिया। राजकली और सौरभ की हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया, जहां से दोनों को कानपुर हैलट रेफर किया। प्रभारी थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला घरेलू कलह से जुड़ा है। घटना की जांच की जा रही है। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मायके पक्ष ने कराया था समझौते का प्रयास : रज्जन के नशे का लती होने की वजह से घर में आए दिन कलह रहती थी। कुछ समय पहले थानाक्षेत्र के ही मंसूरपुर गांव से राजकली के मायके पक्ष से परिजन प्रधान को लेकर घर पहुंचे थे। उस दौरान प्रधान ने रज्जन को समझाने का प्रयास किया था। साथ ही मायके पक्ष के लोग राजकली को अपने साथ ले गए थे।

पति-पत्नी के बीच विवाद समाप्त नहीं हुआ था : बच्चों के मोह के चलते वह कुछ दिन बाद ससुराल लौट आई थी। इसके बाद भी पति-पत्नी के बीच विवाद समाप्त नहीं हुआ था। ग्रामीण महिलाओं में चर्चा रही कि राजकली ने सोचा होगा कि उसके मारने के बाद मासूम बच्चों क्या होगा, इसी वजह से बच्चों के साथ जान देने का प्रयास किया।

घटना के दौरान नशे में पड़ा रहा रज्जन : ग्रामीणों ने बताया कि घटना के वक्त रज्जन निषाद नशे में ही घर में पड़ा रहा जबकि पूरे गांव में घटना से खलबली मची हुई थी। ग्रामीणों के अनुसार रज्जन पहले गोवा में नौकरी करता था। वहां एक पैर में कुछ तकलीफ होने के कारण नौकरी छोड़कर दो वर्ष पहले गांव लौट आया था। गांव में रहने के दौरान दिन-रात शराब पीने लगा था।

सरस शॉप के शुभारंभ से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को मिला नया बाजार, जिलाधिकारी ने बढ़ाया उत्साह

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विकास भवन में संचालित सरस शॉप का शुभारंभ जिलाधिकारी मेघा रूपम ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का अवलोकन किया और उनके कार्यों की सराहना करते हुए महिलाओं का उत्साहवर्धन किया।

शुभारंभ के बाद जिलाधिकारी मेघा रूपम ने मसाले, अचार, पापड़, जूट बैग, सैनिटरी पैड, हस्तशिल्प सामग्री, खादी वस्त्र, शहद सहित विभिन्न उत्पादों को देखा। उत्पादों की गुणवत्ता, आकर्षक पैकेजिंग और महिलाओं की मेहनत से प्रभावित होकर उन्होंने उनकी उद्यमशीलता की प्रशंसा की। साथ ही महिलाओं का मनोबल बढ़ाने के लिए स्वयं उत्पादों की खरीदारी भी की।

जिलाधिकारी मेघा रूपम ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अपने परिश्रम, कौशल और आत्मविश्वास के बल पर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पाद न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना रहे हैं, बल्कि उन्हें समाज में नई पहचान और सम्मान भी दिला रहे हैं। उन्होंने महिलाओं से निरंतर आगे बढ़ने और अपने उत्पादों की गुणवत्ता को बनाए रखने का आह्वान किया।

जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित सरस शॉप स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन का प्रभावी मंच प्रदान कर रही है। यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में उनके प्रयासों को मजबूती देने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है।

उन्होंने बताया कि मिशन के माध्यम से अनेक महिलाएं आज ह्यलखपति दीदी बन चुकी हैं और सरस शॉप जैसे प्रयास उनके उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराकर आय बढ़ाने के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। इससे स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को भविष्य में करोड़पति दीदी बनने के लक्ष्य तक पहुंचने में भी सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम में परियोजना निदेशक नेहा, अखिलेश प्रजापति, डॉ. सपना आर्य सहित स्वयं सहायता समूहों की सदस्य महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने सरस शॉप की स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे उनके उत्पादों के प्रचार-प्रसार और बिक्री के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया।

हाईवे और टोल प्लाजा के आसपास खड़े ट्रकों से स्टेपनी चोरी करने वाले गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हाफिजपुर पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान हाईवे और टोल प्लाजा के आसपास खड़े ट्रकों से स्टेपनी चोरी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की तीन स्टेपनी, एक कैंटर और अवैध हथियार भी बरामद किए हैं। क्षेत्राधिकारी अनिता चौहान ने बताया कि पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान चितौली अंडरपास के पास एक कैंटर में सवार तीन संदिग्धों को रोककर पूछताछ की गई। जांच के दौरान उनकी पहचान मेरठ निवासी शाहिद, बिलाल तथा मुरादाबाद निवासी गुलफाम के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से चोरी की तीन स्टेपनी, एक कैंटर तथा तमंचे बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे हाईवे और टोल प्लाजा के आसपास खड़े ट्रकों को निशाना बनाते थे। मौका मिलते ही ट्रकों से स्टेपनी और अन्य सामान चोरी कर लेते थे तथा बाद में उन्हें सस्ते दामों पर बेच देते थे। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार तीनों आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं। इनके खिलाफ विभिन्न जनपदों में चोरी समेत अन्य आपराधिक मामलों के करीब एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की विस्तृत जानकारी जुटाने के साथ ही उनसे अन्य घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया है। साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी की जा रही है।

जनपद स्तरीय सब जूनियर खेल प्रतियोगिता का शुभारम्भ, कबड्डी में नई बस्ती और एसवीएफ बनी चैंपियन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जनपद स्तरीय सब जूनियर बालक एवं बालिका खेल प्रतियोगिता का शुभारम्भ गुरुवार को मलकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया गया। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में आयोजित यह प्रतियोगिता 4 जून से 6 जून 2026 तक चलेगी, जिसमें बास्केटबॉल, कबड्डी, जूडो, नेटबॉल और कुश्ती प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता के पहले दिन बास्केटबॉल और कबड्डी मुकाबलों का सफल आयोजन हुआ। बास्केटबॉल प्रतियोगिता में रामाज्ञा स्कूल नोएडा, ड्रिबलिंग ड्रिल्स बास्केटबॉल अकादमी, जीसस एंड मेरी कॉन्वेंट स्कूल, मलकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम, नोएडा बास्केटबॉल क्लब, बास्केटबॉल हीरोज, चैंप्स अकादमी और दादरी बास्केटबॉल क्लब की बालक एवं बालिका टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कबड्डी प्रतियोगिता के बालक वर्ग में चिटहेरा, चचूला, देवला, जेडी अकादमी, सद्भावना अकादमी, एचआर अकादमी, एसवीएफ, मिहिर भोज इंटर कॉलेज, मलकपुर ए, मलकपुर बी, नई बस्ती और जीआईसी की टीमों ने प्रतिभाग किया। वहीं बालिका वर्ग में जेडी अकादमी, एसआरबी स्कूल, एचसीएल, जीआईसी नोएडा, एसवीएफ और नई बस्ती की टीमों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. परवेज अली और मास्टर बालचंद नागर ने किया। इस दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल और खेल भावना का परिचय दिया। बालिका वर्ग के कबड्डी फाइनल में नई बस्ती की टीम ने जेडी अकादमी को 17–10 से हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में एसवीएफ और मलकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के बीच रोमांचक संघर्ष हुआ, जिसमें एसवीएफ की टीम विजेता बनी और प्रथम स्थान पर कब्जा जमाया। इस अवसर पर सुमित नागर सहित खेल प्रशिक्षक, खेल प्रेमी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नैदानिक संस्थानों की बैठक में 23 अस्पतालों और 7 अल्ट्रासाउंड केंद्रों के नवीनीकरण को मंजूरी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में नैदानिक संस्थानों के रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न अस्पतालों एवं अल्ट्रासाउंड केंद्रों के पंजीकरण, नवीनीकरण और कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मदन मोहन मणि त्रिपाठी ने समिति को जिले में संचालित अस्पतालों और अल्ट्रासाउंड केंद्रों की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं तथा हाल ही में किए गए निरीक्षणों की जानकारी दी। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थानों में नियमों के अनुपालन और व्यवस्थाओं की स्थिति से समिति को अवगत कराया।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी अस्पताल एवं अल्ट्रासाउंड केंद्र निर्धारित नियमों तथा पीसीपीएनडीटी अधिनियम के प्रावधानों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए निगरानी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि समिति द्वारा सभी आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त होने के बाद 23 अस्पतालों के नवीनीकरण तथा 7 अल्ट्रासाउंड केंद्रों के नवीनीकरण को स्वीकृति प्रदान की गई। इससे संबंधित संस्थान निर्धारित मानकों के अनुरूप अपनी सेवाएं जारी रख सकेंगे।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह, एसीएमओ डॉ. चंदन सोनी, अग्निशमन विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारी तथा संबंधित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में स्वास्थ्य संस्थानों के संचालन में पारदर्शिता, नियमों के पालन और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक में प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने लिया हिस्सा

बिजनौर (शिखर समाचार)। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल की अध्यक्षता में गुरुवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा विशेष जनजागरूकता अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई।

इस अवसर पर कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियां जन-जन के उत्थान एवं समग्र विकास को समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों, आधारभूत संरचना विकास कार्यों तथा जनहितकारी योजनाओं को विशेष अभियान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 5 जून से 21 जून तक चलने वाले अभियान के अंतर्गत जनपद में विभिन्न जागरूकता शिविर, विकास प्रदर्शनियां तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने विभागवार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अभियान की तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा से अवगत कराया।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने राज्यमंत्री को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आपसी समन्वय के साथ जमीनी स्तर पर कार्य करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि विकास योजनाओं का लाभ जनपद के अंतिम व्यक्ति तक बिना किसी बाधा के पहुंचे।

बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान, नहटौर विधायक ओम कुमार, नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह, महिला आयोग सदस्य संगीता जैन, पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बीकेयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

जेवर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत का जन्मदिन गुरुवार को जेवर स्थित परशुराम धर्मशाला में कार्यकताओं द्वारा उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर हवन, भंडारे और वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय सचिव ओमपाल सिंह तालान ने बताया कि संगठन के कार्यकर्ता नोएडा परिक्षेत्र के जिलाध्यक्ष अशोक कुमार भाटी के नेतृत्व में परशुराम धर्मशाला पहुंचे और राकेश टिकैत के जन्मोत्सव पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यकताओं ने हवन में आहुति देकर संगठन की मजबूती तथा किसानों की खुशहाली की कामना की। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में आदर्श चौधरी, विमल तोमर, शशिकांत शर्मा उर्फ बंटी शर्मा, धर्मेंद्र स्योरान, मीरा सिंह, मनोज मावी और सुनील कुमार उर्फ भोला ठाकुर सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने राकेश टिकैत के दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

टोल छूट बहाल करने की मांग को लेकर बीकेयू भूमि पुत्र का ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

जेवर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन भूमि पुत्र के कार्यकताओं ने यमुना एक्सप्रेसवे पर उनके वाहनों को मिलने वाली टोल छूट सुविधा बिना किसी पूर्व सूचना के बंद किए जाने का आरोप लगाते हुए जेवर टोल कार्यालय और पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने मांग पूरी न होने पर तीन दिन बाद अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी है। यूनियन के जिलाध्यक्ष लाखा ठाकुर ने बताया कि संगठन के कार्यकताओं के वाहनों को यमुना एक्सप्रेसवे पर टोल छूट की सुविधा प्रदान की जाती थी, लेकिन इसे अचानक बंद कर दिया गया। उनका आरोप है कि अन्य किसान संगठनों और संस्थाओं को यह सुविधा अब भी मिल रही है, जबकि भारतीय किसान यूनियन भूमि पुत्र के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि संगठन के कार्यकताओं को मिलने वाली टोल छूट सुविधा तीन दिनों के भीतर पुनः शुरू की जाए। यदि निर्धारित समयावधि में मांग पूरी नहीं की गई तो जेवर टोल प्लाजा पर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित प्रबंधन और प्रशासन की होगी। इस संबंध में यूनियन कार्यकताओं ने जेवर टोल प्लाजा पहुंचकर टोल प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा। इसके अलावा कोतवाली पहुंचकर वरिष्ठ उपनिरीक्षक फुरकान हुसैन को भी ज्ञापन देकर अपनी मांगों से अवगत कराया। संगठन ने कहा कि किसानों और कार्यकताओं के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने नगर निगम गौशाला का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं की सराहना

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने गुरुवार को गाजियाबाद नगर निगम की गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर सुनीता दयाल, जिलाधिकारी रविंद्र कुमार, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. अनुज, पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. आशीष त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने गौ-पूजन किया तथा गोवंशों को हरा चारा और गुड़ खिलाया। महापौर सुनीता दयाल ने निगम अधिकारियों के साथ प्रभारी मंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें गाय का प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

मंत्री ने गौशाला परिसर में स्थापित प्राकृतिक पेंट निर्माण इकाई का भी अवलोकन किया। इस दौरान अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार एवं डॉ. अनुज ने उन्हें प्राकृतिक पेंट निर्माण की प्रक्रिया और इसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी।

गौशाला की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के बाद प्रभारी मंत्री ने नगर निगम द्वारा संचालित गौशाला की सराहना की और महापौर तथा निगम अधिकारियों को भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार ने बताया कि महापौर एवं नगर आयुक्त के निर्देशों के अनुसार वर्तमान में गौशाला में कुल 1,825 गोवंशों का संरक्षण किया जा रहा है, जिनमें 900 नंदी और 925 गायें शामिल हैं। सभी गोवंशों की समुचित देखभाल की जा रही है। बढ़ती संख्या को देखते हुए गौशाला का विस्तार भी किया जा रहा है तथा पशुओं के रहने की व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि गौशाला में कार्यरत गौसेवकों का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। गोबर के उपयोग से विभिन्न उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं और इसके प्रति आमजन को भी जागरूक किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने गौशाला में कार्यरत गौसेवकों से भी संवाद किया। उन्हें बताया गया कि निगम द्वारा गौसेवकों का वेतन सीधे उनके बैंक खातों में भेजा जाता है। इस व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गौसेवकों के परिवारों के कल्याण का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

यमुना एक्सप्रेसवे के लिए भूमि देने वाले किसानों को मिलेगी टोल में रियायत, 15 जून तक जमा करने होंगे दस्तावेज

जेवर (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे निर्माण के लिए अपनी भूमि देने वाले किसानों को अब टोल शुल्क में रियायत का लाभ मिलेगा। इसके लिए पात्र किसानों को 15 जून तक अपने आवश्यक दस्तावेज जेवर टोल प्लाजा अथवा यमुना एक्सप्रेसवे परियोजना कार्यालय में जमा करने होंगे। यमुना एक्सप्रेसवे के सहायक महाप्रबंधक जे.के. शर्मा ने बताया कि एक्सप्रेसवे निर्माण के दौरान जिन किसानों की भूमि का अधिग्रहण किया गया था, उन्हें टोल शुल्क में छूट प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसके लिए प्रभावित किसानों को प्रपत्र संख्या–11, मतदाता पहचान पत्र, वाहन पंजीकरण प्रमाण–पत्र की स्वप्रमाणित प्रतियां, मोबाइल नंबर तथा वर्तमान पते से संबंधित विवरण जमा करना होगा। उन्होंने बताया कि किसानों द्वारा जमा किए गए दस्तावेजों की जांच की जाएगी। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद पात्र किसानों के लिए विशेष पहचान कार्ड जारी किए जाएंगे। इस कार्ड को दिखाने पर उन्हें टोल शुल्क में निर्धारित रियायत का लाभ मिलेगा। सहायक महाप्रबंधक ने बताया कि दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित की गई है। हालांकि किसानों को टोल शुल्क में कितनी रियायत मिलेगी, इसका अंतिम निर्णय अभी नहीं लिया गया है। जांच और प्रक्रिया पूरी होने के बाद इस संबंध में विस्तृत जानकारी जारी की जाएगी।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर 5 से 21 जून तक चलेगा जनकल्याण अभियान

शामली (शिखर समाचार)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद में 5 जून से 21 जून 2026 तक समेकित जनकल्याण एवं जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश सरकार के जल शक्ति राज्यमंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री दिनेश खटीक ने की।

बैठक में प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यक्रम सेवा, संस्कार, सुशासन और सम्मान की भावना के अनुरूप आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए तथा पर्यावरण संरक्षण, इंधन बचत और केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर ह्लएक पेड़ मां के नामह्व कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 8 से 14 जून तक समाज के विभिन्न वर्गों के प्रबुद्ध लोगों के साथ संवाद कार्यक्रम होंगे। 14 से 16 जून तक सभी विकास खंडों में जनकल्याण मेले लगाए जाएंगे। इसके अलावा 18 से 20 जून तक सरकार की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जबकि 18 और 19 जून को प्राकृतिक एवं प्रगतिशील खेती विषयक कार्यशालाएं आयोजित होंगी। अभियान का समापन 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित भव्य योग कार्यक्रमों के साथ होगा।

बैठक में वीरेंद्र सिंह, मोहित बेनीवाल, सुरेश राणा, प्रसन्न चौधरी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाल श्रम के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान, विधिक सेवा प्राधिकरण ने लगाया जागरूकता शिविर

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बिजनौर के तत्वावधान में बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव स्वाति चंद्रा ने की, जबकि संचालन श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रीति सोनम ने किया। शिविर में उपस्थित कर्मचारियों एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए स्वाति चंद्रा ने कहा कि वर्ष 2026 में बाल श्रम निषेध दिवस की थीम बाल श्रम के खिलाफ लाल कार्ड : बच्चों के लिए उचित अवसर, वयस्कों के लिए सम्मानजनक काम निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि बाल श्रम की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक है कि श्रमिक परिवारों को सम्मानजनक रोजगार और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिले, ताकि आर्थिक अभाव के कारण बच्चों का बचपन प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, खेलकूद और सर्वांगीण विकास के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। साथ ही समाज के प्रत्येक व्यक्ति से बाल श्रम के खिलाफ जागरूक और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने तथा कहीं भी बाल श्रम दिखाई देने पर उसके विरुद्ध आवाज उठाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी प्रीति सोनम ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 1098 की कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योजना के तहत मंडल स्तर पर श्रमिक परिवारों के बच्चों के लिए विशेष विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इन विद्यालयों में बच्चों को निःशुल्क शिक्षा के साथ खेलकूद एवं अन्य आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बाल श्रम उन्मूलन के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है, जिनका लाभ पात्र परिवारों को अवश्य उठाना चाहिए। जागरूकता शिविर में दीपक गर्ग, दीपक पांडेय सहित ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़े कर्मचारी तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

भारत गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं होगी डीएमके, कांग्रेस पर लगाया विश्वासघात का आरोप

चेन्नई (शिखर समाचार)। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) ने घोषणा की है कि वह 8 जून को नई दिल्ली स्थित संविधान क्लब में आयोजित होने वाली भारत गठबंधन की दलों की परामर्श बैठक में भाग नहीं लेगी। पार्टी नेतृत्व द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि तमिलनाडु में हुए आम चुनावों के बाद कांग्रेस द्वारा डीएमके के साथ किए गए कथित विश्वासघात से पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक गहराई से आहत हैं। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए डीएमके ने उस बैठक से दूरी बनाने का निर्णय लिया है, जिसमें कांग्रेस भी शामिल होगी। डीएमके ने स्पष्ट किया कि वह 8 जून को दिल्ली में होने वाली भारत गठबंधन की बैठक में हिस्सा नहीं लेगी, लेकिन राष्ट्रीय हित से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज पहले की तरह बुलंद करती रहेगी।

पार्टी ने अपने बयान में कहा कि देशहित और जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर डीएमके हमेशा मुखर रही है और आगे भी अपनी जिम्मेदारी निभाती रहेगी।

संपादकीय

ममता के नाम पर बगावत: क्या तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल की नई शिवसेना बनने की राह पर?

पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस समय जो घटनाक्रम चल रहा है, वह केवल एक दल के भीतर का संगठनात्मक विवाद नहीं है, बल्कि भारतीय क्षेत्रीय राजनीति के बदलते चरित्र का बड़ा संकेत भी है। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की ऐतिहासिक हार के बाद जिस प्रकार पार्टी के भीतर असंतोष खुलकर सामने आया है, उसने ममता बनर्जी के तीन दशक लंबे राजनीतिक प्रभुत्व को सबसे बड़ी चुनौती दे दी है। विडंबना यह है कि यह चुनौती किसी बाहरी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी से नहीं, बल्कि उन्हीं नेताओं और विधायकों से आ रही है जो अब भी सार्वजनिक रूप से ममता बनर्जी को अपना नेता बता रहे हैं। इसी विरोधाभास के केंद्र में हैं ऋतब्रत बनर्जी, जिनका राजनीतिक उभार आज तृणमूल कांग्रेस के अस्तित्व से जुड़ा सबसे बड़ा प्रश्न बन गया है।

ताजा घटनाक्रम में बड़ी संख्या में तृणमूल विधायकों ने ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व का समर्थन करते हुए विधानसभा में अलग शक्ति केंद्र खड़ा कर दिया है। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा इस गुट को मान्यता दिए जाने और ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता स्वीकार किए जाने के बाद संकट और गहरा गया है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि बागी विधायक ममता बनर्जी को अब भी अपना सर्वोच्च नेता बताते हैं, लेकिन अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व को स्वीकार करने से इनकार कर रहे हैं। यही वह बिंदु है जिसने पूरे विवाद को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की लड़ाई से आगे बढ़ाकर उत्तराधिकार के संघर्ष में बदल दिया है। ऋतब्रत बनर्जी का राजनीतिक जीवन भी कम दिलचस्प नहीं रहा है। कभी वामपंथी राजनीति के उभरते चेहरे रहे ऋतब्रत छात्र राजनीति से राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे। वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की छात्र इकाई के प्रमुख नेताओं में रहे और राज्यसभा तक पहुंचे। बाद में वामपंथ से उनका मोहभंग हुआ और उन्होंने तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया। एक समय वह ममता बनर्जी की खुलकर प्रशंसा करते थे और उन्हें बंगाल की राजनीति का सबसे प्रभावशाली चेहरा बताते थे। आज वही नेता तृणमूल के भीतर सबसे बड़े विद्रोह का चेहरा बन गए हैं। दरअसल, इस संकट की जड़ केवल चुनावी हार नहीं है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर वर्षों से दबे असंतोष को बाहर ला दिया है। पार्टी के अनेक नेताओं का मानना है कि संगठन धीरे-धीरे कुछ लोगों तक सीमित होता गया, जमीनी कार्यकताओं की अनदेखी हुई और निर्णय प्रक्रिया अत्यधिक केंद्रीकृत हो गई। चुनावी पराजय के बाद यह असंतोष खुले विद्रोह में बदल गया। नकली हस्ताक्षर विवाद, संगठनात्मक निर्णयों पर सवाल और नेतृत्व शैली को लेकर उठी नाराजगी ने आग में घी डालने का काम किया। यह पूरा घटनाक्रम महाराष्ट्र की शिवसेना में हुए विभाजन की याद दिलाता है। वहां भी बागी नेता स्वयं को असली शिवसैनिक बताते रहे और बालासाहेब ठाकरे की विरासत पर अपना दावा करते रहे। पश्चिम बंगाल में भी लगभग वैसी ही स्थिति बनती दिखाई दे रही है। यहां भी बागी गुट स्वयं को वास्तविक तृणमूल बता रहा है। अंतर केवल इतना है कि शिवसेना में संघर्ष ठाकरे परिवार और बागी नेतृत्व के बीच सीधा था, जबकि तृणमूल में बागी गुट अभी भी ममता बनर्जी के प्रति सम्मान व्यक्त कर रहा है और संघर्ष का केंद्र मुख्यतः संगठन की वर्तमान कार्यशैली तथा उत्तराधिकार की राजनीति है। ममता बनर्जी के लिए यह स्थिति इसलिए भी चुनौतीपूर्ण है क्योंकि उन्होंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में स्वयं को एक जननेता के रूप में स्थापित किया है। कांग्रेस से अलग होकर उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की स्थापना की, वामपंथ के तीन दशक पुराने किले को ध्वस्त किया और फिर लगातार तीन बार सत्ता हासिल की। लेकिन हर लंबे राजनीतिक शासन की तरह तृणमूल कांग्रेस भी सत्ता-विरोधी भावना, संगठनात्मक जड़ता और नेतृत्व के केंद्रीकरण की समस्याओं से घिर गई। हालिया चुनावी पराजय ने इन कमजोरियों को उजागर कर दिया है।

~ मौलिक चिंतन ~

तर्क ठहरा संजीवनी औषधि और कुतर्क एक लाइलाज जटिल रोग!

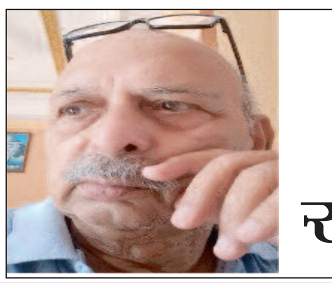

©
विनय संकोची

मध्य पूर्व संकट(अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव) और बुद्ध का शांति मार्ग

सुनील कुमार महला

मध्य पूर्व में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ समय से युद्धविराम और शांति वार्ता की उम्मीदें बार-बार बनती और टूटती रही हैं। सच तो यह है कि शांति वार्ता फिलहाल गतिरोध का शिकार दिखाई दे रही है। अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत के कई दौर हो चुके हैं, लेकिन दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े रहने के कारण किसी ठोस समझौते तक नहीं पहुंच सके हैं। परिणामस्वरूप शांति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है और क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता और गहरी हुई है। लेबनान सहित अन्य क्षेत्रों में जारी संघर्ष ने भी हालात को और जटिल बना दिया है। ईरान का आरोप है कि उस पर तथा उसके सहयोगी समूहों पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है, जबकि अमेरिका और इजराइल क्षेत्रीय सुरक्षा के नाम पर अपनी सैन्य कार्रवाइयों को आवश्यक ठहराते हैं। बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही कुछ वाताओं को स्थगित कर दिया है, जिससे युद्धविराम और समझौते की संभावनाओं को झटका लगा है। वास्तव में,इस संकट का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। वहां किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक तेल आपूर्ति, समुद्री व्यापार और ऊर्जा बाजार को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि दुनिया भर के देश इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सैन्य टकराव और धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ सकता है। वर्तमान स्थिति यह है कि मध्य पूर्व में न तो पूर्ण युद्ध की अवस्था है और न ही स्थायी शांति स्थापित हो सकी है। एक ओर बातचीत जारी है, तो दूसरी ओर जमीन पर तनाव भी बना हुआ है। इसलिए सभी पक्षों को सैन्य विकल्पों के बजाय संवाद, कूटनीति और आपसी विश्वास के माध्यम से स्थायी शांति का मार्ग तलाशना चाहिए। यदि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जल्द कोई व्यापक समझौता नहीं होता, तो इसका असर क्षेत्रीय सुरक्षा, तेल कीमतों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। ऐसे में स्थायी युद्धविराम और कूटनीतिक समाधान ही वर्तमान संकट का सबसे प्रभावी मार्ग है। बहरहाल, आज विश्व में बढ़ती हिंसा, तनाव और असहिष्णुता के बीच भगवान बुद्ध का मार्ग पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। बुद्ध ने सत्य, अहिंसा, करुणा और मध्यम मार्ग का संदेश देकर मानवता को शांति का रास्ता दिखाया। उनका मानना था कि क्रोध, लोभ और द्वेष अधिकांश समस्याओं की जड़ हैं। यदि व्यक्ति और समाज उनके उपदेशों को अपनाएं, तो आपसी संघर्ष और वैमनस्य को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बुद्ध का मार्ग आत्मसंयम, सहिष्णुता और मैत्रीभाव की शिक्षा देता है। आज की अशांत दुनिया में स्थायी शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए उनके विचार प्रेरणास्त्रोत हैं। उनका संदेश किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश है। इसलिए वर्तमान समय में बुद्ध के मार्ग को अपनाना एक बेहतर, सुरक्षित और शांतिपूर्ण भविष्य की आवश्यकता बन गया है।विशेष रूप से अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष के इस दौर में भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और अहिंसा के सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देते हैं। बुद्ध ने सिखाया था कि हिंसा से हिंसा समाप्त नहीं होती, बल्कि प्रेम, संवाद और समझ से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। यदि सभी पक्ष टकराव और प्रतिशोध की भावना त्यागकर धैर्य, संयम और आपसी सम्मान के साथ बातचीत का मार्ग अपनाएं, तो विवादों का शांतिपूर्ण समाधान संभव है।बुद्ध का मध्यम मार्ग अतिरेक और कट्टरता से दूर रहकर संतुलित निर्णय लेने की प्रेरणा देता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के बजाय कूटनीति, विश्वास और मानव कल्याण को प्राथमिकता दी जाए। यही दृष्टिकोण न केवल मध्य पूर्व में शांति स्थापित कर सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता, मानवता और विश्व बंधुत्व को भी सुदृढ़ बना सकता है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अग्निकांडों से सीख: यह केवल एक व्यक्ति या संस्था की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की विफलता

किशन सनमुखदास भावनानी

जवाबदेही संस्थागत विफलताएँ भ्रष्टाचार और भविष्य की सुरक्षा का वैश्विक परिप्रेक्ष्य समग्र व्यापक विश्लेषण...

अग्निकांड केवल एक दुर्घटना नहीं,यह उस पूरे प्रशासनिक, नियामक और सामाजिक तंत्र की प्रणालीगत विफलता है जो नागरिकों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है?

जब तक पारदर्शिता,नियमित निरीक्षण,शून्य- सहिष्णुता वाली भ्रष्टाचार-विरोधी नीति,संस्थागत समन्वय और कठोर जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की जाएगी,तब तक ऐसी त्रासदियाँ बार-बार मानव जीवन की भारी कीमत वसूलती रहेंगी

वैश्विक स्तर पर फिर एक बार हड़कंप मच गया जब दिल्ली के मालवीय नगर क्षेत्र में 3 जून 2026 को हुए भीषण अग्निकांड में बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु और घायल होने की खबर ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि जब किसी होटल,अस्पताल, मॉल, स्कूल, औद्योगिक इकाई या व्यावसायिक भवन में आग लगती है तो आखिर ऐसी त्रासदी केवल आग के कारण होती है या उसके पीछे वर्षों से जमा होती आ रही प्रशासनिक, तकनीकी और संस्थागत विफलताओं की लंबी श्रृंखला भी जिम्मेदार होती है। दुनियाँ के किसी भी देश में आग लगना एक दुर्घटना हो सकती है,लेकिन आग के कारण बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होना अक्सर एक प्रणालीगत विफलता माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश बड़े अग्निकांडों में मौतें केवल आग से नहीं बल्कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी, निकासी व्यवस्था की कमी, आपातकालीन प्रतिक्रिया में देरी,निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और भ्रष्टाचार के कारण होती हैं।इसलिए किसी भी अग्निकांड की जांच केवल यह पता लगाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए कि आग कैसे लगी, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि ऐसी स्थिति बनने ही क्यों दी गई।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, 3 जून 2026 की सुबह भारत की राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे होटल और उससे जुड़े रेस्तरां में लगी भीषण आग ने केवल 21 से अधिक लोगों की जान नहीं ली,बल्कि देश की शहरी सुरक्षा व्यवस्था,नियामक तंत्र, प्रशासनिक जवाबदेही और सार्वजनिक सुरक्षा संस्कृति पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया। मीडिया में आए प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन को केवल 6 कमरों की अनुमति थी,जबकि वहां लगभग 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह सामने आया कि भवन के पास वैध फायर एनओसी नहीं थी तथा अंदर आने- जाने के लिए प्रभावी आपातकालीन निकास व्यवस्था भी उपलब्ध नहीं थी। बेसमेंट में लोगों के फंस जाने की खबरों ने स्थिति को और भयावह बना दिया।इस त्रासदी में 21 लोगों की मृत्यु हुई, 40 से अधिक लोगों को बचाया गया तथा अनेक गंभीर रूप से घायल अस्पतालों में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मृतकों में मध्य एशिया और अफ्रीकी देशों के कई विदेशी नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो भारत में चिकित्सा उपचार या अन्य कारणों से आए थेप्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लोग धुएं और लपटों से बचने के लिए तीसरी और चौथी मंजिल से कूदने को मजबूर हो गए, जबकि स्थानीय नागरिक नीचे गद्दे बिछाकर उनकी जान बचाने का प्रयास कर रहे थे। यह घटना किसी भूकंप, बाढ़ या प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं थी, बल्कि प्रथम दृष्टया मानवीय लापरवाही,नियमों कीअवहेलना भ्रष्टाचार, कमजोर निगरानी और जवाबदेही की कमी का परिणाम प्रतीत होती है। यही कारण है कि यह दुर्घटना केवल एक होटल अग्निकांड नहीं बल्कि आधुनिक भारतीय शहरी प्रशासन की विफलताओं का प्रतीक बन गई है।

साथियों बात अगर हम ऐसी घटनाओं के भारतीय इतिहास की करें तो, भारत का इतिहास ऐसी दर्दनाक घटनाओं से भरा पड़ा है। वर्ष 1997 में दिल्ली के उपहार सिनेमा फायर में 59 लोगों की मृत्यु हुई थी। जांच में सामने आया कि आपातकालीन निकास मार्ग अवरुद्ध थे, सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था तथा प्रबंधन और प्रशासन दोनों स्तरों पर गंभीर लापरवाही हुई थी। वर्ष 2004 में कुम्बाकूनम स्कूल फायर में 94 स्कूली बच्चों की मृत्यु हुई।विद्यालय में अग्नि सुरक्षा प्रबंधअत्यंत कमजोर थे और ज्वलनशील सामग्री का उपयोग किया गया था। वर्ष 2019 में अनाज मंडी फायर में 43 लोगों की मृत्यु हुई, जहां फैक्ट्री अवैध रूप से संचालित हो रही थी और निकास व्यवस्था अपर्याप्त थी। उसी वर्ष दिल्ली के मुंडका फायर ट्रेगेडी जैसे मामलों में भी बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। पश्चिम बंगाल के अमरी हॉस्पिटल फायर में 90 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी, जहां धुएं और आपातकालीन प्रबंधन की विफलता प्रमुख कारण बने। इन सभी घटनाओं में एक समान पैटर्न दिखाई देता है,नियमों का उल्लंघन, कमजोर निरीक्षण, भ्रष्टाचार, अपर्याप्त फायर ऑडिट और एजेंसियों के बीच सटीकता से समन्वय की कमी।

साथियों, किसी भी बड़े शहर में अग्निशमन सेवा या फायर ब्रिगेड अंतिम रक्षा पंक्ति होती है। जब आग लग जाती है तब फायर ब्रिगेड को बुलाया जाता है, लेकिन वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या फायर विभाग ने भवन का समय- समय पर निरीक्षण किया था, क्या भवन के पास वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र था,क्या अग्निशमन उपकरण कार्यरत थे, क्या स्प्रिंकलर सिस्टम और स्मोक डिटेक्टर सक्रिय थे और क्या भवन मालिकों ने नियमों का पालन किया था। अनेक मामलों में देखा गया है कि फायर विभाग निरीक्षण तो करता है लेकिन बाद में नियमों के उल्लंघन को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई देशों में जांच रिपोर्टों ने यह दिखाया है कि अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र मिलने के बाद वर्षों तक दोबारा प्रभावी निरीक्षण नहीं होता। परिणामस्वरूप भवनों में अतिरिक्त कमरे, अवैध निर्माण, बंद आपातकालीन निकास और क्षमता से अधिक लोगों को रखने जैसी खतरनाक स्थितियाँ विकसित हो जाती हैं। यदि किसी भवन को छह कमरों की अनुमति मिली हो और बाद में उसमें कई गुना अधिक कमरे बना दिए जाएँ तो यह केवल भवन मालिक की गलती नहीं बल्कि निगरानी तंत्र कीसटीकता से विफलता भी मानी जाएगी।

साथियों पुलिस की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।सामान्यतः पुलिस को आपदा के समय कानून-व्यवस्था बनाए रखने,बचाव कार्यों को सुगम बनाने और अपराध संबंधी जांच करने का दायित्व दिया जाता है। लेकिन कई बार पुलिस का स्थानीय स्तर पर भवनों, होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बारे में पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं होता। कुछ मामलों में अवैध गतिविधियों या नियमों के उल्लंघन की जानकारी होने के बावजूद समय रहते कार्रवाई नहीं की जाती। आपदा के बाद पुलिस अक्सर जांच शुरू करती है,जबकि वास्तविक५आवश्यकता जोखिमों की पूर्व पहचान और निवारक कार्रवाई की होती है।विकसित देशों में पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच डेटा साझा करने की व्यवस्था होती है जिससे जोखिम वाले भवनों की पहचान पहले से की जा सके। भारत सहित अनेक विकासशील देशों में यह समन्वय अभी भी सीमित दिखाई देता है।

साथियों,आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों की जिम्मेदारी केवल आपदा के बाद राहत देना नहीं बल्कि जोखिम को कम करना भी है।यदि किसी महानगर में हजारों होटल, हॉस्टल अस्पताल और व्यावसायिक इमारतें हैं तो यह सुनिश्चित करना आपदा प्रबंधन संस्थाओं का भी दायित्व है कि आपातकालीन निकासी योजना,मॉक ड्रिल, प्रशिक्षण और जन-जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित हों। अक्सर पाया जाता है कि मॉक ड्रिल केवल कागजों में पूरी हो जाती है या सीमित स्तर पर आयोजित होती है। जब वास्तविक आपदा आती है तब कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और भवन प्रबंधक नहीं जानते कि लोगों को सुरक्षित बाहर कैसे निकाला जाए। इससे भगदड़, घबराहट और मृत्यु की संख्या बढ़ जाती है। एम्बुलेंस सेवाओं और चिकित्सा आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की कमियाँ भी अनेक बार सामने आती हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार किसी बड़े शहर में आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया का समय न्यूनतम होना चाहिए। लेकिन ट्रैफिक जाम, अपर्याप्त एम्बुलेंस, समन्वय की कमी और अस्पतालों में तैयारी के अभाव के कारण घायल लोगों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। अग्निकांडों में धुएँ से दम घुटना एक प्रमुख कारण होता है और ऐसे मामलों में शुरूआती कुछ मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। यदि चिकित्सा सहायता में देरी होती है तो बचाई जा सकने वाली जानें भी चली जाती हैं।

साथियों, स्थानीय निकायों और नगर निगमों की जवाबदेही शायद सबसे महत्वपूर्ण होती है क्योंकि भवन निर्माण की अनुमति,उपयोग परिवर्तन, व्यापार लाइसेंस और भवन सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी इन्हीं के पास होती है। दुनियाँ भर में हुई अनेक त्रासदियों की जांच में पाया गया कि भवन निर्माण नियमों का पालन नहीं किया गया था। कहीं अवैध मंजिलें बनाई गई थीं, कहीं निकास मार्ग बंद थे, कहीं विद्युत तारों का रखरखाव खराब था और कहीं अग्नि सुरक्षाउपकरण केवल दिखावे के लिए लगाए गए थे। यदि किसी नगर निकाय के रिकॉर्ड में भवन की एक स्थिति दर्ज हो और वास्तविकता में वह पूरी तरह अलग हो, तो यह निरीक्षण और प्रवर्तन तंत्र की गंभीर विफलता का संकेत है। साथियों, भ्रष्टाचार का मुद्दा सबसे संवेदनशील लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है। दुनिया के अनेक देशों में हुई आपदाओं की जांच रिपोर्टों ने यह संकेत दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों को कभी-कभी रिश्वत, राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता के कारण संरक्षण मिल जाता है।

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

ललित गर्ग

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी।

पाँच जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम ह्लप्लास्टिक प्रदूषण का अंतह्व (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्त्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है।

फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्त्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए।

दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चैथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है तेज पत्ता

रसोई में ऐसे कई मसाले हैं जिनका इस्तेमाल बीमारियों में दवा का काम करता है। शुगर से लेकर हाई ब्लड प्रेशर तक को कंट्रोल करने में ये मसाले या पत्ते इस्तेमाल किए जाते हैं। मधुमेह में कई घरेलू नुस्खे असरदार साबित होते हैं। जिनका लगातार इस्तेमाल करने से शरीर में ब्लड शुगर कंट्रोल होने लगता है। ऐसा ही सूखा पत्ता है तेज पत्ता, जिसका इस्तेमाल गरम मसाले में करते हैं। तेज पत्ता काफी खुशबूदार होता है। डायबिटीज के मरीज अगर सुबह खाली पेट तेज पत्ता की चाय बनाकर पीते हैं तो इससे शुगर को कम करने में फायदा मिलता है।

तेज पत्ता को सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। तेज पत्ता में भरपूर एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व डायबिटीज में असरदार साबित होते हैं। तेज पत्ता में आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, सेलेनियम और कॉपर होता है। कुछ दिनों तक नियमित रूप से तेज पत्ता का पानी या चाय पीने से पुरानी से पुरानी डायबिटीज को कम किया जा सकता है।

शुगर में तेजपत्ता के फायदे

आयुर्वेदिक डॉक्टर्स की मानें तो शुगर को कम करने के लिए कई तरह की जड़ी बूटियां हैं जो आपके घर में भी आसानी से मिल जाती हैं। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो डायबिटीज में तेज पत्ता काफी फायदेमंद है। कई रिसर्च में भी ये सामने आ चुका है कि डाइट और एक्सरसाइज के साथ कुछ आयुर्वेदिक उपाय करने से शुगर कम होने लगती है। ऐसा करने से इंसुलिन फंक्शन में सुधार आता है।

शुगर में तेज पत्ता की चाय?

तेज पत्ता का इस्तेमाल खाने में तो सभी करते हैं। लेकिन डायबिटीज के मरीज को इसकी चाय या पानी पीना चाहिए। तेज पत्ता की चाय बनाने के लिए 1 तेज पत्ता 1 गिलास पानी में डालकर रातभर के लिए भिगो दें। सुबह इस पानी को उबालकर छानकर पी लें। आप चाहें तो अपनी नॉर्मल दूध वाली चाय में भी तेज पत्ता का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा तेज पत्ता की चाय में थोड़ी दालचीनी, इलायची और तुलसी डालकर भी इसे तैयार कर सकते हैं। नॉर्मली आप सुबह खाली पेट तेज पत्ता का पानी पी सकते हैं। इससे धीरे-धीरे ब्लड शुगर लेवल नॉर्मल होने लगेगा।

इन बीमारियों में फायदा करता है तेज पत्ता

तेज पत्ता न सिर्फ खाने का स्वाद बढाता है बल्कि कई बीमारियों में भी असरदार काम करता है। तेज पत्ता का सेवन करने से पेट की समस्या जैसे कब्ज, एसिडिटी, मरोड़ और दर्द को कम किया जा सकता है। अगर किडनी में स्टोन हो रहे हैं तो तेज पत्ता का पानी पीने से फायदा मिलेगा। जिन लोगों को नींद की समस्या रहती है। वो तेज पत्ता के तेल की कुछ बूंदें पानी में डालकर पी लें। जोड़ों पर तेज पत्ता के तेल से मसाज करना राहत पहुंचाता है।

इन परेशानियों में कारगर है अदरक का सेवन

अदरक का इस्तेमाल सब्जी से लेकर चाय बनाने में किया जाता है। लेकिन यह जड़ वाली सब्जी सेहत के लिए भी बेहद लाभकरी है। इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर अदरक सर्दी जुकाम और खांसी के साथ कई गंभीर बीमारियों में भी कारगर है। इसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे आयरन, कैल्शियम, आयोडीन, क्लोरीन और विटामिन शरीर को कई बीमारियों से दूर रखते हैं। तो, चलिए जानते हैं अदरक का सेवन कब और कैसे सेवन करना चाहिए?

एसिडिटी : खाना खाने के बाद एसिडिटी और हार्ट बर्न की समस्या है, तो अदरक का सेवन करें। यह बॉडी में जाकर एसिड की मात्रा को कंट्रोल करता है। इसलिए खाना खाने के 10 मिनट बाद एक कप अदरक का जूस पिएं।

मतली और उल्टी को कम करना : हअदरक मतली और उल्टी को कम करने में प्रभावी है। इसका सेवन मतली और मॉर्निंग सिकनेस के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन में सुधार : अदरक में जिंजरोल नामक एक बायोएक्टिव यौगिक होता है, जो पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करके पाचन में सुधार करने में मदद करता है।यह गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

कमजोर इम्यूनिटी : अदरक में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

जोड़ों का दर्द करे दूर : अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। इसका सेवन या इसे जोड़ों पर लगाने से सूजन और दर्द कम हो सकता है।

पीरियड के दर्द में असरदार : अदरक, पीरियड के दर्द को कम करने में में मदद करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे करें अदरक का सेवन?

अदरक का सेवन तो आमतौर पर चाय में डालकर किया जाता है। लेकिन अगर आप इसका ज़्यादा फायदा चाहते हैं तो आप चाय की बजाय इसका पानी पियें। अदरक का पानी बनाने के लिए इसे कद्दूकस कर लें। अब एक गिलास पानी में कद्दूकस किया हुआ अदरक डालकर पानी को छी तरह उबाल लें। अब इस पानी को छानकर चाय की तरह चुस्कियां लेकर पिएं। स्वाद के लिए इस पानी में आप शहद ही मिला सकते हैं।

तुलसी के पत्ते किन बीमारियों में असरदार है

हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे की एक देवी के रूप में पूजा की जाती है। ज्यादातर घरों में आपको तुलसी मिल ही जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सुबह उठकर तुलसी को जल चढ़ाने से भगवान विष्णु की कृपा बरसती है। तुलसी अपने आप में एक ऐसा पौधा है जो अनगिनत फायदे पहुंचाता है। आयुर्वेद में कई बीमारियों के इलाज में तुलसी का उपयोग किया जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि घर में लगी तुलसी का इस्तेमाल कर आप किन बीमारियों से बच सकते हैं।

आचार्य बालकृष्ण की मानें तो तुलसी के पत्तों से कई बीमारियों का इलाज होता है। इसके पत्तों में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है जो आपको बुखार, दिल से जुड़ी बीमारियां, पेट दर्द, मलेरिया और बैक्टीरियल संक्रमण से बचाते हैं।

दिमाग के लिए फायदेमंद- तुलसी में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो दिमाग को शांत करने, कार्य क्षमता बढ़ाने, सिर दर्द, सिर के जूं और लीख से छुटकारा, नाइट ब्लाइंडनेस से आराम दिलाने का काम करते हैं। इसके लिए रोजाना 4- 5 तुलसी के पत्ते पानी के साथ खा लें। सिर में तुलसी के पत्तों का रस भी लगा सकते हैं।

कान और दांत के दर्द में आराम- बच्चों और बड़ों किसी को कान में दर्द हो तो तुलसी के पत्तों का रस डालने से आराम मिलता है। कान के दर्द में तुरंत राहत पाने के लिए तुलसी के 8-10 पत्तों को पीस लें और इससे निकलने वाले रस में से 2 से तीन बूंद कान में डालनी हैं दांत में दर्द हो तुलसी और काली मिर्च चबा लें। इससे फायदा मिलेगा।

पेट की बीमारियों में असरदार तुलसी- अगर आपको डायरिया, पेट की मरोड़, कब्ज, पीलिया, पथरी, डिलीवरी के बाद होने वाले दर्द से झुटकारा पाना है तो तुलसी के पत्तों का सेवन करें। डायरिया और पथरी से बचने के लिए 10 तुलसी की पत्तियां और 1 ग्राम जीरा दोनों को पीसकर शहद में मिलाकर उसका सेवन करें। अपच दूर करने के लिए तुलसी को नमक के साथ पीसकर दिन में 3 से 4 बार लें।

त्वचा के लिए फायदेमंद- आपके फेस को ग्लोइंग बनाने, सफेद दाग, मुंह के छालों, कालापन, कील मुंहासों, फोड़े सभी में तुलसी लाभदायक है। इसके लिए आपको तुलसी के पत्तों को 1 नींबू के साथ मिलाकर लेप बनाना है। इसे चेहरे पर लगा लें और सूखने पर धो लें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए- तुलसी मलेरिया, टाइफाइड, बुखार, दाद और खुजली, मासिक धर्म की अनियमितता से बचाती हैं। तुलसी के पत्तों को काली मिर्च के साथ मिक्स करें और काढ़ा बनाकर पीने से मलेरिया, टाइफाइड, बुखार आराम मिलता है। दाद और खुजली के लिए आप इसका लेप बनाकर लगा सकते हैं। मासिक धर्म में आप तुलसी के बीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोज तुलसी के पत्तों को खाने से डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, अस्थमा, जुकाम को कंट्रोल किया जा सकता है।

घाव भरने में मददगार- तुलसी चोट पर भी फायदा करती है। यहां तक की सांप काटने पर भी तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। सांप काटने पर तुलसी की जड़ों को पीसकर सांप के काटने वाली जगह पर लेप लगाते हैं। इससे दर्द से आराम मिलता है। अगर रोगी बेहोश हो गया हो तो तुलसी का रस नाक में लगाया जाता है।

सेहत को चौतरफा फायदे पहुंचाएगा ये फल

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अनानास में विटामिन सी, विटामिन बी6, मैंगनीज, पोटैशियम, फोलेट और फाइबर समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि अनानास को सेहत के लिए वरदान माना जाता है। अगर आप सही मात्रा में और सही तरीके से अनानास का सेवन करते हैं, तो आपकी ओवरऑल हेल्थ पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

अनानास आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकता है। अगर आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास का सेवन करना शुरू कर दीजिए। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए भी इस फल को कंज्यूम किया जा सकता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अनानास में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप अनानास का सेवन कर सकते हैं। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी अनानास को अपने डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें अनानास खाने से आपकी आंखों की सेहत पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है।

मजबूत बनाए इम्यून सिस्टम

अनानास में विटामिन सी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए अनानास का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अगर आप कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास को कंज्यूम करना शुरू कर देना चाहिए। आपको बता दें कि अनानास आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

घर में रखे-रखे सड़-गल जाते हैं केले, ये टिप्स है बड़े काम के, 5-6 दिनों तक फ्रेश बने रहेंगे

घर में अक्सर केले लाए जाते हैं लेकिन ये कुछ ही दिनों में काले पड़ने लगते हैं। केले का जल्दी खराब होना आम समस्या है। इससे ये समझना मुश्किल हो जाता है कि केले को फ्रिज में रखें या बाहर। अगर आप चाहते हैं कि केले लंबे समय तक ताजा रहें, तो कुछ आसान तरीके अपनाए जा सकते हैं। केलों की ताजगी बनाए रखने के लिए सबसे पहले ध्यान रखें कि केले खरीदते वक्त वे बिल्कुल ताजे और बिना किसी काले धब्बे वाले हों। अगर केले कहीं से पिलपिले या ज्यादा मुलायम लग रहे हों, तो उन्हें खरीदना सही नहीं क्योंकि ऐसे केले जल्दी खराब हो जाते हैं।

प्लास्टिक बैग से सावधानी

जिन प्लास्टिक बैग्स में केले लाए जाते हैं, उनमें एथिलिन गैस जमा हो जाती है। यह गैस केले के जल्दी पकने का कारण बनती है। इसलिए केले घर लाते ही उन्हें उस बैग से निकालकर किसी दूसरी जगह रखना चाहिए।

केले की डंडी को कवर करें

केले के गुच्छे की डंडी यानी तने को प्लास्टिक से लपेटने से केला जल्दी नहीं पकता और लंबे समय तक ताजा रहता है। अगर पूरे गुच्छे को ढकने की बजाय, केले के तनों को अलग-अलग कवर किया जाए, तो भी केले जल्दी खराब नहीं होते।

अन्य फलों से दूर रखें

केले और अन्य फल जैसे आम, अमरुद, सेब आदि में भी एथिलिन गैस निकलती है। अगर केले को इन फलों के साथ रखा जाए, तो केला जल्दी पकने लगता है। इसलिए केले को अन्य फलों से अलग रखना चाहिए ताकि उनकी ताजगी बनी रहे।

केले को कमरे के तापमान पर रखें

केलों को फ्रिज में रखने से बेहतर है कि उन्हें कमरे के सामान्य तापमान पर ही रखा जाए। केले को उल्टा (टिप-ओवर) करके किसी कटोरे या बाउल में रखें ताकि वे आसानी से सांस ले सकें और खराब न हों।

केले को हवा लगती रहे

केले को एक-दूसरे के ऊपर दबाकर रखने की बजाय ऐसे रखें कि उनपर हवा लगती रहे। इससे उनके जल्दी खराब होने की संभावना कम हो जाती है।

केले को हुक से टांगें

अगर संभव हो तो केले को हुक पर टांगकर रखें। इससे केले के सभी हिस्सों को हवा मिलती रहती है और वे ज्यादा दिनों तक ताजा रहते हैं।

पक चुके केले फ्रिज में रखें

अगर केले पहले से ही पक चुके हों और ज्यादा दिनों तक ताजा रखना हो, तो उन्हें फ्रिज में रखा जा सकता है। फ्रिज की ठंडी हवा में केला ज्यादा समय तक खराब नहीं होता।

केले जल्दी खराब होने की समस्या से बचने के लिए सही तरीके अपनाना जरूरी है। इन तरीकों को अपनाकर आप केले को खराब होने से बचा सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल कर सकते हैं।

ग्रामीण मांग की रफ्तार कायम, शहरी मध्य वर्ग पर दबाव- एफएमसीजी

नई दिल्ली।

नेस्ले इंडिया ने बताया कि शहरी उपभोक्ता गैर-जरूरी खर्च को टाल रहे हैं, जिससे इंतजार करो की स्थिति बन रही है। हालांकि, नेस्ले के लिए, जो एक शहरी-केंद्रित कंपनी है, वृद्धि बेहतर बनी हुई है। उन्होंने नील्सन आईक्यू के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि ग्रामीण मांग लगातार तीन वर्षों से शहरी मांग की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। बाजार के प्रीमियम हिस्से में भी मांग मजबूत बनी हुई है। मैरिको के एक अे धिकारी ने स्वीकार किया कि नए क्षेत्रीय ब्रांड बड़ी एफएमसीजी कंपनियों के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मैरिको ने तीन वर्षों में सात डी2सी ब्रांडों का अधिग्रहण किया है और नवाचार को अंतरराष्ट्रीय ब्रांड निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह चिंता भी जताई कि कम बारिश से ग्रामीण क्षेत्रों की मांग प्रभावित हो सकती है।

सौर क्षमता विस्तार में भारत ने अमेरिका को पछाड़ा

बीते वर्ष 37 गीगावाट सौर क्षमता जोड़कर भारत चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर रहा

नई दिल्ली ।

भारत ने सालाना सौर क्षमता विस्तार के मामले में अमेरिका को पछाड़ते हुए वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को बताया कि बीते साल 37 गीगावाट (जीडब्ल्यू) सौर क्षमता जोड़कर भारत चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा क्षमता विस्तारक देश बन गया है। इस दौरान अमेरिका ने 34 जीडब्ल्यू क्षमता जोड़ी। जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मजबूत नीतिगत समर्थन, नवाचार और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के दम पर भारत सबसे तेजी से बढ़ते प्रमुख सौर बाजारों में से एक है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, वर्ष 2024 में भारत सौर ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक भी बन गया, जिसने जापान को पीछे छोड़ते हुए अपनी क्षमता को 98 जीडब्ल्यू से अधिक तक पहुंचाया। देश में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की गति उल्लेखनीय रही है। भारत ने अप्रैल 2026 तक 154 जीडब्ल्यू की कुल सौर क्षमता हासिल करने का अनुमान है। भारत का महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2030 तक 500 जीडब्ल्यू नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता प्राप्त करना है। वर्तमान में, भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता का लगभग आधा (288 जीडब्ल्यू) गैर-जीवाश्म स्रोतों से आता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच अदाणी टोटल गैस के शेयर उछले

विशेषज्ञ बोले- सरकारी नीतियां और कीमतों में बढ़ोतरी बनी वजह

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष ने जहां वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ला दिया है और निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स को करीब 9 प्रतिशत नीचे धकेल दिया है, वहीं इस मुश्किल दौर में अदाणी टोटल गैस (एटीजीएल) ने सेक्टर में बेहतरीन प्रदर्शन कर सभी को चौंका दिया है। फरवरी 2026 से जून 2026 के बीच कंपनी के शेयर में लगभग 40 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी दर्ज की गई, जिससे यह ऑयल एंड गैस सेक्टर की शीर्ष प्रदर्शन करने वाली कंपनी बन गई। बाजार विशेषज्ञ के अनुसार, अदाणी टोटल गैस की इस शानदार तेजी के पीछे तीन मुख्य कारण हैं- सरकारी नीतियां, सीएनजी व औद्योगिक गैस की कीमतों में बढ़ोतरी, और अदाणी समूह में निवेशकों का बढ़ता भरोसा। उन्होंने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें तेल व गैस निकालने वाली कंपनियों के लिए फायदेमंद साबित होती हैं, जबकि तेल विपणन कंपनियों और रिफाइनरियों पर लागत बढ़ने का दबाव पड़ता है। इस अवधि में अदाणी टोटल गैस का शेयर 512 रुपये से बढ़कर 717.60 रुपये पर पहुंच गया। जहां एक ओर अदाणी टोटल गैस ने आसमान छुआ, वहीं चेन्नई पेट्रोलियम (24 फीसदी), एजिस लॉजिस्टिक्स (10.5 फीसदी) और ऑयल इंडिया (1.5 फीसदी) जैसी कुछ अन्य कंपनियों के शेयरों में भी मामूली बढ़त देखी गई। दूसरी ओर, पश्चिम एशिया संकट का सबसे बुरा असर सरकारी तेल विपणन कंपनियों पर पड़ा। इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल के शेयरों में 23 से 27 प्रतिशत तक की भारी गिरावट आई। इसके अलावा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, गेल, महानगर गैस और इंद्रप्रस्थ गैस सहित कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में भी महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की गई, जिससे पूरे सेक्टर में दबाव साफ नजर आया।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 14 अंक , निफ्टी 11 अंक उछला

मुम्बई ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच ही भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को उतार-चढ़ाव के बाद हल्की बढ़त पर बंद हुआ। एशियाई और अमेरिकी बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही आज जहां बीएसई सेंसेक्स 14 अंक ऊपर आकर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी में 11 अंकों का उछाल आया। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई 11 अंक करीब 0.01 फीसदी की तेज़ी के साथ 74,360 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी की बढ़त के साथ 23,416 के स्तर पर बंद हुआ आज बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में ज़्यादा तेज़ी रही। निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.49 फीसदी उछाल दर्ज किया गया। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 में 0.46 फीसदी का उछाल आया।

निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा 16.50 फीसदी बढ़त क्वालिटी वॉल्स के शेयरों में आई देखने को मिली। इसके अलावा टाइटन कंपनी में 3.48 फीसदी की बढ़त, कोल इंडिया में 1.98 फीसदीकी तेज़ी और सिप्ला में 1.71 फीसदी की बढ़त रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज़्यादा गिरावट दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के शेयरों में 1.75 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इसके बाद, बजाज फिनसर्व में 1.42 फीसदी की गिरावट। वहीं हिंडाल्को में 1.17 फीसदी की गिरावट आई। एसबीआइ लाइफ में 1.09 फीसदी और अल्ट्राटेक सीमेंट्स में 0.94 फीसदी की गिरावट रही।

आज सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी मीडिया में 2.19 फीसदी की तेज़ी रही। निफ्टी इंडिया टूरिज्म में 1.15 फीसदी जबकि निफ्टी कैपिटल मार्केट में 1.13 फीसदी की बढ़त रही। निफ्टी एनर्जी में 0.62 फीसदी की तेज़ी। निफ्टी इंडिया डिफेंस - 0.47 फीसदीत की तेज़ी आई।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

भारतीय रुपया गुरुवार को सात पैसे की बढ़त के साथ ही 95.64 पर बंद हुआ1 अमेरिकी डॉलर के मुकाबले थोड़ी राहत की सांस ली। शुरुआती कारोबार में रुपया 1 पैसे की मामूली मजबूती के साथ 95.70 प्रति डॉलर पर खुला।

पिछले सत्र में 95.71 पर बंद होने के बाद रुपये ने दिन की शुरुआत 95.70 के स्तर पर की, जिससे डॉलर के मुकाबले इसकी स्थिति में थोड़ा सुधार आया। यह सुधार बाजार में हल्की सकारात्मकता का संकेत देता है। हालांकि, शुरुआती कारोबार के दौरान रुपया थोड़ा कमजोर होकर फिर से 95.71 पर कारोबार करता देखा गया, जो बाजार की अस्थिरता को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बाजारों में डॉलर की स्थिति और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव रुपये के प्रदर्शन को प्रभावित करते रहेंगे।

केरल पर गंभीर वित्तीय संकट, कर्ज 5 लाख करोड़ पार

तिरुवनंतपुरम ।

केरल सरकार ने गुरुवार को विधानसभा में एक गंभीर वित्तीय स्थिति रिपोर्ट (श्वेत पत्र) पेश की, जिसमें राज्य पर 5.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कुल कर्ज और लगभग 49,000 करोड़ रुपये के लंबित भुगतान उजागर हुए हैं। पूर्व कैबिनेट सचिव के. एम. चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा तैयार यह रिपोर्ट बताती है कि बढ़ते कर्ज और देनदारियों के कारण विकास व बुनियादी ढांचे में निवेश की क्षमता सीमित हो गई है।

वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान कुल राजस्व प्राप्तियों का 77 फीसदी हिस्सा खर्च कर देते हैं, जबकि पूंजीगत व्यय सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का मात्र 1.3 फीसदी है, जो देश में सबसे कम है। रिपोर्ट ने केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के लगभग 21,000 करोड़ रुपये के ऋण पर भी चिंता जताई है, जिसे अंततः राज्य सरकार को ही चुकाना होगा। यह गंभीर वित्तीय चुनौती राज्य के लिए विकास परियोजनाओं को बाधित कर रही है और दैनिक नकदी जरूरतों के लिए आरबीआई की आपात उधारी पर निर्भरता बढ़ा रही है।

भारतीय ब्रांड करेंगे अमेरिकी बाजार पर राज- ओयो

ओयो ने मोटेल 6 अधिग्रहण कर अमेरिकी होटल क्षेत्र में बनाई पैठ

न्यूयॉर्क ।

ऑनलाइन हॉस्पिटैलिटी मंच ओयो की मूल कंपनी प्रिज़्म के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा है कि भारतीय कंपनियां जल्द ही अमेरिका में बड़े ब्रांडों की मालिक बनेंगी, जिससे भारत की सॉफ्ट पावर बॉलीवुड और आईटी सेवाओं से आगे बढ़कर सीधे अमेरिकी उपभोक्ताओं तक पहुंचेगी। न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित एक चर्चा में उन्होंने यह भी बताया कि ओयो अमेरिका में तेजी से विस्तार कर रहा है। उन्होंने जोर दिया कि इसका मतलब है कि अमेरिकी उपभोक्ता पहली बार भारतीय ब्रांडों का उपयोग करेंगे। उन्होंने अपनी कंपनी का उदाहरण देते हुए कहा कि ओयो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बढ़ा है और अब अमेरिका में उसकी सबसे अधिक बिक्री होती है। 2024 में, ओयो ने 52.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर में जी6 हॉस्पिटैलिटी का अधिग्रहण पूरा किया, जो उत्तरी अमेरिका की सबसे बड़ी स्वामित्व एवं संचालित होटल श्रृंखला, मोटेल 6 की मूल कंपनी है। इससे ओयो अमेरिका में सबसे बड़ा इकोनॉमी होटल ब्रांड मालिक बन गया है। उन्होंने भविष्य में अमेरिकी उपभोक्ता-आधारित व्यवसायों में भारतीय कंपनियों द्वारा बड़े निवेश की संभावना जताई। कंपनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्टार्टअप प्रधानमंत्री कहते हुए देश में स्टार्टअप परिवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत ने नए स्टार्टअप के लिए करीब दो अरब डॉलर की पूंजी उपलब्ध कराई है। इस चर्चा के दौरान यह भी खबरें आईं कि प्रिज़्म को 6,650 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने की मंजूरी मिल गई है।

विमानन क्षेत्र को राहत- 10,000 करोड़ का एटीएफ मूल्य स्थिरीकरण कोष मंजूर

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच बढ़ती कीमतों से निपटने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और विमान ईंधन (एटीएफ) की बढ़ती लागत से जूझ रही भारतीय विमानन कंपनियों को बड़ी राहत प्रदान की है। सरकार ने एटीएफ मूल्य स्थिरीकरण कोष के रूप में 10,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसका उद्देश्य विमानन क्षेत्र को ईंधन की कीमतों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव से बचाना है। यह सहायता पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) को ब्याज-मुक्त कर्ज के रूप में प्रदान की जाएगी। ओएमसी इस राशि का उपयोग घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करने वाली भारतीय विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ की कीमतों को स्थिर रखने में करेंगी। सरकार का मानना है कि यह तंत्र विमानन कंपनियों को ईंधन मूल्य निर्धारण में अधिक स्थिरता और पूर्वानुमान प्रदान करेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने पर तेल कंपनियों को हुए नुकसान की भरपाई करेगा। यह योजना सभी इच्छुक अनुसूचित भारतीय विमानन कंपनियों के लिए उपलब्ध होगी, जो ओएमसी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करेंगी और 3 साल तक (या जब तक सहायता राशि पूरी तरह वसूल न हो जाए) उनसे एटीएफ खरीदना जारी रखेंगी। इस कोष में एक वसूली तंत्र भी शामिल है। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में एटीएफ की कीमतें निर्धारित बेंचमार्क से कम होंगी, तो

अतिरिक्त राशि तेल कंपनियों से वापस लेकर भारत के संचित निधि में जमा कर दी जाएगी, जब तक कि पूरी सहायता राशि वसूल न हो जाए।

राजेश एक्सपोर्ट्स पर राजस्व में हेराफेरी का आरोप

मुंबई ।

सोने की रिफाइनिंग और जूलरी कारोबार से जुड़ी राजेश एक्सपोर्ट्स कंपनी के शेयर में गुरुवार को 5 फीसदी का लोअर सर्किट लगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनी और उसके प्रमोटर राजेश मेहता के खिलाफ बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं और राजस्व को 97-99 फीसदी तक बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के आरोप में अंतरिम आदेश जारी किया है। सेबी ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि जांच और फोरेंसिक ऑडिट के दौरान कंपनी में वित्तीय अनियमितताओं के कई संकेत मिले हैं।

नियामक के अनुसार कंपनी ने अपने राजस्व को 97 से 99 प्रतिशत तक बढ़ा-चढ़ाकर दर्शाया, जिसे सेबी ने अत्यंत गंभीर और अभूतपूर्व मामला बताया है। कंपनी पर जांच में सहयोग न करने का भी आरोप है।

मार्च 2024 में बड़े ट्रेड रिसीवेबल्स को लेकर मिली शिकायत के बाद सेबी ने अप्रैल 2020 से मार्च 2024 तक की विस्तृत जांच शुरू की थी और बीडीओ इंडिया सर्विसेज को फोरेंसिक ऑडिटर नियुक्त किया था। इस खबर के बाद बीएसई पर राजेश एक्सपोर्ट्स का शेयर पिछले कारोबारी सत्र के 110.15 रुपए से गिरकर गुरुवार को 104.65 रुपए पर खुला।

खाद्य तेल पैक आकार का होगा मानकीकरण, उपभोक्ताओं को मिलेगी स्पष्टता

उद्योग ने किया स्वागत, पारदर्शिता, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और पर्यावरण को होगा लाभ

नई दिल्ली ।

सरकार जल्द ही खाद्य तेल के पैक आकार को मानकीकृत करने के लिए नए नियम पेश करने वाली है। इस कदम से उपभोक्ताओं को विभिन्न ब्रांडों की कीमतों की तुलना करने में आसानी होगी और खाद्य तेल बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी। वर्तमान में प्रचलित 850 मिलीलीटर, 900 मिलीलीटर जैसे गैर-मानक पैक आकार उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं और प्रति लीटर वास्तविक लागत का आकलन करना मुश्किल बनाते हैं। केंद्र सरकार खाद्य तेल के पैक आकारों के मानकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव लाने की तैयारी में है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बाजार में बढ़ती गैर-मानक पैक आकारों की प्रवृत्ति (जैसे 850, 875, 900, 950 मिलीलीटर) से निपटना है, जिसके कारण उपभोक्ताओं के लिए अलग-अलग ब्रांड की कीमतों की तुलना करना और प्रति लीटर वास्तविक लागत समझना मुश्किल हो जाता है। उद्योग जगत ने सरकार के इस प्रस्तावित कदम का जोरदार स्वागत किया है। उनका मानना है कि यह उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में पारदर्शिता बढ़ाएगा और विनिर्माताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा का माहौल तैयार करेगा। पुरी ऑयल मिल्स लिमिटेड के एक अे धिकारी ने कहा` कि मानकीकृत पैक आकार उपभोक्ताओं को सही निर्णय लेने में मदद करेंगे और प्रतिस्पर्धा को गुणवत्ता, शुद्धता एवं मूल्य के आधार पर सुनिश्चित करेंगे, न कि पैकेजिंग के तरीकों पर। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार इस मानकीकरण से न केवल उपभोक्ता विश्वास मजबूत होगा, बल्कि इसके पर्यावरणीय लाभ भी होंगे।

वेदांता ने पांच वर्षों में 25 लाख टन कार्बन उत्सर्जन किया कम

नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी और सघन वनीकरण से हासिल की उपलब्धि

नई दिल्ली ।

वेदांता समूह के लौह अयस्क खनन और इस्पात कारोबार ने पिछले पांच वर्षों में अपनी स्थिरता पहलों के माध्यम से लगभग 25 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी या अवशोषण कर पर्यावरण संरक्षण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह कदम भारी उद्योगों के डीकार्बोनाइजेशन प्रयासों और राष्ट्रीय व वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप है। कंपनी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर कम-कार्बन भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। वेदांता के प्रयासों में स्वच्छ प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रमुख है, जहां विद्युत चालित यात्री वाहन, लोडर और फोर्कलिफ्ट के इस्तेमाल से प्रति वर्ष लगभग 800 किलोलीटर डीजल की बचत हुई। सतत परिवहन व्यवस्था के तहत जलमार्ग पोत संचालन ने 2.1 लाख ट्रक यात्राओं को कम करके 1.08 करोड़ लीटर डीजल और लगभग 28,900 टन कार्बन डाइऑक्साइड की बचत की। ऊर्जा दक्षता में अपशिष्ट ऊष्मा पुनर्प्राप्ति के माध्यम से 100 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता विकसित की गई, जिससे 2.4 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन से बचाव हुआ। पर्यावरण पुनर्स्थापन के तहत, गोवा की पुनर्वास खदान सहित अन्य स्थानों पर कुल 11 लाख से अधिक पेड़ लगाए गए हैं, जो हर साल हजारों टन सीओ2 अवशोषित करते हैं। बोकारो इस्पात संयंत्र में एलपीजी के स्थान पर प्राकृतिक गैस का उपयोग सालाना लगभग 1,500 टन सीओ2 उत्सर्जन को कम करेगा।

कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि टिकाऊ भविष्य के लिए उद्योगों को ऊर्जा उपयोग, परिवहन और पर्यावरण के साथ अपने संबंधों पर नए सिरे से विचार करना होगा।

एसबीआई कार्ड का फैसला, फोनपे क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड पॉइंट्स में होगी कटौती

1 जुलाई से बदलेंगे नियम, पर्पल और सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों पर होगा असर

नई दिल्ली ।

एसबीआई कार्ड ने अपने फोनपे एसबीआई क्रे डिट पर्पल और सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों के लिए रिवॉर्ड पॉइंट्स सिस्टम में अहम बदलावों की घोषणा की है। ये नए नियम 1 जुलाई 2026 से लागू होंगे, जिसके तहत ग्राहकों को विभिन्न खर्चों पर मिलने वाले रिवॉर्ड पॉइंट्स में कटौती या कुछ कैटेगरी में पूरी तरह से समाप्ति का सामना करना पड़ेगा। इन बदलावों का सीधा असर उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो क्रेडिट कार्ड से बिल पेमेंट, इंश्योरेंस, ऑनलाइन शॉपिंग और अन्य खर्चों पर रिवॉर्ड पॉइंट्स कमाते हैं। पर्पल कार्डधारकों के लिए फोनपे खर्चों पर मासिक रिवॉर्ड पॉइंट्स की सीमा घटाई गई है। अब बीमा संबंधी खर्चों पर अधिकतम 250 पॉइंट्स और अन्य फोनपे खर्चों पर 750 पॉइंट्स ही मिलेंगे। इसके अलावा, ऑनलाइन शॉपिंग पर मिलने वाले कुल पॉइंट्स को भी 1,000 से घटाकर 750 कर दिया गया है। इसी तरह सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों के लिए भी नियम बदले हैं। फोनपे खर्चों पर पहले जहां 2,000 पॉइंट्स मिलते थे, अब बीमा पर 500 और अन्य फोनपे ट्रांजैक्शन्स पर 1,500 पॉइंट्स की सीमा तय की गई है।

ऑनलाइन खर्चों पर मिलने वाले पॉइंट्स को भी 2,000 से घटाकर 1,000 कर दिया गया है। एसबीआई कार्ड ने कुछ कैटेगरी को रिवॉर्ड सिस्टम से बाहर कर दिया है, जिनमें टोल/ब्रिज पेमेंट, गिफ्ट, ज्वेलरी और शैक्षणिक भुगतान शामिल हैं। फोनपे ऐप के बाहर किए गए यूटिलिटी बिल, इंश्योरेंस प्रीमियम और यूपीआई ट्रांजैक्शन्स पर भी अब कोई रिवॉर्ड नहीं मिलेगा। हालांकि एसबीआई ने स्पष्ट किया है कि अन्य कार्ड सुविधाएं पहले जैसी ही रहेंगी। कार्डधारकों को सलाह दी गई है कि वे 1 जुलाई 2026 से पहले इन नए नियमों को समझकर अपने खर्चों की योजना बनाएं ताकि उन्हें किसी अप्रत्याशित नुकसान का सामना न करना पड़े।

वैश्विक दबाव से महंगी हुई दवाएं, मरीजों पर बढ़ा बोझ

नए स्टॉक 8 से 17 फीसदी तक महंगे

मुंबई ।

वैश्विक महंगाई और बाधित सप्लाई चेन का असर अब आम आदमी की सेहत पर भी दिखने लगा है। कच्चे माल, पैकेजिंग व समुद्री परिवहन लागत में उछाल से दवा कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ी है। इसका सीधा असर नए दवा स्टॉक पर पड़ा है, जहां कई आवश्यक दवाओं की कीमतें 8 से 17 फीसदी तक बढ़ गई हैं, जिससे मरीजों के मासिक खर्च में बढ़ोतरी की आशंका है। विशेषज्ञों के अनुसार, पैरासिटामोल, पेनिसिलिन, सेफालोस्पोरिन जैसी दवाओं के निर्माण में प्रयुक्त एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट और पेट्रोकेमिकल आधारित कच्चे माल की कीमतों में पिछले कुछ महीनों में 40 से 60 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही, दवाओं की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक और एल्युमीनियम भी महंगे हुए हैं। इस वृद्धि का असर पुराने स्टॉक पर सीमित है, लेकिन नए बैच की दवाएं अब अधिक कीमत पर मिल

रही हैं, खासकर एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक। फार्मा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल और परिवहन लागत में जल्द राहत नहीं मिली, तो भविष्य में कई और दवाओं की कीमतें बढ़ेंगी। इससे आम लोगों की स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च बढ़ेगा और मरीजों की जेब पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।

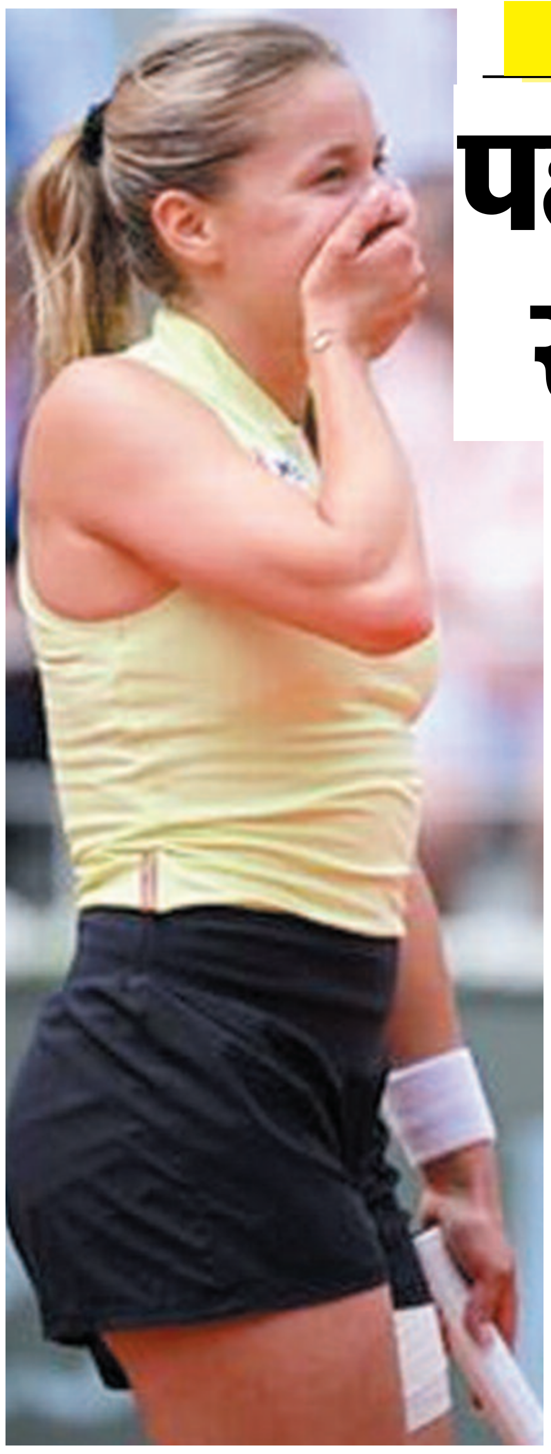

फ्रेंच ओपन: अन्ना कालिंस्काया को हराकर

पहली बार माजा च्वालिन्स्का ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

पेरिस। पोलैंड की टेनिस स्टार माजा च्वालिन्स्का ने फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। कोर्ट फिलिप-चैटियर में नंबर 22 सीड एअन्ना कालिंस्काया को 7-6(3), 6-3 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई। 24 साल की माजा पहली बार फाइनल में जगह बनाने के लिए वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका और नंबर 25 सीड डायना श्नाइडर के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल की विनर से होगा। कड़ी रैलियों और अहम मोमेंटम स्विंग वाले मुकाबले में, च्वालिंस्का ने अहम मौकों पर शानदार संयम दिखाया और अन्ना कालिंस्काया को हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की।

पोलिश खिलाड़ी ने रिटर्न पर अपने मौकों का पूरा फायदा उठाया, आठ में से सात ब्रेक-पॉइंट चांस को शानदार तरीके से बदला, जबकि अन्ना कालिंस्काया ने 11 मौकों में से सिर्फ पांच को बदला। अन्ना कालिंस्काया ने मैच के सिर्फ दो एस मारे, लेकिन छह डबल फॉल्ट की वजह से उन्हें मुश्किल हुई, जिससे च्वालिंस्का पूरे मैच के दौरान स्ट्राइकिंग डिस्टेंस के अंदर रहीं।

पहला गेम हारकर मैच की शुरुआत करने वाली च्वालिंस्का ने लगातार ब्रेक हासिल करके 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, कालिंस्काया ने लगातार चार गेम जीतकर वापसी की। सेट आखिरकार टाई-ब्रेक तक गया, जो काफी आसान था।

पहले सेट में काफी कड़ा मुकाबला होने के बाद, च्वालिंस्का अगले सेट में पूरी तरह हावी रहीं और वापसी का थोड़ा मौका गंवा दिया, क्योंकि उन्होंने लगातार दूसरा सेट 6-3 से जीतकर अगले राउंड में जगह बना ली।

श्नाइडर ने सबालेंका को चौंकाया, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं

रूस की 22 वर्षीय डायना श्नाइडर ने फ्रेंच ओपन के विमेंस सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में 'वर्ल्ड नंबर 1' अर्यना सबालेंका को चौंका दिया। श्नाइडर ने एक सेट और दो ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद आखिरी 10 गेम जीते और 2 घंटे 12 मिनट तक चले इस मैच में 3-6, 7-5, 6-0 से जीत दर्ज करते हुए पेरिस के स्टेड रोलैंड गैरोस में अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बना ली। 25वीं सीड श्नाइडर ने जबरदस्त वापसी करते हुए सबालेंका को इस जीत के साथ ही उन्होंने नंबर 1 सीड सबालेंका के लगातार 6 बड़े सेमीफाइनल में पहुंचने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। 22 वर्षीय श्नाइडर एक समय पूरी तरह से हारी हुई लग रही थीं, क्योंकि सबालेंका ने एक बड़ी बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली थी। लेकिन इस रूसी युवा खिलाड़ी ने यह साबित कर दिया कि जब तक मैच खत्म नहीं हो जाता, तब तक हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने एक शानदार वापसी की। दूसरे सेट में जब स्कोर 5-4 था और सबालेंका मैच जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब वह जीत से सिर्फ दो प्वाइंट्स दूर थीं। ठीक उसी समय, बाएं हाथ से खेलने वाली श्नाइडर ने मैच का रुख पलटना शुरू कर दिया।

अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में खेल रहीं श्नाइडर पहली बार वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी का सामना कर रही थीं। जब कोर्ट फिलिप-चैट्रियर में तेज हवाएं चल रही थीं, तब भी उन्होंने हालात पर पूरी तरह से काबू पाया और इस बड़े मौके का शानदार फायदा उठाते हुए अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई।

6-3, 4-1 से पिछड़ने के बावजूद श्नाइडर ने अपने बाएं हाथ के फोरहैंड से लगातार विनर्स लगाते हुए अगले 13 में से 12 गेम जीत लिए। इसमें 5-3 के स्कोर के बाद लगातार जीते गए आखिरी 10 गेम भी शामिल हैं। इसके उलट, सबालेंका का अपने खेल पर से कंट्रोल हट गया और उन्होंने 57 अनफोर्स्ड एरर कर दिए, जिनमें से 17 तो सिर्फ निर्णायक सेट में हुए। ऐसा पहली बार था, जब उन्होंने 2024 दुबई के दूसरे राउंड में डोना वेकिच के खिलाफ तीसरे सेट के बाद से कोई सेट 6-0 से हारा था।

फुटबॉल वर्ल्ड कप हो जाएगा और रोमांचक

- फीफा ने लिया बड़ा फैसला, हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए दिया जाएगा ब्रेक

नई दिल्ली। फुटबॉल का खेल 90 मिनट का होता है और इसमें 45-45 मिनट को दो पीरियड होते हैं जिनके बीच 15 मिनट का ब्रेक होता है, लेकिन 2026 के फीफा वर्ल्ड कप में ये नियम बदल जाएगा। यही नहीं पहली बार हर मैच में हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए ब्रेक दिया जाएगा। ये ब्रेक पहले हाफ के 22वें मिनट में और दूसरे हाफ के 67वें मिनट में होंगे और मौसम कैसा भी हो ये ब्रेक जरूरी होंगे।

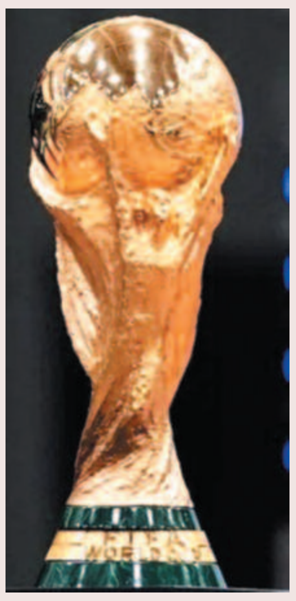

इस बार फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा और यहां पर गर्मी होगी। गर्मी में होने वाले इस टूर्नामेंट को देखते हुए फीफा के लिए गर्मी से बचाव और खिलाड़ियों की सेहत का ध्यान रखना सबसे बड़ी चिंता बन गई है। ऐसे में फीफा ने एक जैसा नियम अपनाने का फैसला किया है जिसे हर मैच में लागू किया जाएगा। इन ब्रेक की वजह से इस गर्मी में फुटबॉल काफी हद तक हॉकी, बास्केटबॉलर और अमेरिकन फुटबॉल जैसा लगेगा।

खेल को व्यवस्थित करने के लिए उठाया कदम

फीफा द्वारा किए गए इस बदलाव के बाद से फुटबॉल असल में चार-क्वार्टर वाला खेल बन गया है। 45 मिनट तक बिना रुके खेलने के बजाय अब टीमों को हर हाफ के बीच में थोड़ा ब्रेक मिलेगा। हॉकी खिलाड़ी इस कॉन्सेप्ट से पहले से ही परिचित हैं। कोच क्वार्टर ब्रेक का इस्तेमाल प्रेसिंग पैटर्न बदलने, डिफेंसिव स्ट्रक्चर को फिर से व्यवस्थित करने और खेल की गति में आने वाले उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए करते हैं।

वैभव को मौका श्रेयस कप्तान

आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए इन खिलाड़ियों को भारतीय टी20 टीम में मिल सकती है जगह

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम आयरलैंड, इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली है। टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ जून में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी जबकि इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में 5 मैचों की सीरीज खेलेगी। अब शनिवार को अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति मुंबई में बैठक करेगी और आयरलैंड व इंग्लैंड दौरे साथ ही सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जा सकता है जबकि तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान हो सकते हैं। चुकी सूर्यकुमार यादव की अब टी20 टीम से भी छुट्टी हो चुकी है ऐसे में टीम में मध्यक्रम में एक जगह खाली हो जाएगी जिससे श्रेयस अय्यर का रास्ता साफ हो जाएगा।

भारत की संभावित टी20 टीम

संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी/हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज/जसप्रीत बुमराह।

प्रिंस यादव को टीम में मिल सकती है जगह- उम्मीद ये की जा रही है कि साल 2026 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाएगा। हर्षित राणा अब तक फिट नहीं हुए हैं ऐसे में वो टीम में नहीं होंगे वहीं प्रिंस यादव को टीम में जगह दी सकती है।

विश्व विजेता कप्तान का ऐसा अंजाम

सूर्यकुमार यादव की T-20 से छुट्टी क्यों?

रोहित-कोहली-धोनी से बेहतर कप्तानी रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने मार्च 2026 में अपनी कप्तानी में भारत को टी20 विश्व कप जिताया। मगर लगातार उनका खराब बल्लेबाजी फॉर्म चर्चा का विषय बना रहा है। अब खबर आ गई है कि सूर्या की टी20 टीम से बतौर कप्तान और बतौर बल्लेबाज छुट्टी तय है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि सूर्या के टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से अच्छे कप्तानी रिकॉर्ड होने के बावजूद, उनकी किस्मत ने इस तरह पल्टी मार ली। अब उनके करियर पर भी खतरा मंडराने लगा है।

कप्तानी में हिट बल्लेबाजी में फ्लॉप

दरअसल इसका सबसे बड़ा कारण रहा सूर्यकुमार यादव का व्यक्तिगत बल्लेबाजी फॉर्म। सूर्या का ग्राफ लगातार पिछले कुछ सालों में गिरा है। उन्होंने साल 2021 में टी20 फॉर्मेट से ही इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पांच साल में इस खिलाड़ी ने वे सब कमा लिया जो एक क्रिकेटर जिंदगी भर कमाने के लिए तरसता है। उनका वनडे, टेस्ट डेब्यू भी हुआ। टी20 में कप्तान बने और फिर वर्ल्ड कप भी अपनी कप्तानी में जीता। मगर कप्तानी में हिट सूर्या, लगातार पिछले कुछ समय से बल्लेबाजी में फ्लॉप नजर आए। ऐसे में आगामी एशियाई खेल, 2028 ओलंपिक, 2028 टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए मैनेजमेंट ने भविष्य पर विचार किया है। वह फिट हैं जरूर लेकिन उनकी 35 साल की उम्र भी इसका सबसे बड़ा कारण रही।

सबसे कम हार का प्रतिशत है सूर्या का

सूर्यकुमार यादव ने 2024 से 2026 टी20 विश्व कप तक कुल 52 टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की कमान संभाली। उनकी कप्तानी में भारत ने 40 मुकाबले जीते और सिर्फ 8 गंवाए। जिसमें से दो टाई और दो बेनतीजा रहे। उनका सक्सेस रेट 76.92 प्रतिशत रहा, जो रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से भी ज्यादा है। सूर्या का रिकॉर्ड रोहित से भी अच्छा इसलिए रहा क्योंकि जिन कप्तानों ने कम से कम 50 मैचों में भारत की टी20 कप्तानी की है, उनमें सबसे कम हार का प्रतिशत सूर्या का है।

खिलाड़ी	अवधि	मैच	जीते	हारे	टाई	बेनतीजा	जीत %	हार %
वीरेंद्र सहवाग	2006-2006	1	1	0	0	0	100.00	0.00
महेंद्र सिंह धोनी	2007-2016	72	41	28	1	2	56.94	38.88
सुरेश रैना	2010-2011	3	3	0	0	0	100.00	0.00
अजिंक्य रहाणे	2015-2015	2	1	1	0	0	50.00	50.00
विराट कोहली	2017-2021	50	30	16	2	2	60.00	32.00
रोहित शर्मा	2017-2024	62	49	12	1	0	79.03	19.35
शिखर धवन	2021-2021	3	1	2	0	0	33.33	66.66
ऋषभ पंत	2022-2022	5	2	2	0	1	40.00	40.00
हार्दिक पंड्या	2022-2023	16	10	5	1	0	62.50	31.25
केएल राहुल	2022-2022	1	1	0	0	0	100.00	0.00
जसप्रीत बुमराह	2023-2023	2	2	0	0	0	100.00	0.00
ऋतुराज गायकवाड़	2023-2023	3	2	0	0	1	66.66	0.00
सूर्यकुमार यादव	2023-2026	52	40	8	2	2	76.92	15.38
शुभमन गिल	2024-2024	5	4	1	0	0	80.00	20.00

सूर्यकुमार का 2021 से 2026 तक हर साल T20 में प्रदर्शन

वर्ष	मैच	पारी	नाबाद	रन	सर्वोच्च स्कोर	औसत	गेंदें	स्ट्राइक रेट	शतक	अर्धशतक	शून्य	चौके	छक्के
2021	11	9	2	244	62	34.85	157	155.41	0	3	1	25	12
2022	31	31	6	1164	117	46.56	621	187.43	2	9	2	106	68
2023	18	17	2	733	112*	48.86	470	155.95	2	5	0	61	43
2024	18	17	1	429	75	26.81	283	151.59	0	4	0	41	22
2025	21	19	3	218	47*	13.62	177	123.16	0	0	3	18	10
2026	14	14	3	484	84*	44.00	300	161.33	0	4	1	46	24

हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से कोहली बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेंगे 3 मैचों की वनडे सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बैटर विराट कोहली हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से वनडे टीम से बाहर हो गए हैं। यानी अब वो अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है जिसकी शुरुआत 6 जून से होगी और इसके बाद दोनों देशों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा। इस वनडे सीरीज की शुरुआत 13 जून से होगी और सीरीज का आखिरी मुकाबला 20 जून को खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 17 जून को होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे।

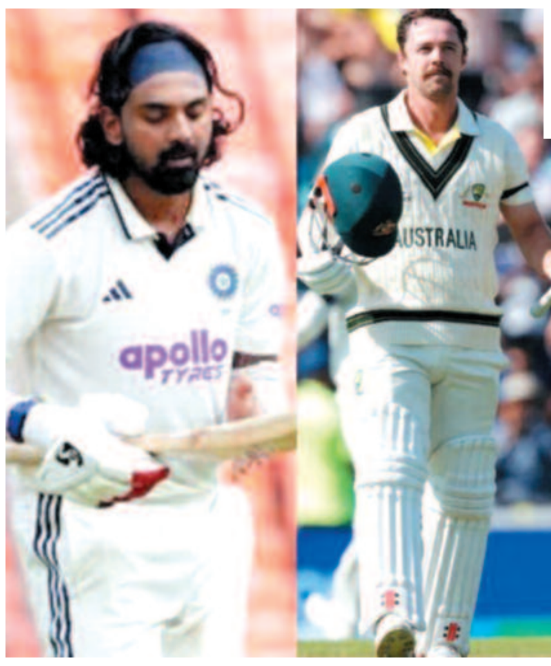

राहुल-हेड ओपनर

गिल समेत 4 भारतीय शामिल

संजय बांगड़ ने चुनी टेस्ट के लिए वर्ल्ड प्लेइंग 11

नई दिल्ली। आईपीएल का रोमांच अब खत्म हो चुका है। 6 जून से भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। अब दुनिया में टेस्ट क्रिकेट का रोमांच शुरू होने वाला है। उससे पहले भारत के पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ ने टेस्ट के लिए वर्ल्ड 11 का चुनाव किया है। उन्होंने अपनी टीम में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल समेत चार भारत के खिलाड़ियों को चुना है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा खिलाड़ी- भारत और ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा 4-4 खिलाड़ियों को संजय बांगड़ ने अपनी वर्ल्ड टेस्ट 11 में जगह दी है। केएल राहुल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह के रूप में चार भारतीय इस टीम का हिस्सा बने हैं। जबकि कंगारू टीम के चार खिलाड़ी, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, पैट कमिंस (कप्तान) और मिचेल स्टार्क इस टीम में शामिल हैं। इंग्लैंड के दो खिलाड़ी बेन स्टोक्स और जो रूट भी इस टीम का हिस्सा हैं।

टेस्ट के लिए बांगड़ की वर्ल्ड प्लेइंग 11

केएल राहुल, ट्रेविस हेड, जो रूट, शुभमन गिल, स्टीव स्मिथ, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), बेन स्टोक्स, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, केशव महाराज।

वैभव होंगे एक्शन में, तिलक की कप्तानी में जीतने उतरेगी इंडिया 'ए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से तूफान मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब 9 जून से फिर से एक्शन में नजर आने वाले हैं। वैभव का जादू भारतीय क्रिकेट फैंस के सिर पर इस कदर चढ़कर बोल रहा है वो उनके किसी भी मैच को मिस नहीं करना चाहते। वैभव देश में खेलें या फिर विदेश में हर कोई उनकी बल्लेबाजी को किसी भी कीमत पर देखना चाहता है। वैभव के इस क्रेज को देखते हुए अब इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर होने वाले मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

सोनी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा ट्राई सीरीज के मैचों का प्रसारण- वैभव सूर्यवंशी का क्रेज अब इंटरनेशनल लेवल पर भी फैल रहा है और ऐसा लग रहा है कि इसकी वजह से ब्रॉडकास्टर अपनी स्ट्रैटेजी पर दोबारा सोचने पर मजबूर हो रहे हैं। इंडिया ए टीम में उनके शामिल होने से लोगों में काफी दिलचस्पी जागी है और इसी को देखते हुए अधिकारियों ने फैसला किया है कि श्रीलंका में होने वाली अगली ट्राई-सीरीज का टीवी पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

काकुरो पहेली - 3908

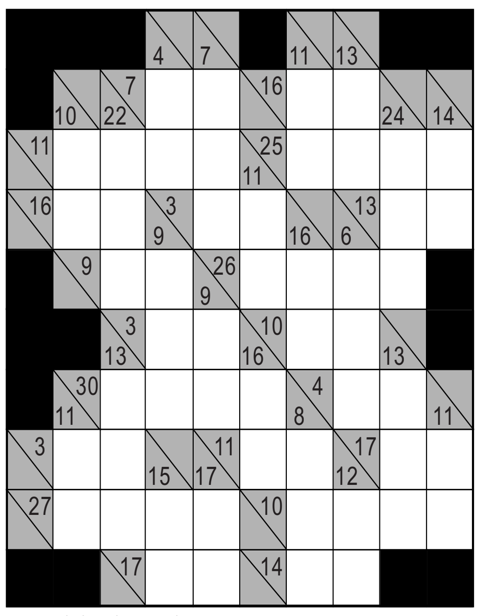

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3907 का हल

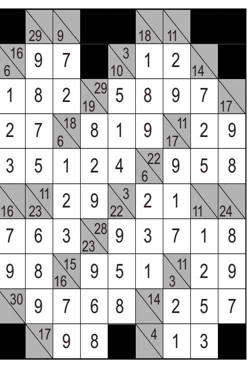

हंसी के फूव्वारें

एक बार एक सेठ बीमार पड़ गया. उसकी हालत मरने की-सी हो गई. पूरा परिवार उसके चारों ओर एकत्र था. सेठ ने अपनी पत्नी को बुलाकर पूछा- 'बड़ा लड़का कहां है ?'
'यहीं है !'
'मंझला ?'
'यहीं है.'
'और छोटा ?'
'यहीं है.'
'तो फिर क्या दुकान बन्द पड़ी है ?' सेठ ने चारपाई से उठते हुए पूछा.

एक जहाज का कप्तान डेक से फिसल कर समुद्र में गिर गया. एक नाविक ने अपनी जान हथेली पर रखकर उसे बचा लिया.
'मैं तुम्हें क्या इनाम दूं !' कप्तान ने पूछा.
'श्रीमान !' नाविक हाथ जोड़ते हुए बोला- 'सबसे अच्छा इनाम तो यह होगा कि आप इस घटना का जिक्र किसी से न करें. वरना बाकी नाविक मुझे उठाकर समुद्र में फेंक देंगे.'

जज, कैदी से- 'तुम्हें कल फांसी दी जाएगी, तुम्हारी कोई आखिरी इच्छा है?'
कैदी- 'जी हाँ.'
जज- 'क्या?'
कैदी- 'जी मेरी जगह आप फांसी पर लटक जाइये!'

फिल्म वर्ग पहेली- 3908

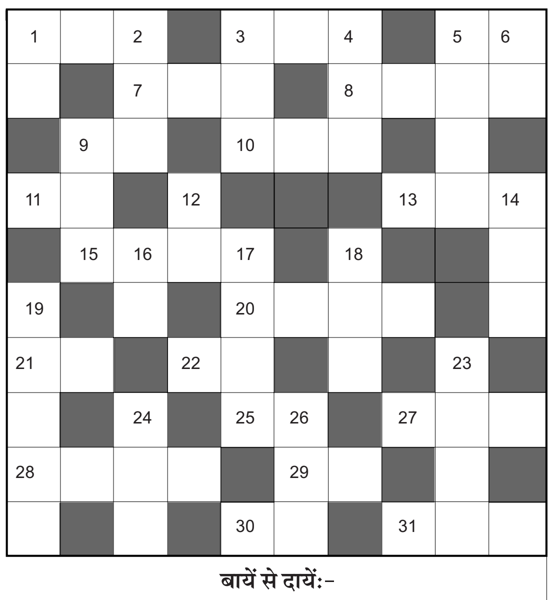

बायें से दायें:-

१. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टुट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'वो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक ?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह की 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. करण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरूख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. रितिक, करीना की 'ए री रे एरी क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'तेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरूख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अमिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3907

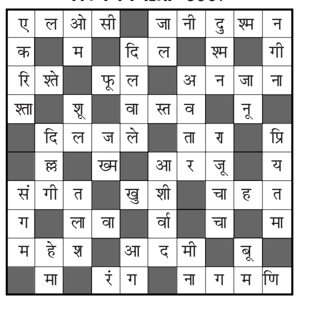

सूडोकु -3908

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3907 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 3908

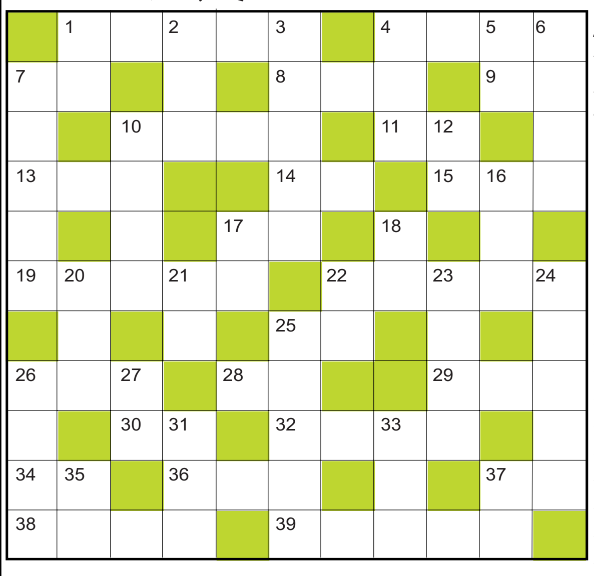

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्टीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली -3907 का हल

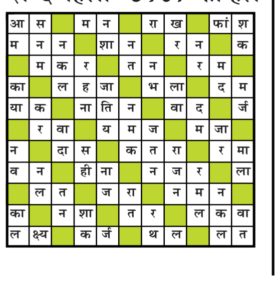

विदेश में मास्टर करने के लिए छात्र कैसे प्राप्त करें ऋण, ये रहे खास सुझाव

ऑस्ट्रेलिया में मास्टर डिग्री के लिए छात्र ऋण प्राप्त करना आपकी शिक्षा को वित्त पोषित करने में मदद कर सकता है। हमने प्रोडिजी फाइनेंस को इस विषय पर कुछ सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया, क्योंकि उन्होंने हाल ही में अपने परिचालन का विस्तार किया है और अब ऑस्ट्रेलिया में शिक्षा ऋण प्रदान करते हैं। ऑस्ट्रेलिया में मास्टर करने के लिए छात्र कैसे ऋण प्राप्त करें, इसके लिए कुछ सुझाव और सलाह दी गई है-

अनुसंधान ऋण विकल्पः ऑस्ट्रेलिया में मास्टर डिग्री हासिल करने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए उपलब्ध ऋण विकल्पों पर शोध करके शुरूआत करें। निजी ऋणदाताओं और सरकार समर्थित ऋण विकल्पों दोनों का अन्वेषण करें। ऑस्ट्रेलिया में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए कुछ सामान्य ऋण विकल्पों में ऑस्ट्रेलिया पुरस्कार, एंडेवर छात्रवृत्ति और निजी वित्तीय संस्थानों से ऋण शामिल हैं।

ऋण आवश्यकताओं को समझेंः प्रत्येक ऋण विकल्प के लिए पात्रता मानदंड, ब्याज दरें, पुनर्भुगतान की शर्तें और ऋण सीमा की समीक्षा करें। क्रेडिट इतिहास, संपार्श्विक आवश्यकताओं, सहहस्ताक्षरकर्ता आवश्यकताओं और आवश्यक अतिरिक्त दस्तावेजीकरण जैसे कारकों पर ध्यान दें। प्रत्येक ऋण कार्यक्रम की विशिष्ट आवश्यकताओं को समझें और निर्धारित करें कि क्या आप मानदंडों को पूरा करते हैं।

विश्वविद्यालयों और वित्तीय सहायता कार्यालयों से संपर्क करेंः ऑस्ट्रेलिया में उन विश्वविद्यालयों में वित्तीय सहायता कार्यालयों या अंतर्राष्ट्रीय छात्र सेवाओं तक पहुंचें जहां आप अपने मास्टर प्रोग्राम को आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। अनुशंसित ऋण प्रदाताओं और किसी भी ऋण कार्यक्रम के बारे में पूछताछ करें जो वे सीधे अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को प्रदान करते हैं। वे उपलब्ध ऋण विकल्पों पर मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं और आवेदन प्रक्रिया में सहायता कर सकते हैं।

दस्तावेज तैयार करेंः ऋण आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज इकट्ठा करें। इसमें विश्वविद्यालय में प्रवेश का प्रमाण, शैक्षणिक प्रतिलेख, वित्तीय क्षमता का प्रमाण, पहचान दस्तावेज और ऋण प्रदाता द्वारा आवश्यक कोई अन्य सहायक दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। सुनिश्चित करें कि सभी दस्तावेज सटीक हों, यदि आवश्यक हो तो अंग्रेजी में अनुवादित हों और आवश्यक प्रारूप में हों।

ऋण विकल्पों की तुलना करेंः ब्याज दरों, पुनर्भुगतान शर्तों, ऋण सीमा और प्रस्तावित किसी भी अतिरिक्त लाभ या सुविधाओं के आधार पर आपके लिए उपलब्ध ऋण विकल्पों का मूल्यांकन करें। किसी भी अग्रिम शुल्क या शुल्क सहित ऋण की कुल लागत पर विचार करें। आपकी वित्तीय आवश्यकताओं के अनुरूप सबसे उपयुक्त ऋण विकल्प खोजने के लिए विभिन्न उधारदाताओं की तुलना करें।

ऋण आवेदन जमा करेंः सभी आवश्यक जानकारी और दस्तावेज प्रदान करते हुए ऋण आवेदन पत्र सही-सही भरें। ऋणदाता द्वारा अनुरोध किए जाने पर अतिरिक्त दस्तावेज या जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार रहें। अपने आवेदन समय सीमा के भीतर जमा करें, यह सुनिश्चित करते हुए कि आप सभी आवेदन समय सीमा को पूरा करते हैं।

बजट और पुनर्भुगतान योजनाः एक बार जब आप छात्र ऋण सुरक्षित कर लेते हैं, तो अपने मास्टर प्रोग्राम के दौरान अपने खर्चों का प्रबंधन करने के लिए एक बजट बनाएं। अपनी ट्यूशन फीस, रहने की लागत, स्वास्थ्य बीमा और अन्य संबंधित खर्चों पर विचार करें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद अपने ऋण दायित्वों को पूरा कर सकें, एक पुनर्भुगतान योजना विकसित करें। ऋण पुनर्भुगतान की प्रभावी योजना बनाने के लिए संभावित रोजगार के अवसरों और अपेक्षित आय पर विचार करें।

पेशेवर मार्गदर्शन लेंः यदि आपको कोई चिंता है या सहायता की आवश्यकता है, तो शिक्षा ऋण सलाहकारों या वित्तीय सहायता कार्यालयों से मार्गदर्शन लेने पर विचार करें। वे आपकी विशिष्ट स्थिति के आधार पर वैयक्तिकृत सलाह प्रदान कर सकते हैं और ऋण आवेदन प्रक्रिया को नेविगेट करने में आपकी सहायता कर सकते हैं। किसी भी ऋण को स्वीकार करने से पहले हमेशा उसके नियमों और शर्तों को ध्यान से पढ़ें और समझें। ब्याज दरों, पुनर्भुगतान शेड्यूल और देर से या चूक गए भुगतान के लिए किसी भी दंड से सावधान रहें। जिम्मेदारीपूर्वक उधार लेना और ऑस्ट्रेलिया में अपने मास्टर प्रोग्राम के लिए आवश्यक ऋण राशि ही लेना महत्वपूर्ण है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY
DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)
DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)
CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.
CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words
Covering Area
Delhi NCR & Western U.P.
Special Page / Position Premium
Front Page (Semi) - 50%
Front Page (Solus) - 75%
Back Page - 25%
Page Three - 20%
Island Position - 50%
Right Hand Page - 10%
Top of AD Column - 15%
Any Other Spl. Position - 10%
Strip Advt. - 15%
Political Advt. - 50%
Pull Outs - 50%
Discount as per deal
Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.
Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

ऑडिशन के वक्त लाइन में लगने से नहीं शर्माती राधिका मदान

राधिका मदान इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'सूबेदार' में शानदार परफॉर्मेंस के लिए खूब तारीफें बटोर रही हैं। अब वह शकुन बत्रा की 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें वह अली फजल के साथ नजर आएंगी।

'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए दिया ऑडिशन

बातचीत में राधिका ने कहा, 'मैं शकुन बत्रा के काम की बहुत बड़ी फैन रही हूं। जब मुझे इस फिल्म के बारे में पता चला, तो मैंने 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए ऑडिशन देने की रिक्वेस्ट की। भगवान की कृपा से मुझे यह मौका मिल गया।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक औसत परफॉर्मेंस देने का रिस्क नहीं ले सकती। हर रोल के लिए बहुत लोग लाइन में खड़े होते हैं। अगर मैं अच्छा नहीं करूंगी, तो कोई मुझे दूसरा मौका नहीं देगा। मेरे लिए हर काम 'करो या मरो' जैसा होता है। अगर मुझे इस इंडस्ट्री में टिकना है, तो मुझे हर बार बेस्ट देना होगा।'

मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है

राधिका ने अपने स्ट्रगल के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं लाइन में खड़ी रही हूं, बहुत मेहनत की है। आज भी अगर कोई ऐसा प्रोजेक्ट होता है जहां लोग मुझे कास्ट करने के बारे में नहीं सोचते, तो मैं खुद ऑडिशन मांगती हूं और मुझे इसमें कोई झिझक नहीं होती। मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है।'

सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है जब मुझे ऑडिशन का मौका ही नहीं मिलता और सिर्फ मेरे सरनेम की वजह से मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है। अगर मैं ऑडिशन देकर रिजेक्ट होती हूं, तो मुझे सुकून मिलता है क्योंकि मुझे पता होता है कि मैंने अपना 100% दिया। अगर मुझे फिर से लाइन में लगना पड़े, तो भी मुझे कोई शर्म नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और अपने सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं।'

'डॉन 3' विवाद के बीच रणवीर ने फरहान को दिया साथ काम करने का ऑफर

रणवीर सिंह इन दिनों फरहान अख्तर के साथ अपने 'डॉन 3' से जुड़े विवाद को लेकर चर्चाओं में हैं। इस विवाद के चलते ही फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने रणवीर सिंह पर बैन लगा दिया है। लेकिन अब ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि रणवीर ने फरहान अख्तर से अपने संबंध सुधारने के लिए संपर्क किया है। यही नहीं उन्होंने फरहान के साथ काम करने की इच्छा भी जताई है।

रणवीर ने दिया साथ काम करने का प्रस्ताव

एक रिपोर्ट के अनुसार, विवाद को सुलझाने के लिए रणवीर ने फरहान से बात की और भविष्य में किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम करने की इच्छा जताई। हालांकि, फिलहाल न तो फरहान और न ही उनकी बहन जोया अख्तर रणवीर के साथ काम करने में रुचि रखते हैं। एक सूत्र ने बताया, 'रणवीर ने फरहान और रणवीर द्वारा आपसी सहमति से चुनी गई एक और फिल्म का प्रस्ताव रखा। रणवीर ने फरहान की बहन जोया अख्तर के साथ भी फिल्म करने का प्रस्ताव रखा, जिनके साथ उन्होंने पहले गली बॉय में काम किया है। यह प्रस्ताव फरहान और उनके प्रोडक्शन पार्टनर रितेश सिधवानी दोनों को दिया गया था, लेकिन दोनों ने तुरंत इसे ठुकरा दिया।'

सलमान खान ने भी किया मामले को सुलझाने के लिए हस्तक्षेप

करीबी सूत्र ने यह भी दावा किया कि न तो फरहान और न ही जोया रणवीर के साथ दोबारा काम करना चाहते हैं। यह खबर उस दिन के एक दिन बाद आई है जब यह पता चला था कि सलमान खान ने भी रणवीर और फरहान की सुलह कराने का प्रयास किया है। खबरों के मुताबिक, सलमान ने हाल ही में दोनों पक्षों से बात की और उनसे शांति से अपने मुद्दों को सुलझाने की अपील की है।

विक्रम की फिल्म में फैशन फोटोग्राफर बनीं सैयामी खेर

सैयामी खेर की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म से उनका पहला लुक जारी कर दिया गया है, जिसके बाद से फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस फिल्म का निर्देशन विक्रम फडणिस कर रहे हैं। हालांकि अभी तक फिल्म के टाइटल का आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन सामने आए पोस्टर ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। जारी लुक में सैयामी प्रोफेशनल कैमरा थामे नजर आ रही हैं। फिल्म में वह एक फैशन फोटोग्राफर की भूमिका निभाती दिखाई देंगी। सैयामी ने फिल्म को लेकर कहा कि जैसे ही विक्रम ने उन्हें कहानी सुनाई, उन्होंने तुरंत इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी। अभिनेत्री के मुताबिक, उनके जैसे कलाकारों को अक्सर इतने मजबूत और गहराई वाले किरदार निभाने का मौका नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि वह खुद को बेहद खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस तरह की चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं मिल रही हैं। फिल्म में ताहिर राज भसीन और विनीत कुमार सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी की गई है।

इंडियाज गॉट लेटेंट 2 के पहले एपिसोड में दिखेंगी आलिया-शरवरी!

समय रैना इन दिनों अपने शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के लिए सुर्खियों में हैं। हाल ही में इससे जुड़ी एक फोटो भी वायरल हुई थी, जिसमें गेस्ट के तौर पर आलिया भट्ट नजर आ रही थीं। अब शो को लेकर और भी बातें सामने आई हैं।

पहले एपिसोड में नजर आएंगी आलिया शरवरी!

हाल ही में 'इंडियाज गॉट लेटेंट' सीजन 2 से जुड़ा एक फोटो काफी वायरल हो रहा था, जिसमें आलिया भट्ट नजर आ रहीं थीं। इस फोटो को जिसने पोस्ट किया था, उन्होंने हाल ही में शो को लेकर और भी कई खुलासे किए हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि फोटो वायरल होने के बाद समय रैना ने उन्हें मैसेज कर 'शेम' लिखा था। गेस्ट को लेकर पूछे गए सवाल पर फैन ने इस बात को कन्फर्म किया कि आलिया भट्ट और शरवरी पहले एपिसोड में नजर आने वाली हैं। उन्होंने आगे कहा कि शो में इस बार ये बदलाव देखने को मिल सकता है कि ज्यादातर गेस्ट बॉलीवुड से जुड़े होंगे। उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी, क्योंकि वो ज्यादा फेमस हैं। साथ ही उन्होंने शो के दौरान समय के व्यवहार को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि पहले सीजन में हुए विवाद के चलते इस सीजन में समय काफी नर्वस दिखाई दिए। समय रैना ने हाल ही में अपने शो स्टिल अलाइव के दौरान ऐलान किया कि उनका पॉपुलर रोस्ट-स्टाइल टैलेंट शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' जल्द वापसी करने वाला है। खबरें हैं कि पहले एपिसोड में एक्ट्रेस आलिया भट्ट और शरवरी नजर आ सकती हैं।

अभिनेता के रूप में हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करता हूं

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग नेटफ्लिक्स की फिल्म 'कर्तव्य' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता ने बताया कि मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। बातचीत में सैफ अपनी 25 साल पुरानी वायरल लाइन 'मैं गिटार खेलता हूं' पर न केवल प्रतिक्रिया दी बल्कि क्लिप को बेहद मजेदार भी बताया। इंटरव्यू के दौरान जब उनके को-स्टार रसिका दुग्गल और मनीष चौधरी से पूछा गया कि सैफ सेट पर भी वन-लाइनर्स देते हैं या नहीं तो रसिका ने उनकी कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा, 'हर समय! वह हर समय खूब मस्ती करने वाले एक्टर्स में से हैं।'

इस पर सैफ ने कहा, 'मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। एक बार जब सीन ठीक से कर लेते हैं, उसके बाद थोड़ी मस्ती भी कर सकते हैं।' बातचीत के दौरान उन्हें दूरदर्शन पर दिए गए लगभग 25 साल पुराने इंटरव्यू की याद दिलाई गई, जिसमें वे कहते सुनाई देते हैं- 'मैं गिटार खेलता हूं।' यह क्लिप आज भी सोशल मीडिया पर बार-बार वायरल होती रहती है। इस पर सैफ ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'मैंने वह क्लिप देखी है। वह मजेदार है, बहुत ही ज्यादा मजेदार। उस क्लिप में हर तरह की चीजें हैं।' उन्होंने आगे कहा कि उस इंटरव्यू में कई ऐसी बातें हैं जो अब गैरकानूनी मानी जाएंगी और शायद उस समय भी गैरकानूनी रही होंगी। उसी पुराने इंटरव्यू में सैफ ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों मधुबाला और जीनत अमान की तुलना भी की थी। इस पर सैफ ने कहा, 'उनके बीच के अंतर के साथ... मुझे नहीं पता कि वह अंतर क्या था। यह बहुत ही अजीब बात है।' 'कर्तव्य' फिल्म के प्रमोशन में सैफ ने अपने काम के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि आजकल क्राइम ड्रामा बहुत ज्यादा हैं, लेकिन एक अभिनेता के रूप में वह हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करते हैं। सैफ ने बताया, 'मेरे लिए असली बात यह है कि आप उस इंसान का किरदार निभाएं, न कि सिर्फ पुलिसवाले का। हर इंसान अलग होता है।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर वही काम दोबारा करना पड़े तो निर्देशक और निर्माता मिलकर अलग माहौल तैयार करते हैं।

बॉबी देओल के साथ रिश्ते पर पूजा भट्ट ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल और तान्या देओल की शादी 30 मई 1996 को हुई थी। फिलहाल दोनों खुशहाल जीवन बिता रहे हैं। लेकिन एक वक्त था, जब बॉबी देओल और पूजा भट्ट के रिलेशनशिप की चर्चा काफी होती थी। अब हाल ही में पूजा भट्ट ने इस मामले पर चुप्पी तोड़कर बड़ा बयान दिया है।

पूजा भट्ट ने किए चौंकाने वाले खुलासे

बातचीत में पूजा ने कई खुलासे किए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे और बॉबी प्यार में थे, तो उन्होंने कहा- 'बिल्कुल। ऐसा क्या है जिससे प्यार न हो?' अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए पूजा ने कहा, 'वो मेरी जिंदगी का एक बहुत ही खास और खूबसूरत समय था, और वो एक बहुत ही अच्छे इंसान थे जिनके साथ रहना अच्छा लगता था।'

ब्रेकअप की वजह बताने से किया इनकार

पूजा ने बताया कि किस समय के साथ वह और बॉबी अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ गए। उन्होंने अपने ब्रेकअप की वजह बताने से साफ इनकार कर दिया। उनका कहना था कि किसी पुराने रिश्ते को आज के समय में सार्वजनिक रूप से तोड़ना-समझाना सही नहीं है, खासकर जब बॉबी आज अपनी फैमिली और करियर में आगे बढ़ चुके हैं।

हमने कभी इसे छुपाया नहीं

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आज बैठकर यह बात करना ठीक होगा कि हमारा रिश्ता क्यों खत्म हुआ या कैसा था... वो था। हमने कभी इसे छुपाया नहीं। आज वो शादीशुदा हैं, बड़े बच्चों के पिता हैं और उनके करियर में एक नया शानदार दौर चल रहा है। मुझे 'एनिमल' में उनका काम बहुत पसंद आया। मेरे लिए तो उन्होंने फिल्म में जान डाल दी। मैं उनके लिए बहुत खुश हूं।' रिश्ते को छोटा या हल्का नहीं बनाना चाहतीं पूजा ने आगे कहा कि वह अपने पुराने रिश्ते को छोटा या हल्का नहीं बनाना चाहतीं, इसलिए यह बताना जरूरी नहीं है कि वह क्यों नहीं चला। उन्होंने कहा, 'किसी के साथ बिताया हुआ समय बहुत मायने रखता है... हर चीज को 'क्यों नहीं चला' में बदलना जरूरी नहीं होता। वो चला, जब तक चला। बस। अपने आज और अपने साथ जुड़े लोगों के लिए गरिमा और सम्मान बनाए रखना बहुत जरूरी है।'

बॉबी देओल और पूजा भट्ट की पर्सनल लाइफ

बॉबी देओल ने 1996 में तान्या देओल से शादी की थी। उनके दो बेटे हैं- आर्यमान देओल और धरम देओल। वहीं पूजा भट्ट ने 2003 में मनीष माखीजा से शादी की थी, लेकिन 11 साल बाद दोनों अलग हो गए।

इस फिल्म में नजर आएंगे बॉबी

बॉबी देओल आने वाले समय में 'बंदर' फिल्म में नजर आएंगे। अनुराग कश्यप निर्देशन 'बंदर' की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है। निखिल द्विवेदी इसके प्रोड्यूसर हैं। इस फिल्म में बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी, सबा आजाद, इंद्रजीत सुकुमारन, जितेंद्र जोशी, राज बी. शेट्टी और नागेश भोंसले जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। 'बंदर' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त राष्ट्र ने दी चेतावनी : जून से अगस्त तक भयंकर गर्मी का अलर्ट, अल नीनो बढ़ाएगा आफत

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी ने मध्यम या तीव्र अल नीनो का पूर्वानुमान लगाया है। उसने चेताया कि इससे न सिर्फ वैश्विक तापमान बढ़ने का खतरा है बल्कि आगामी महीनों में मौसम की चरम घटनाओं का जोखिम भी बढ़ सकता है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के अनुसार, गर्म समुद्री जल अल नीनो के विकास को बढ़ावा दे रहा है और जून से अगस्त तक दुनिया के अधिकांश हिस्सों में औसत से अधिक तापमान रहने का अनुमान है। अल नीनो मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के तापमान में आवधिक वृद्धि है, जो आमतौर पर नौ से बारह महीने तक रहती है। डब्ल्यूएमओ ने कहा, यह अल नीनो नवंबर तक जारी रहने की संभावना है। उसने कहा, अल नीनो कितना तेज होगा, यह अभी भी अनिश्चित है क्योंकि मौसम विज्ञान के मॉडल इसकी तीव्रता पर भिन्न-भिन्न राय रखते हैं, लेकिन अधिकारियों ने तैयार रहने की जरूरत पर जोर दिया है। डब्ल्यूएमओ की महासचिव सेलेस्टे साउलो ने कहा, तीव्र अल नीनो घटना के लिए तैयार रहना ही होगा, क्योंकि इससे सूखा और भारी वर्षा बढ़ेगी और जमीन तथा समुद्र दोनों पर लू का खतरा भी बढ़ेगा।

इस्राइल में गृहयुद्ध जैसे हालात : सैन्य भर्ती के खिलाफ सड़कों पर उतरे अति-रूढ़िवादी यहूदी, फूंक दीं कारें

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइल में हजारों अति-रूढ़िवादी यहूदियों ने अनिवार्य सैन्य भर्ती के विरोध में जबरदस्त प्रदर्शन किया और सड़कें जाम कीं। हिंसक प्रदर्शनकारियों ने रेल यातायात बाधित कर दिया और कुछ स्थानों पर कारों में आग लगा दी। पुलिस ने कहा, प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख चौराहों को रोका और एक बस से उतरे सैनिक पर हमला किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को पानी की बौछारों का इस्तेमाल करना पड़ा। प्रदर्शन से जनजीवन ठप हो गया। हालात इतने विकट हो गए कि मध्य क्षेत्र स्थित यरुशलम और तेल अवीव में प्रमुख राजमार्ग बंद हो गए तथा सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी प्रभावित रहीं। स्राइल में अधिकतर यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, प्रभावशाली लोग छूट हासिल करते रहे हैं। अब यह छूट खतरे में दिख रही है। बड़ी संख्या में इस्राइली युवक लंबे समय से चली आ रही इस व्यवस्था से असंतुष्ट हैं। यह असंतोष सेना के दबाव झेलने के चलते बढ़ गया। इस्राइली युवाओं में अनिवार्य सैन्य भर्ती के लिए आक्रोश इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि अनेक नागरिकों को रिजर्व ड्यूटी के लिए बार-बार मोर्चे पर लौटना पड़ा है। खासतौर पर पिछले कुछ वर्षों में गाजा और फिर लेबनान, ईरान तथा यमन में शुरू लड़ाई के चलते युवाओं के लिए यह नियम परेशानी बन गया है। इससे परिवारों में भी असंतोष है। यह विवाद अब पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के लिए भी गंभीर सियासी संकट का कारण बन गया है। अति-रूढ़िवादी दलों द्वारा सरकार से समर्थन वापसी के बाद गठबंधन में दरार गहरा गई है। इसके चलते इस वर्ष के चुनाव समय पूर्व कराए जा सकते हैं।

पांच महीने की बच्ची की हत्या करने वाले शख्स को दिया गया मौत का इंजेक्शन, 29 साल पहले मिला था मृत्युदंड

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में अपनी प्रेमिका की पांच महीने की बच्ची की हत्या कर उसके शव को तालाब में फेंकने वाले एक व्यक्ति को मंगलवार शाम मौत की सजा दे दी गई। 53 वर्षीय एंड्रयू रिचर्ड ल्यूकार्ट को स्टार्के स्थित फ्लोरिडा स्टेट प्रिजन में तीन दवाओं के घातक इंजेक्शन दिए जाने के बाद शाम 6 :19 बजे मृत घोषित किया गया। उसे 1996 में पांच माह की गैब्रिएल हैंशॉ की हत्या और गंभीर बाल उत्पीड़न के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 1997 में मृत्युदंड सुनाया गया था। शाम छह बजे जब फांसी कक्ष का पर्दा उठा, तब ल्यूकार्ट पहले से ही एक टेबल पर बांधा हुआ था और उसके हाथ में आईवी लगी हुई थी। उसकी मौत तक एक पादरी टेबल के पास बैठकर उसके लिए प्रार्थना करता रहा। जब जेल अधीक्षक ने उससे अंतिम बयान के बारे में पूछा तो उसने दर्शक दीर्घा की पहली पंक्ति में बैठे लोगों की ओर देखकर कहा, 'मैं माफी चाहता हूं।' घातक दवाओं का इंजेक्शन शुरू होने के तुरंत बाद ल्यूकार्ट बेहोश हो गया। कुछ मिनट बाद जेल अधीक्षक ने उसे हिलाकर उसका नाम पुकारा, लेकिन उसकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद एक चिकित्साकर्मी ने उसके जीवन संकेतों की जांच की और कुछ मिनट बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। सुधार विभाग के प्रवक्ता जॉर्डन किर्कलैंड ने प्रेस वार्ता में बताया कि ल्यूकार्ट ने अंतिम भोजन लेने से इनकार कर दिया था और फांसी से पहले किसी मुलाकाती से नहीं मिला। हालांकि, उसने एक आध्यात्मिक सलाहकार से मुलाकात की थी। यह वर्ष 2026 में फ्लोरिडा में दी गई आठवीं फांसी थी।

इस्राइल का दक्षिणी लेबनान पर बड़ा हमला धमाकों से दहले कई इलाके; एयरस्ट्राइक जारी

यरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में इस समय वार्ता और वार दोनों साथ चल रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उनके दखल के बाद इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच लड़ाई रुक गई है। ट्रंप के मुताबिक, इस्राइल अब बेरूत पर हमला नहीं करेगा और हिजबुल्ला भी गोलाबारी रोकेगा। साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता भी आखिरी दौर में है। लेकिन जमीन पर हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। ट्रंप के इस दावे के कुछ ही घंटों बाद लेबनान की तरफ से दो रॉकेट दागे गए। इस्राइली वायुसेना ने इन्हें हवा में ही मार गिराया। दूसरी तरफ, ईरान ने भी अभी तक अमेरिकी शांति प्रस्ताव पर दस्तखत नहीं किए हैं। सूत्रों का कहना है कि ईरान सिर्फ वादों पर भरोसा नहीं करेगा। वह प्रतिबंध हटाने और सुरक्षा के मोर्चे पर ठोस जमीनी कदम चाहता है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार इस्राइल ने दक्षिणी लेबनान के मरजयून जिले के ब्लाट कस्बे को निशाना बनाया है। इस्राइली सेना की ओर से यहां भीषण हमले जारी हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इससे पहले पास के दिब्बीन कस्बे में एक जोरदार धमाके की आवाज सुनी गई थी। ईरान ने कुवैत-बहरीन पर दागी मिसाइलें, अमेरिका ने पलटवार में केश्म द्वीप को बनाया निशाना अमेरिका ने दावा किया है कि उसकी सेना ने क्षेत्र के पड़ोसी देशों को निशाना बनाने वाले ईरानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों की एक

श्रृंखला को नाकाम कर दिया है। इसके साथ ही अमेरिका ने ईरान के केश्म द्वीप पर जवाबी कार्रवाई भी की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि तेहरान ने क्षेत्र में हवाई हमलों की एक लहर शुरू की थी। सैन्य कमांड ने नोट किया कि ईरान ने क्षेत्रीय पड़ोसियों की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, सभी अपने लक्ष्यों को भेदने में विफल रहीं। सेंटकॉम ने क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ की गई रक्षात्मक कार्रवाइयों का विवरण देते हुए खुलासा किया कि कुवैत पर दागी गई दो ईरानी मिसाइलें या तो लक्ष्य तक नहीं पहुंचीं या रास्ते में ही नष्ट हो गईं। वहीं, बहरीन पर लॉन्च की गई तीन मिसाइलों को अमेरिकी और बहरीन की वायु रक्षा बलों ने तुरंत रोक लिया। यूएई के परमाणु संयंत्र पर ड्रोन हमले के बाद आईएईए बोला- देंगे तकनीकी सहायता अल जजीरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने पुष्टि की है कि वैश्विक परमाणु निगरानी संस्था संयुक्त अरब अमीरात को व्यापक समर्थन दे रही है। यह समर्थन पिछले महीने ड्रोन हमले में निशाना बनाए गए परमाणु ऊर्जा संयंत्र के आधिकारिक दौरे के बाद दिया गया है। ग्रॉसी ने कहा कि अधिकारियों ने बरकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र में हुई घटना पर असाधारण रूप से तीव्र परिचालन प्रतिक्रिया का प्रदर्शन किया और संयंत्र में बाहरी बिजली की आपूर्ति बाधित होने के तुरंत बाद रिएक्टर को बंद करने की प्रक्रिया को तेजी से अंजाम दिया। आईएईए प्रमुख ने आगे संकेत दिया कि सुविधा में मरम्मत के काम का पूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी आकलन और परिचालन गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की जानी है। ग्रॉसी ने बिजली संयंत्र में आगामी रखरखाव कार्य की सटीक प्रकृति या समयसीमा के संबंध में कोई और विशिष्ट विवरण नहीं दिया। यह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप 17 मई को ड्रोन हमले के कारण संयुक्त अरब अमीरात की एकमात्र परमाणु ऊर्जा सुविधा में लगी आग के बाद हुआ है, जिसकी पुष्टि बाद में राज्य के अधिकारियों द्वारा की गई थी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने संसद को बताया कि ईरान को दी जाने वाली कोई भी प्रतिबंध राहत परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी होगी, न कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने से। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख राफेल ग्रॉसी का कहना है कि ईरान में चल रही कई परमाणु गतिविधियां अब रुक गई हैं। अमेरिकी सेना का कहना है कि उसने बोत्सवाना के झंडे वाले एक तेल टैंकर को अपंग कर दिया है, क्योंकि उसने ईरान के खर्ग द्वीप की ओर बढ़ने की कोशिश की थी। संयुक्त राष्ट्र की व्यापार और विकास संस्था का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से तेल आयात की लागत 20 अरब बढ़ सकती है, जिसका सबसे बुरा असर गरीब देशों पर पड़ेगा। इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में घातक हमले जारी रखे हैं, जिसमें लेबनानी शहर अल-मरवानिया में हुआ एक हमला भी शामिल है, जिसमें चार वयस्कों और दो बच्चों की मौत हो गई। दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के एक ड्रोन हमले में चार इस्राइली सैनिक घायल हो गए हैं। होर्मुज खोल दिया होता तो नहीं होती नाकेबंदीः रूबियो अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि नाकेबंदी का एकमात्र कारण यह है कि ईरान व्यापारिक जहाजों पर गोलीबारी कर रहा है। इसके पीछे सोच यह है कि अगर किसी और के जहाज बाहर नहीं निकल पाएंगे, तो ईरान के जहाज भी बाहर नहीं निकल पाएंगे। अगर ईरान ने वह करने पर सहमति जताई होती जो उसने युद्धविराम लागू होने के समय करने को कहा था, यानी होर्मुज को खोलना, तो यह नाकेबंदी नहीं होती। वे जो कर रहे हैं वह गैर-कानूनी और अवैध है।

ईरान ने संघर्ष के बाद अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद किए', आईएईए प्रमुख का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने दावा किया है कि ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच तेहरान ने अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंध के बाद खुफिया जानकारियों से पता चला है कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रमों को सीमित किया है। ग्रॉसी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब इस्राइल और लेबनान के बीच अमेरिका में चौथे दौर की बातचीत होनी है, जिसके लिए दोनों देशों के प्रतिनिधि वॉशिंगटन पहुंच चुके हैं।

अमेरिकी विदेश मार्को रूबियो ने मंगलवार को कहा कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम के पहलुओं पर बातचीत करने के लिए तैयार है। सीनेट की विदेश संबंधी समिति के सामने बोलते हुए रूबियो ने कहा, हम बात कर रहे हैं। हमारे सामने एक संभावना है, जो आज या कल हो सकती है या इसमें एक सप्ताह भी लग सकता है। पहली बार है, जब ईरान परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए तैयार हुआ है। रूबियो ने होर्मुज खोलने की वकालत की और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को मुक्त रखने की मांग की।

रूबियो ने जोर दिया कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य खोलता है, तो अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर नाकाबंदी को हटा देगा। उन्होंने यह भी बताया कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई जीवित हैं और अभी भी निर्णय लेने में शामिल हैं,

लेकिन यह भी कहा कि मोजतबा केवल लिखित संदेश और मध्यस्थों के माध्यम से संवाद करता है। रुबियो ने कहा कि ईरान की बातचीत की प्रक्रिया बहुत केंद्रित प्रतीत होती है, ईरानी अधिकारियों द्वारा भेजे गए संदेशों के साथ एक मंजूरी के लिए परिषद को भेजा जाता है, एक प्रक्रिया जो उनके अनुसार प्रतिक्रिया देने से पहले तीन से पांच दिन तक का समय ले सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी और इजरायली हमले ईरान के मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं को बहुत कम कर दिया है, लेकिन यह स्वीकार करते हुए कि तेहरान अभी भी बहुत सारे ड्रोन है, और यह नोट करते हुए कि ड्रोन का उत्पादन करना अपेक्षाकृत आसान है। इस्राइल और लेबनान के बीच चौथे दौर की यह बातचीत ऐसे समय हो रही है, जब सीमा पर हमले अभी भी हमले जारी हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने दोनों देशों के बीच विवाद की जल्द समाधान की उम्मीद व्यक्त की। रूबियो ने बताया कि इस्राइल और लेबनान के बीच कल ही शांति समझौता हो सकता है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि इस्राइल ने लेबनान में कोई क्षेत्रीय दावा नहीं किया है।

भारत समेत 60 देशों पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा अमेरिका, लगाए बेतुके आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका एक तरफ भारत के साथ संबंध बेहतर करने की दुहाई दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ ट्रंप प्रशासन भारत के खिलाफ कार्रवाई से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल अमेरिकी सरकार एक बार फिर भारत पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रही है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि यूएसटीआर ने भारत समेत 60 देशों पर ये नया टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है। टैरिफ लगाने की वजह ये बताई गई है कि भारत समेत 60 देश जबरन श्रम से उत्पादित वस्तुओं के निर्यात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने दिया प्रस्ताव : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिकी व्यापार कानून 1974 की धारा 301 के तहत पाया गया है कि 60 देशों की नीतियां और कार्यशैली अमेरिकी व्यापार पर गैरजरूरी दबाव बढ़ाती हैं और अमेरिकी व्यापार को बाधित करती हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय, अमेरिका की एक कार्यकारी संघीय एजेंसी है, जो अमेरिका की विदेश व्यापार नीति बनाने के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार, भारत समेत 54 देश उन सामानों के निर्यात पर जरूरी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं, जिन्हें जबरन श्रम द्वारा बनाया जाता है। भारत के अलावा इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बांग्लादेश, चीन, जापान, सऊदी अरब, सिंगापुर, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी शामिल हैं।

जैमिसन ग्रीर ने जारी किया बयान : अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर ने अपने बयान में कहा, 'हमारे सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदारों द्वारा जबरन श्रम से निर्मित वस्तुओं के निर्यात को रोकने में विफलता अस्वीकार्य है। इससे एक ऐसी स्थिति उत्पन्न होती हैइससे अमेरिकी कामगारों को असमान प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है।' अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने इन देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया है और इस पर जनता से प्रतिक्रिया मांगी गई है।

क्या है सेक्शन 301?: जिसके आड़ में दोबारा टैरिफ लगाने की फिराक में है यूएस, कैसे बन रही 60 देशों की लिस्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका भारत समेत 60 देशों के खिलाफ नए व्यापारिक कदम उठा सकता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने संकेत दिया है कि 1974 के अमेरिकी व्यापार कानून की धारा 301 के तहत चल रही जांच के नतीजे आने वाले हफ्तों में जारी किए जाएंगे। जांच में दक्षिण कोरिया, चीन, जापान और भारत सहित 70 से अधिक देशों की व्यापार नीतियों की समीक्षा की जा रही है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीयर ने कहा कि अगर जांच में अनुचित व्यापारिक प्रथाएं, अत्यधिक उत्पादन क्षमता या जबरन श्रम से जुड़े मामलों की पुष्टि होती है, तो अमेरिका अतिरिक्त टैरिफ या अन्य व्यापारिक प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव ला सकता है।

धारा 301 के तहत कैसे तलाशी जा रही है संभावनाएं : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय

द्वारा जारी बयान के अनुसार, धारा 301 के तहत यह पाया गया है कि 60 देशों की नीतियां और कार्यशैली अमेरिकी व्यापार पर गैरजरूरी दबाव डालती हैं और अमेरिकी कारोबार में बाधा उत्पन्न करती हैं। स्क्ष्क्रअमेरिका की वह संघीय एजेंसी है जो देश की विदेश व्यापार नीति तैयार करने और व्यापारिक जांच करने के लिए जिम्मेदार है। बयान में कहा गया है कि भारत समेत 54 देश ऐसे उत्पादों के निर्यात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं, जिनके निर्माण में जबरन श्रम का इस्तेमाल होने की आशंका रहती है। इस सूची में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बांग्लादेश, चीन, जापान, सऊदी अरब, सिंगापुर, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी शामिल हैं।

क्या है सेक्शन 301 : सेक्शन 301 अमेरिका के 1974 के ट्रेड एक्ट का एक प्रावधान है, जो अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय को किसी देश की व्यापारिक नीतियों की जांच करने और उन्हें अमेरिकी हितों के खिलाफ या अनुचित पाए जाने पर जवाबी कार्रवाई की अनुमति देता है। इसके तहत अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ), व्यापारिक प्रतिबंध या अन्य दंडात्मक कदम उठाए जा सकते हैं। ग्रीयर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन का उद्देश्य अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करना और उत्पादन गतिविधियों को वापस अमेरिका लाना है। उनका दावा है कि लंबे समय से जारी अनुचित व्यापारिक प्रथाओं और बढ़ते व्यापार घाटे के कारण अमेरिका को सख्त टैरिफ नीति अपनानी पड़ रही है। गौरतलब है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा देश-विशेष पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद ट्रंप प्रशासन अब सेक्शन 301 के तहत देशवार जांच कर नए टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में जांच रिपोर्ट आने के बाद भारत समेत कई देशों के निर्यात पर असर पड़ सकता है।

दुनियाभर के दुर्लभ खनिज पर नजरें गड़ाए है अमेरिका! मार्को रूबियो बोले- हमारी कूटनीति का प्रमुख आधार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) अब अमेरिकी कूटनीति का एक प्रमुख आधार बन गए हैं। दुनिया भर में स्थित अमेरिकी दूतावास अब आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने और चीन पर निर्भरता कम करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। मार्को रूबियो ने कहा, 'दुनिया भर में हर अमेरिकी दूतावास में महत्वपूर्ण खनिज हमारी कूटनीति का एक प्रमुख हिस्सा हैं।' उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों को उन्नत विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा प्रणालियों, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के भविष्य के लिए बेहद जरूरी बताया। उन्होंने बताया कि अमेरिका विभिन्न क्षेत्रों में अपने साझेदार देशों के साथ मिलकर वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित कर रहा है, ताकि खनन, शोधन और प्रसंस्करण में चीन के वर्चस्व से पैदा हुई कमजोरियों को कम किया जा सके। उन्होंने हाल की कूटनीतिक पहलों का भी जिक्र किया, जिनमें खनिज सुरक्षा और सहयोग पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय बैठकें शामिल हैं।

तीन दर्जन से ज्यादा देशों के साथ बातचीत : रूबियो ने कहा, 'दुर्लभ खनिज को लेकर मंत्रिस्तरीय बैठक में तीन दर्जन से अधिक देशों ने भाग लिया था।' उनके अनुसार, अमेरिका की रणनीति केवल खनिज भंडारों तक पहुंच हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन के बाहर प्रसंस्करण और शोधन क्षमता बढ़ाने पर भी केंद्रित है। उन्होंने कहा कि इन सामग्रियों को इस्तेमाल योग्य उत्पाद में बदलने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। यह आर्थिक तथा राष्ट्रीय सुरक्षा योजना का अहम हिस्सा है। रूबियो ने बताया कि अमेरिकी राजनयिक अब दुनियाभर की सरकारों के साथ मिलकर आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों की पहचान कर रहे हैं और देशों को निवेश तथा विकास के वैकल्पिक स्रोतों से जोड़ने का काम कर रहे हैं।

चीन को बताया विकासशील देशों के लिए बड़ी चुनौती : अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचा और औद्योगिक विकास की तलाश करने वाले कई देशों के पास अक्सर चीन समर्थित परियोजनाओं के अलावा बहुत कम विकल्प होते हैं। रूबियो ने कहा, 'वहां केवल चीनी कंपनियां ही पहुंचती हैं।' उन्होंने इसे कई विकासशील देशों के सामने मौजूद एक बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि इसी कारण अमेरिका खनन, प्रसंस्करण, परिवहन और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में अमेरिकी और सहयोगी देशों के विकल्पों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। इस प्रयास के तहत वित्तीय साधनों और समान सोच वाले देशों के साथ साझेदारी का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि विशेष रूप से खनिज संसाधनों से समृद्ध क्षेत्रों में रणनीतिक परियोजनाओं को समर्थन दिया जा सके।

तिब्बत में चीन के अत्याचारों की जांच करेगा अमेरिका: संसद में नया बिल पेश, एक साल में सामने आएगी रिपोर्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में दोनों पार्टियों के प्रतिनिधियों ने एक नया बिल पेश किया है। इस बिल के तहत अमेरिकी विदेश विभाग को यह तय करना होगा कि क्या चीन ने तिब्बत के लोगों के खिलाफ नरसंहार या मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं। यह बिल न्यू जर्सी के रिपब्लिकन प्रतिनिधि क्रिस स्मिथ और न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट सांसद टॉम सुओजी ने मंगलवार को पेश किया। इस बिल का नाम 'टिब्बत एट्रोसिटीज डिटरमिनेशन एक्ट' है। अगर यह पास हो जाता है, तो विदेश मंत्री को एक साल के अंदर कांग्रेस को एक रिपोर्ट देनी होगी, जिसमें चीन की तिब्बत में की गई गतिविधियों का आकलन होगा। यह बिल सीनेट में पहले से पेश किए गए एक दूसरे बिल का ही हाउस वर्जन है, जिसे रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट और डेमोक्रेट सीनेटर जेफ मर्कले ने पेश किया था।

इस बिल में क्या है : अगर यह कानून बन जाता है, तो अमेरिकी विदेश विभाग को यह जांच करनी होगी कि क्या चीनी अधिकारियों ने तिब्बतियों के खिलाफ मनमानी हत्याएं, गंभीर शारीरिक या मानसिक नुकसान, अमानवीय जीवन स्थितियां, जबरन विस्थापन, बड़े पैमाने पर हिरासत में लेना, जबरन नसबंदी और गर्भपात, और तिब्बती बच्चों को उनके परिवारों और समुदायों से अलग करने जैसे अत्याचार किए हैं। इसके अलावा, यह भी देखा जाएगा कि चीन तिब्बती बौद्ध धर्म को अपने हिसाब से बदलने, तिब्बती भाषा और

संस्कृति को दबाने की कोशिश कर रहा है या नहीं। रिपोर्ट में सरकारी जानकारी के साथ-साथ दूसरे स्वतंत्र स्रोतों की जानकारी भी शामिल होगी। साथ ही यह भी सुझाव दिए जाएंगे कि अमेरिका क्या कदम उठा सकता है, जैसे कि प्रतिबंध, वीजा रोकना या कूटनीतिक कार्रवाई करना।

अत्याचारों को नजरअंदाज नहीं करना है' : क्रिस स्मिथ ने कहा कि चीन लंबे समय से तिब्बत में गंभीर अत्याचार करता आ रहा है। इसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उनके मुताबिक, इन अपराधों को साफ तौर पर सामने लाना जरूरी है। क्योंकि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। टॉम सुओजी ने कहा कि चीन की कार्रवाई सिर्फ तिब्बत ही नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि तिब्बतियों, उइगर मुसलमानों और हांगकांग के लोकतंत्र समर्थकों के साथ हो रहे व्यवहार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और मानवाधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।

अमेरिकी सांसद की चेतावनी: वीजा में देरी से US में डॉक्टरों की कमी का खतरा, जानें भारतीयों पर पड़ेगा कितना असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड ने चेतावनी दी है कि जे-1 वीजा छूट की प्रक्रिया में देरी के कारण विदेश में प्रशिक्षित सैकड़ों डॉक्टरों को अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है। इससे खासकर ग्रामीण इलाकों में डॉक्टरों की कमी और बढ़ सकती है। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट प्रतिनिधि गिलिब्रैंड ने अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि प्रशासनिक लंबित मामलों के कारण योग्य विदेशी डॉक्टर देशभर के अस्पतालों में नौकरी शुरू नहीं कर पा रहे हैं। इसमें न्यूयॉर्क के कई ग्रामीण और स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित क्षेत्र भी शामिल हैं।

अमेरिका में काम करने वाले भारत के मेडिकल ग्रेजुएट्स सबसे ज्यादा : गिलिब्रैंड ने लिखा, 'ऑफिस ऑफ ग्लोबल अफेयर्स में प्रशासनिक रुकावट के कारण सैकड़ों योग्य विदेशी डॉक्टर अमेरिका में अपनी सेवाएं शुरू नहीं कर पा रहे हैं।' यह मुद्दा भारत के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकता है, क्योंकि अमेरिका में काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय मेडिकल ग्रेजुएट्स में भारतीय डॉक्टरों की संख्या सबसे अधिक है। गिलिब्रैंड ने कहा कि न्यूयॉर्क राज्य डॉक्टरों की कमी पूरी करने के लिए विदेशी प्रशिक्षित डॉक्टरों पर काफी निर्भर है, खासकर ग्रामीण इलाकों में जहां डॉक्टरों की भर्ती करना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय मेडिकल ग्रेजुएट्स न्यूयॉर्क की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले संस्थान योग्य डॉक्टरों को सिर्फ प्रशासनिक देरी के कारण खो नहीं सकते।

न्यूयॉर्क के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीर कमी : सीनेटर के अनुसार, न्यूयॉर्क के कुल डॉक्टरों में एक-तिहाई से अधिक विदेशी प्रशिक्षित हैं। उन्होंने 2025 की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि न्यूयॉर्क के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीर कमी है। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य के 16 ग्रामीण काउंटियों में डॉक्टरों की भारी कमी है। कई काउंटियों

में एक भी बाल रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रिशियन) या स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ नहीं है। इन क्षेत्रों में औसतन हर 10,000 लोगों पर केवल 4 प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सक उपलब्ध हैं, जो राज्य के औसत से आधे से भी कम है। इन क्षेत्रों के अस्पताल अक्सर जे-1 वीजा वेवर कार्यक्रम पर निर्भर रहते हैं। यह कार्यक्रम विदेशी डॉक्टरों को अमेरिका में रहने की अनुमति देता है, यदि वे डॉक्टरों की कमी वाले क्षेत्रों में काम करने के लिए सहमत हों। गिलिब्रैंड ने कहा कि वेवर आवेदन की प्रक्रिया में कई महीनों की देरी के कारण डॉक्टर नौकरी शुरू नहीं कर पा रहे हैं और अस्पतालों को अगले वर्ष की स्टाफिंग योजना बनाने में कठिनाई हो रही है। मरीजों के इलाज पर पड़ रहा सीधा असर उन्होंने लिखा, 'मेरे कार्यालय को न्यूयॉर्क के कई अस्पतालों और डॉक्टरों से शिकायतें मिली हैं कि उन्हें नौकरी का प्रस्ताव मिलने के बावजूद महीनों से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है।' उन्होंने कहा कि ये प्रशासनिक देरी सिर्फ असुविधा नहीं है, बल्कि इससे स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिरता और मरीजों के इलाज पर सीधा असर पड़ सकता है। गिलिब्रैंड ने चेतावनी दी कि स्थिति इसलिए और गंभीर हो गई है क्योंकि रेजिडेंसी पूरी कर रहे कई डॉक्टरों के लिए 30 जुलाई एक महत्वपूर्ण समयसीमा है। यदि तब तक उनके वेवर आवेदन मंजूर नहीं होते, तो उन्हें अपने देश वापस लौटना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर समय पर अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा, विदेश विभाग और अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा द्वारा प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, तो इन डॉक्टरों को अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है और इसका खामियाजा न्यूयॉर्क के लोगों को भुगतना पड़ेगा। गिलिब्रैंड ने बताया कि अप्रैल में अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा ने उनके कार्यालय को जानकारी दी थी कि ऑफिस ऑफ ग्लोबल अफेयर्स बड़ी संख्या में आवेदनों पर काम कर रहा है और प्रक्रिया में सुधार भी कर रहा है। हालांकि, विभाग ने यह नहीं बताया कि लंबित मामलों का निपटारा कब तक होगा। उन्होंने अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा से 15 जून तक यह जानकारी देने को कहा है कि कितने आवेदन लंबित हैं, उन्हें निपटाने में कितना समय लग रहा है और क्या जरूरत वाले क्षेत्रों में काम करने वाले डॉक्टरों के मामलों की प्रक्रिया तेज की जा सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)